THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 281 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.2 2080 शुक्रवार, 29 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पुष्य नक्षत्र पर

5 लाख की गारंटी

3 दिन में 5 लाख रेट बढ़ेगी

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

89% SOLD OUT

11% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	जनवरी '24 की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज				
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	54 LACS	56.25 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60 LACS	62.50 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	66 LACS	68.75 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	72 LACS	75 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	84 LACS	87.50 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	120 LACS	125 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

कर्नाटक के मंत्री की कार ट्रक से टकराई

बाल-बाल बची जान

तुमकुरु, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री मधु बंगरप्पा की कार तुमकुरु जिले के क्याथासंद्रा के पास एक ट्रक से जा टकराई। मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में मंत्री मधु बंगरप्पा बाल-बाल बच गए हैं। इसकी जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग संभालने वाले मधु बंगारप्पा बुधवार देर रात शिवमोग्गा से बेंगलुरु लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने कहा कि इस दुर्घटना में कार में सवार कोई भी घायल नहीं हुआ, मंत्री दूसरी कार में बेंगलुरु के लिए रवाना हो गए हैं।

बीजेपी ने श्री राम को एक तरह से किडनैप कर लिया

अयोध्या में न्योते के सवाल पर भड़के संजय राउत

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर के उद्घाटन पर सियासत लगातार जारी है। अब उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने मोदी सरकार पर अटैक किया है और कहा कि ये कोई नेशनल इवेंट नहीं बल्कि बीजेपी का कार्यक्रम है। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी का ये कार्यक्रम खत्म होने के बाद वो अयोध्या जाएंगे। जब राउत से ये सवाल किया गया कि पूरे देश में विपक्ष के नेताओं को न्योता भेजा जा रहा है, क्या आपको भी न्योता आया है? इसपर राउत ने तीखे स्वरों में कहा, ये सब क्या है। 22 जनवरी का कार्यक्रम बीजेपी का कार्यक्रम है।

राम को एक तरह से किडनैप कर लिया गया

अयोध्या के न्योते को लेकर संजय राउत ने कहा कि अगर यह मंदिर प्रशासन का कार्यक्रम होता तो राम मंदिर का समारोह अलग होता। वहां सत्ता है बीजेपी की है। मुझे लगता है कि प्रभू श्री राम को एक तरह से किडनैप कर लिया गया है। हम क्या बीजेपी के न्योते का इंतजार करते हुए बैठे हैं। जब बीजेपी का कार्यक्रम खत्म हो जायेगा, उसके बाद हम रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जायेंगे। बीजेपी कौन होती है रामलला का न्योता देने वाली। भगवान खुद बुलाते हैं और भक्त बुलाते हैं।

आयोध्या में जो हो रहा, वो बीजेपी का कार्यक्रम है

संजय राउत ने आगे कहा कि भगवान राम पर जो राजनीति कर रहें है, उनका भगवान राम से कोई रिश्ता नहीं है। ये चुनावी जुमला है। कौन जाएगा बीजेपी के कार्यक्रम में? आयोध्या में जो कार्यक्रम हो रहा है वो बीजेपी का कार्यक्रम है। अगर ऐसा नहीं होता तो वहां पूरे देश को बुलाया जाता, लेकिन बीजेपी यह देख रही है कि एनडीए के लोग कौन हैं, चमचे कौन हैं। भगवान के दरबार में। हिंदू संस्कृति में ये सब नहीं होता है। राउत ने कहा कि प्रभू श्रीराम सभी के हैं। वहां सही समय पर जायेंगे। जिसका अयोध्या के संघर्ष में चार आने का योगदान नहीं है, वो संसद का उद्घाटन कर रहें है, मंदिर का उद्घाटन कर रहें हैं।

अयोध्या के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी

बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पहले पूरे क्षेत्र के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि पहले 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित अयोध्या दौरे से पहले श्री राम जन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर रामायण काल के प्रमुख प्रसंगों का मनमोहक चित्रण कराने की दिशा में योगी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में तेजी लाई जा रही है।

गिरिराज सिंह ने कर दी 'भविष्यवाणी'

कहा- 'लालू ने रच दिया चक्रव्यूह अब नीतीश के पास 2 रास्ते'

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भविष्यवाणी कर दी है। गुरुवार को मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार कुछ ही दिनों के मेहमान हैं। वह मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। लालू यादव ने पूरा चक्रव्यूह रच दिया है।

गिरिराज सिंह बोले- नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे लालू

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अवध बिहारी चौधरी को स्पीकर बनाना पहला चक्रव्यूह था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को सीएम नहीं बना रहे हैं। नीतीश कुमार राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक कर लें, अब वो कुछ ही दिनों के मेहमान हैं। लालू यादव अब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे।

गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार को बताए दो रास्ते

अपने बयान में तंज कसते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास दो रास्ते हैं, एक तेजस्वी यादव को सीएम मान लें, दूसरा जेडीयू का आरजेडी के साथ विलय कर दें यही दो रास्ते बचे है। अगर नहीं माने तो फिर गर्दनिया पासपोर्ट। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं ये नहीं कह सकता कि नीतीश कुमार का पॉलिटिकल करियर समाप्त हो जाएगा, लेकिन उनका जाना तय है। वो मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। एक महीना में ये हो जाए, 10 दिन में या पांच दिन में हो जाए। आरजेडी का ही मुख्यमंत्री बनेगा तब जंगलराज 2 का आनंद आएगा।

भारत की जेल में बंद होगा हाफिज सईद

क्या पाकिस्तान से लाने की हो रही तैयारी?

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। क्या भारत मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है? पाकिस्तानी मीडिया में ही खबर चल रही है कि पाकिस्तान सरकार से उसे भारत भेजने का अनुरोध किया गया है। मुंबई आतंकी हमले में सईद के शामिल होने की जानकारी पाकिस्तान को पहले ही दे दी गई थी। साथ ही अपील की गई थी कि उसके खिलाफ सभी जरूरी न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी और उसे सजा भी दिया जाएगा लेकिन कथित रूप से आज भी वह पाकिस्तान में आजादी से रहता है।

पाकिस्तानी मीडिया संस्थान इस्लामाबाद पोस्ट में दावा किया गया है कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को भेजे अनुरोध में हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की अपील की। राजनयिक सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में दावा है कि इस प्रक्रिया को जल्द शुरू करने की मांग की गई है। इस खबर पर ना तो पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय और ना ही भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि की गई है।

हाफिज सईद को भारत लाने पर क्या होगा?

अगर खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि होती है और पाकिस्तान हाफिज सईद को भारत प्रत्यर्पण के लिए तैयार होता है तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर पॉजिटिव असर पड़ेगा। मसलन, इससे स्पष्ट हो पाएगा कि पाकिस्तान सचमुच आतंकवाद के खिलाफ है। इससे आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की गंभीरता का भी पता चल पाएगा। प्रत्यर्पण प्रक्रिया अगर शुरू होती है तो दोनों देशों में राजनयिक स्तर पर बातचीत भी बढ़ेगी। इससे पाकिस्तान को भी अपनी आर्थिक तंगी दूर करने में मदद मिल सकती है।

कौन है हाफिज सईद और क्या पाकिस्तान ने लिया एक्शन?

हाफिज सईद भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी है। वह अमेरिका के आतंकी लिस्ट में शामिल है। मुंबई आतंकी हमले के आरोप में अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम घोषित कर रखा है। भारत लगातार उसके खिलाफ कार्रवाई की अपील करता रहा है और सईद के भारत प्रत्यर्पण की मांग भी उठती रही है। हाफिज सईद को पिछले दशक में कार्रवाई का सामना भी करना पड़ा है। सईद लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख है, जिसके आतंकियों ने 2008 में मुंबई में आतंक मचाई थी। उसे पहली बार 2019 में गिरफ्तार किया गया था, वो भी तब जब पाकिस्तान पर एफएटीएफ यानी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की तलवार लटकी थी। उसे 11 साल जेल की सजाई सुनाई गई थी। बाद में पाकिस्तान की एक अदालत ने आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उसे 31 साल की सजा सुनाई। अभी स्पष्ट नहीं है कि वह जेल में है या अपने घर में लेकिन 2017 में उसे हाउस अरेस्ट से रिहाई मिलने के बाद आजाद घूम रहा था।

क्या हाफिज सईद को भारत लाया जा सकता है?

हाफिज सईद को भारत लाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर दोनों देशों की सरकार में सहमति बनती है तो उसे भारत लाया जा सकता है। मसलन, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है और ऐसे में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। 2018 में विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री रहे वीके सिंह ने बताया था कि भारत ने जांच में सहयोग की बात कही है लेकिन इसका पाकिस्तान ने कोई जवाब नहीं दिया था।

योगी सरकार के इस फैसले से गदगद हुईं नेताजी की बहू अपर्णा यादव

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या में तैयारी हो रही है। इससे पहले अयोध्या में होने वाली 84 कोसी परिक्रमा को लेकर यूपी आबकारी विभाग ने बड़ा एलान किया है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने निर्देश देते हुए पूरे परिक्रमा क्षेत्र में शराब की बिक्री को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। मंत्री ने कहा कि उस क्षेत्र की सभी दुकानें हटाई जाएंगी। इसपर फैसले पर बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सरकार के इस फैसले पर बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया के एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, '।' इससे पहले मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा, 'ये निर्णय लोगों का था कि जो 84 कोसी प्ररिक्रमा मार्ग है हम पूरी तरह से वहां शराब बंदी करें।

अब ओडिशा लाए जाएंगे दो चीते समेत कई जानवर बदले में दुबई भेजे जाएंगे मणिपुरी हिरण

भुवनेश्वर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भुवनेश्वर के नंदनकानन प्राणी उद्यान (एनजेपी) में अगले माह दुबई से चीते का एक जोड़ा, छह शेर, चिंपैंज़ी, लीमर अन्य जीव-जंतु और पक्षी लाए जाएंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सुशांत नंदा ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि इन जीव-जंतुओं को पशु विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से लाया जाएगा। बदले में दिए जाएंगे पांच मणिपुरी हिरण चिड़ियाघर के अधिकारियों ने विनिमय कार्यक्रम के माध्यम से इन जीव-जंतुओं और पक्षियों को लाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात में दुबई सफारी पार्क के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार, एक नर और मादा चीते के बदले पांच मणिपुरी हिरण दिए जाएंगे,

खंडवा में गैस सिलेंडर के अवैध गोदाम में लगी आग, कई टंकियों में विस्फोट

खंडवा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में बुधवार की रात गैस के अवैध गोदाम में आग लग गई और यहां रखी गैस की टंकियों में विस्फोट हुआ। इसके चलते कई मकानों को नुकसान पहुंचा है तो वहीं कुछ लोगों को चोटें भी आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, घासपुरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 11 में गैस का एक अवैध गोदाम बना रखा था जिसमें सौ से ज्यादा गैस सिलेंडर रखे हुए थे, जहां अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद एक-एक कर 30 से ज्यादा टंकियों में धमाके हुए जिसके चलते पूरे इलाके में दहशत फैल गई। कई मकानों में भी आग लग गई। गैस की टंकियों में होते धमाके और उनके साथ आग का गुबार काफी दूर तक देखा गया। आग पर देर रात काबू पाया जा सका और जिस स्थान पर यह सिलेंडर रखे थे उसे जेसीबी की मदद से ढहाया गया है। बताया गया है कि इस अग्निकांड और गैस सिलेंडरों में धमाकों के चलते गोदाम के आसपास के मकानों को खाली कराया गया है।

पांच आईएएस अफसरों को सुपरटाइम स्केल

सेवानिवृत्ति से तीन दिन पहले सचिव बने अमित कश्यप

शिमला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने पांच आईएएस अफसरों को सुपरटाइम स्केल दिया है। इसके साथ ही अब इन आईएएस अफसरों को सचिव का पद मिल गया है। पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक अमित कश्यप सेवानिवृत्ति से तीन दिन पहले सचिव बन गए हैं। अमित कश्यप 31 दिसंबर को सेवानिवृत होने हैं। इनके अलावा कदम संदीप बसंत, आशीष सिंहमार, राजेश शर्मा और राखिल काहलों को भी सचिव का पद मिल गया है।

बाबा लोकेनाथ मंदिर पहुंचीं ममता बनर्जी

चुनाव के लिए पार्टी नेताओं को तैयार रहने का निर्देश

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित बाबा लोकेनाथ मंदिर का दौरा किया। इसके बाद ममता बनर्जी ने चाकला इलाके में एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस दौरान सीएम ने पार्टी नेताओं और मंत्रियों को गांवों का दौरा करने और लोगों से मिलने के निर्देश दिए। साफ है कि टीएमसी चीफ ने पार्टी नेताओं को आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का निर्देश दे दिया है।

जनसभा में अपने संबोधन में ममता बनर्जी ने कहा कि 'हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और धर्म का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'दुनिया का कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है बल्कि दया, प्रेम और भाईचारा सिखाता है।' ममता बनर्जी ने बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि सिर्फ चुनाव के समय धर्म का सम्मान करना, हमारी ऐसी सोच नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि 'उनका सपना है कि पश्चिम बंगाल को सिर्फ पर्यटन के लिए मशहूर राज्य के तौर पर जाना जाए बल्कि धार्मिक पर्यटन वाले राज्य के तौर पर भी इसकी पहचान बने।' जनसभा के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि 'मैंने राज्य के मंत्रियों को गांवों का दौरा करने और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया है। केंद्र सरकार ने हमारा फंड रोक दिया है लेकिन हम राज्य के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।'

भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त

गुवाहाटी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से रेलवे पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट जब्त किया है। इसकी जानकारी जीआरपीएफ प्रभारी ने गुरुवार को दी। जीआरपी प्रभारी ने बताया कि नियमित तलाशी के दौरान बीती देर रात को प्लेटफार्म पर खड़ी अवध असाम एक्सप्रेस (15909) से 5 कार्टून में छुपा कर रखे गए 150 बंडल विदेशी सिगरेट जब्त किया गया है । जिसकी कीमत लाखों रुपए आई गई। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही हैं।

शिक्षकों ने छात्रों को स्कूल के टॉयलेट साफ करने के लिए किया मजबूर

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की चेतावनी के बावजूद सामने आ रहे मामले

बेगलूरू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की चेतावनी के बावजूद कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले से छात्रों द्वारा स्कूल के शौचालय को साफ करने की घटना सामने आई है। यह घटना कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी साबित हुई है। राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा इसी जिले से आते हैं। कोमारनहल्ली ग्राम पंचायत की सीमा में गुडदा नेरालाकेरे गांव में पढ़ने वाले छात्र कथित तौर पर शौचालय की सफाई में लगे हुए थे। स्कूल के शौचालय साफ करते हुए छात्रों का वीडियो गुरुवार (28 दिसंबर) को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दलित संघर्ष समिति (डीएसएस) ने इस संबंध में सहायक आयुक्त सत्यनारायण को शिकायत सौंपी है। आरोप है कि हेड मास्टर शंकरप्पा और अन्य शिक्षकों ने स्कूल के बच्चों को शौचालय साफ करने के काम में लगा दिया था। अभिभावकों और कार्यकर्ताओं ने आरोपी शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। 23 दिसंबर को कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु में बच्चों से शौचालय साफ कराने के आरोप में एक सरकारी स्कूल की प्रधानाध्यापिका को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अंजिनप्पा द्वारा बयादरहल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत के बाद गिरफ्तारी की गई। 17 दिसंबर कोलार जिले में स्कूल परिसर में स्कूली बच्चों से सेप्टिक टैंक साफ कराने की घटना भी सामने आई थी। कोलार जिले के मोरारजी देसाई स्कूल का यह मामला था। तस्वीरों में छात्रों को हाथों से सेप्टिक टैंक साफ करते हुए देखा गया था। कुछ छात्र टैंक के अंदर भी खड़े हुए नजर आ रहे थे। तस्वीरों में दो महिलाएं भी थीं, जो छात्रों के पास खड़े होकर उन पर नजर रखते दिख रही थीं।

मुसलमान कर सकते हैं 4 शादियां

पर हर पत्नी से करना होगा समान बर्ताव; किस केस में बोला एचसी

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्लामिक कानूनों में भले ही एक मुस्लिम शख्स को 4 शादियां करने का अधिकार दिया गया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह पत्नियों से गैर-बराबरी का बर्ताव करे। उसे सभी पत्नियों को समान अधिकार देने होंगे और उनसे अच्छा व्यवहार रखना होगा। ऐसा न करना क्रूरता माना जाएगा। मद्रास हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह बात कही है। जस्टिस आरएमटी टीका रमन और पीबी बालाजी की बेंच ने इसके साथ ही महिला के आरोपों को सही करार देते हुए शादी खत्म करने का आदेश दिया। बेंच ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पति और उसके परिवार के लोगों ने पहली पत्नी का उत्पीड़न किया था। इसके बाद उसने दूसरी महिला से शादी कर ली और तब से उसके ही साथ रहता है। फैसले में कहा गया, 'पति ने पहली पत्नी के साथ समान बर्ताव नहीं किया, जैसा वह दूसरी के साथ कर रहा था। यह इस्लामिक कानून के मुताबिक जरूरी है। इस्लामी नियमों के तहत एक शख्स बहुविवाह कर सकता है, लेकिन उसकी यह शर्ता है कि वह सभी पत्नियों से समान व्यवहार करे।' महिला का कहना था कि वह शख्स की पहली पत्नी थी। लेकिन प्रेगनेंसी के दौरान भी उसका उत्पीड़न किया गया। इसमें सास और नदद भी शामिल थीं। महिला ने कहा कि प्रेगनेंसी के दौरान मेरा कोई ख्याल नहीं रखा गया बल्कि वह खाना दिया गया, जिससे मुझे एलर्जी की समस्या होती थी। महिला ने कहा कि उत्पीड़न के चलते मेरा मिसकैरेज हो गया था और इस पर भी मेरा यह कहते हुए उत्पीड़न हुआ कि मैं बच्चे को जन्म नहीं दे सकी। महिला ने कहा कि उसका पति हमेशा रिश्तेदारी की महिलाओं से उसकी तुलना करता था और हमेशा उसके बनाए खाने को खराब बताता था। महिला ने कहा कि जब उत्पीड़न हद से ज्यादा हो गया तो उसने ससुराल ही छोड़ दिया। इसके बाद पति ने कई बार उसे वापस लौटने को कहा और जब नहीं आई तो दूसरी शादी कर ली। महिला ने कहा कि उसका पति दूसरी पत्नी के साथ रह रहा है। पति ने सारे आरोपों को खारिज कर दिया, लेकिन अदालत ने दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर कहा कि यह साबित होता है कि गलत बर्ताव हुआ है। उसने पहली पत्नी के साथ समानता का बर्ताव नहीं किया। यहां तक कि शादी की जिम्मेदारियां ही नहीं उठाईं। कोर्ट ने कहा कि यह पति की जिम्मेदारी थी कि वह उसका खर्च उठाए, भले ही वह मायके में रह रही हो।

पीजेपी विधायक बच्चू कडू के घर चाय पीने पहुंचे शरद पवार

अमरावती, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार यहां गुरुवार को प्रहार जनशक्ति पार्टी (पीजेपी) के प्रमुख ओमप्रकाश बालासाहेब कडू उर्फ बच्चू कडू के आवास पर 'चाय पर चर्चा' के लिए पहुंचे। गौरतलब है कि अचलपुर से चार बार के निर्दलीय विधायक कडू पूर्ववर्ती महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में राज्य मंत्री (एमओएस) थे, लेकिन जून 2022 में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के लिए पाला बदल लिया था और वर्तमान में सत्तारूढ़ महायुति शासन का समर्थन करने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों के दबाव समूह के वास्तविक नेता हैं। पवार-कडु की जोड़ी ने लगभग 20 मिनट तक बंद कमरे में अकेले बातचीत करती रही, जिसका एजेंडा अभी तक ज्ञात नहीं है, दससे राजनीतिक अटकलें तेज हो गईं, क्योंकि कडू ने शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी-एनसीपी (एपी) के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की आलोचना की है।। अपनी ओर से, कडू ने डियाकर्मियों से कहा कि कुछ सामाजिक-राजनीतिक मामलों के अलावा, उन्होंने ज्यादातर कृषि मुद्दों पर चर्चा की और उन्होंने पवार को सुझाव दिया कि सभी कृषि गतिविधियों को रोजगार गारंटी योजना के तहत लाया जाना चाहिए। इस सवाल पर कि क्या उन्होंने 2024 के चुनावों की पृष्ठभूमि में राजनीति पर चर्चा की, कडू ने इनकार कर दिया, लेकिन संकेत देते हुए कहा, भले ही हमने राजनीतिक मामलों के बारे में बात की हो, मैं इसका मीडिया के सामने खुलासा नहीं करूंगा।

उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, "हम सब कुछ सार्वजनिक नहीं कर सकते, जब तक सीएम शिंदे वहां हैं, मैं कहीं नहीं जा रहा, अभी कोई बादल नहीं हैं, जब वे आएंगे तो हम देखेंगे कि क्या करना है।" पवार ने केवल मुस्कुराते हुए कहा कि जब काडू को उनकी दो दिवसीय अमरावती यात्रा के बारे में पता चला, तो उन्होंने उन्हें एक कप चाय पर मिलने के लिए आमंत्रित किया। 83 वर्षीय राकांपा सुप्रीमो ने कहा, कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है, अगर कोई विधायक मुझे अपने घर चाय पर आमंत्रित करता है, तो किसी भी अटकल की जरूरत नहीं है।

न्यू ईयर पर हवाई अड्डों पर खतरा

दिल्ली-मुंबई समेत 7 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यू ईयर की उड़ानों के बीच जयपुर समेत सात एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट पर हैं। हर उड़ान की जांच की जा रही है और पूरी तरह से संतुष्ट होने पर ही यात्रियों को जाने दिया जा रहा है। इस मेल में जयपुर समेत अन्य कई राज्यों के एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी दी गई है। दरअसल जयपुर के अलावा दिल्ली, लखनऊ, चंडीगढ़, मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद एयरपोर्ट को भी धमकी मिली है। एयरपोर्ट डायरेटक्र की ऑफिशियल ईमेल आईडी पर यह मेल कल रात में आया। जयपुर में एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की एक और टीम को तैनात किया गया है।

एयरपोर्ट थाना पुलिस अलग से सर्च कर रही है। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार इन दिनों दिल्ली में कोहरा होने के कारण अधिकतर फ्लाईट्स दिल्ली से जयपुर डायवर्ट की जा रही है। जयपुर एयरपोर्ट प्रशासन ने इस बारे में जयपुर एयरपोर्ट पुलिस थाने में लिखित में शिकायत दे दी है। गौरतलब है कि इसी तरह से पांच दिन पहले भी एक घटना सामने आई थी। राजस्थान के भरतपुर जिले में रहने वाली अपनी प्रेमिका को सबक सिखाने के लिए यूपी में रहने वाले उसके प्रेमी ने उसके नंबर को हैक किया और जयपुर, अयोध्या समेत कई एयरपोर्ट को आरडीएक्स लगाकर उड़ाने की धमकी दी। लेकिन जांच में उसे पकड़ लिया गया। बाद में उसने जहर भी खा लिया था। उसे अस्पताल में अलग से भर्ती कराना पड़ा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 281 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.2 2080 शुक्रवार, 29 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईडी की रडार पर प्रियंका

फरीदाबाद में 2006 में एजेंट से 5 एकड़ जमीन खरीदी, 2010 में उसी को बेची

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में पहली बार कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम आया है। जांच एजेंसी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत प्रियंका नाम चार्जशीट में शामिल किया है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक,. प्रियंका ने 2006 में हरियाणा के फरीदाबाद में 5 एकड़ की खेती की जमीन खरीदी। प्रियंका ने ये जमीन दिल्ली के रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा से खरीदी। फरवरी 2010 में इस जमीन को पाहवा को ही बेच दिया। ईडी के मुताबिक, यह जमीन फरीदाबाद के अमीपुर गांव में पाहवा से खरीदी गई थी। इसी एजेंट से प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी 2005-2006 में अमीपुर गांव में 40.08 एकड़ जमीन के तीन टुकड़े खरीदे और उसे दिसंबर 2010 में एजेंट को ही बेच दिया। एजेंट पाहवा वही व्यक्ति है,

जिसने एनआरआई कारोबारी सीसी थंपी को भी जमीन बेची थी। एक बड़े मामले में भगोड़ा हथियार डीलर संजय भंडारी भी शामिल है, जिसकी कई एजेंसियां मनी-लॉन्ड्रिंग, विदेशी मुद्रा और कालेधन कानूनों के उल्लंघन और आधिकारिक गोपनीयता कानून (ऑफिशियल सीक्रेट) जांच कर रही है।

भंडारी 2016 में भारत से ब्रिटेन भाग गया था। थंपी पर ब्रिटिश नागरिक सुमित चड्ढा के साथ मिलकर भंडारी को अपराध की कमाई छिपाने में मदद करने का आरोप है। ईडी ने पहले चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा का नाम भी शामिल किया था। रॉबर्ट पर थंपी का करीबी होने का आरोप लगाया था।

थंपी और उसके भारतीय सहयोगियों के खिलाफ विदेशी मुद्रा मैनेजमेंट एक्ट (एफईएमए) के तहत जांच चल रही है। यह भी पाया गया कि थंपी ने पाहवा से 2005 से 2008 के बीच करीब 486 एकड़ जमीन फरीदाबाद के अमीपुर में खरीदी। चार्जशीट में ये भी कहा गया है कि भारत के कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के नाम से 1 नवंबर 2007 को ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग कंपनी प्रा.लि. रजिस्टर्ड थी, जो बाद में लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) में बदल गई। इसके बावजूद ईमेल हमेशाही इस्तेमाल होता रहा।

ईडी ने चार्जशीट में ये भी बताया, थंपी और रॉबर्ट वाड्रा के बीच गहरी दोस्ती थी। ये केवल व्यक्तिगत तौर पर नहीं थी, बल्कि उनके कॉमन बिजनेस भी थे। थंपी को 2020 में गिरफ्तार किया गया था। उसने ईडी को बताया था कि मैं रॉबर्ट वाड्रा को 10 साल से ज्यादा वक्त से जानता हूं। हम वाड्रा के यूएई दौरे में और दिल्ली में कई बार मिल चुके हैं।

सबसे खराब दौर में पूर्वी लद्दाख क्षेत्रीय सीमा : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को स्थापना दिवस के मौके पर नागपुर में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई दिग्गजों ने शिरकत की। कांग्रेस की महारैली में केंद्र सरकार पर जमकर हमले किए गए। इसी बीच, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए भाजपा की केंद्र सरकार को जमकर घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मई 2020 से चीन के सैनिक भारतीय गश्ती दल को पूर्वी लद्धाख के डेपसांग मैदान, डेमचोक तक पहुंच बनाने से रोक रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश अपने छह दशकों में सबसे बुरे क्षेत्रीय संकट से जूझ रहा है। एक्स पर रमेश ने लद्दाख स्थित राजनेता कोंचोक स्टैनजिन की एक पोस्ट का हवाला दिया, जिन्होंने कहा था कि लद्दाख में 1962 के चीन-भारत संघर्ष के प्रसिद्ध रेजांग ला युद्ध के स्थल पर एक मील का पत्थर चीन के साथ विघटन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में सेना द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

कतर ने भारतीय नौसैनिकों की सजा-ए-मौत को कैद में बदला

विदेश मंत्रालय बोला-अपने नागरिकों की रक्षा करते रहेंगे

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में कथित तौर पर जासूसी के आरोपी 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों की फांसी की सजा पर वहां की अदालत ने रोक लगा दी है। अब सजा-ए-मौत की जगह इन भारतीयों को जेल में रहना होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। कतर की कोर्ट ऑफ अपील ने फैसला गुरुवार को सुनाया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, फैसले की डीटेल्स का इंतजार है। इसके बाद ही अगले कदम पर विचार किया जाएगा। सुनवाई के दौरान भारत के एम्बेसेडर अदालत में मौजूद थे।

भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बारे में लिखित बयान जारी किया गया है। इसमें सजा-ए-मौत को कैद में बदले जाने की जानकारी दी गई है। बयान के मुताबिक, कतर की कोर्ट ऑफ अपील ने 'दाहरा ग्लोबल केस' में 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों की सजा में कमी कर दी है। फैसले की डीटेल्स का इंतजार है। बयान के मुताबिक, कतर में हमारे एम्बेसडर और दूसरे अफसर आज अदालत में मौजूद थे। इसके अलावा सभी नौसैनिकों के परिजन भी वहां थे। हम अपने नागरिकों की हिफाजत के लिए शुरू से खड़े रहे हैं और आगे भी कॉन्स्यूलर एक्सेस समेत तमाम मदद दी जाएगी। इसके अलावा कतर एडमिनिस्ट्रेशन के साथ इस मुद्दे पर हम बातचीत जारी रखेंगे।

इससे पहले 3 दिसंबर को कतर में मौजूद भारत के एम्बेसडर निपुल ने आठों पूर्व नौसैनिकों से मुलाकात की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बादची ने इसकी जानकारी दी थी। बागची ने कहा था, हमने पूर्व नौसैनिकों की मौत की सजा के खिलाफ अपील की थी। इसके बाद 2 बार सुनवाई हो चुकी है। हम मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्हें सभी कानूनी और काउंसलर मदद दी जा रही है। 23 नवंबर को नौसैनिकों की मौत की सजा के खिलाफ लगाई गई याचिका को कतर की अदालत ने स्वीकार कर लिया था।

राम मंदिर में नहीं होगी मां सीता की मूर्ति : चंपत राय

अयोध्या, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। 70 एकड़ में बनने वाले राम मंदिर में भगवान रामलला की मूर्ति गर्भ ग्रह में विराजित होगी। यह राम का वह रूप होगा, जिसमें वे 5 साल के बालक रूप में होंगे। क्योंकि मूर्ति भगवान के बाल स्वरूप की है, इसलिए मंदिर में मां सीता की कोई मूर्ति नहीं होगी।

चंपत राय कहते हैं, मुख्य मंदिर 360 फीट लंबा और 235 फीट चौड़ा होगा। मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा होगा। परिसर के जिस गर्भगृह में रामलला विराजेंगे वहां पहुंचने के लिए 32 सीढ़ियां चढ़नी पड़ेंगी। सबसे खास बात यह है कि जो मूर्ति स्थापित होगी वह उस स्वरूप की होगी, जिसमें भगवान की शादी नहीं हुई है। यानी की मुख्य मंदिर में आपको मां सीता की मूर्ति नजर नहीं आएगी। मुख्य मंदिर के अलावा जन्मभूमि परिसर में 7 और मंदिर बनाए जा रहे हैं। इनमें भगवान राम के गुरु ब्रह्मर्षि वशिष्ठ, ब्रह्मर्षि विश्वामित्र, महर्षि वाल्मीकि, अगस्त्य मुनि, रामभक्त केवट, निषादराज और माता शबरी के मंदिर शामिल हैं। इन मंदिरों का निर्माण 2024 तक पूरा हो जाएगा। राम मंदिर के गर्भगृह तक जाने से पहले आपको लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। मंदिर का प्रवेश पूर्व दिशा में बने सिंह द्वार से होगा। सिंह द्वार से 32 सीढ़ियां चढ़कर सबसे पहले रंग मंडप मिलेगा। यहां भगवान राम के जीवन से जुड़े चित्र और किरदार दीवारों पर उकेरे गए हैं।

रंग मंडप से आगे चलने पर नृत्य मंडप पड़ेगा। गर्भ गृह के सबसे नजदीक यही जगह है। नृत्य मंडप में देवी देवताओं की मूर्तियां, रामायण की चौपाइयां पत्थरों पर बहुत सुंदरता से उकेरी गई हैं। नृत्य मंडप से आगे बढ़ने पर भगवान का गर्भ गृह पड़ेगा। यहीं पर 22 तारीख को पीएम मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे।

इंडिया और एनडीए में विचारधारा की लड़ाई : राहुल

भाजपा के एक सांसद ने मुझसे कहा-बीजेपी में गुलामी चलती है

नागपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह में राहुल गांधी ने कहा, इंडिया और एनडीए में विचारधारा की लड़ाई है। कुछ दिन पर भाजपा के एक सांसद मुझे लोकसभा में मिले। उन्होंने मुझसे कहा, बीजेपी में गुलामी चलती है, जो ऊपर कहा जाता है, वो बिना सोचे समझे करना पड़ता है।

बीजेपी में रहकर सहा नहीं जाता। मैं हूं बीजेपी में, मगर दिल मेरा कांग्रेस में है। मैंने कहा, भाई दिल तेरा कांग्रेस में शरीर बीजेपी में। मतलब, दिल शरीर को कांग्रेस में लाने से डर रहा है, यही हो सकता है। मैंने कहा मन क्यों नहीं बन पा रहा है। आप एमपी हो।

आप मुझे हिंट दे रहे हो। मन क्यों नहीं बन पा रहा है। हमारे महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने पीएम से सवाल पूछा, जीएसटी में किसानों का क्या हिस्सा होगा। मोदी जी को सवाल अच्छा नहीं लगा, पटोले जी आउट हो गए। उनकी विचारधारा राजाओं की विचारधारा है। किसी की सुनना ही नहीं। ऑर्डर आएगा, आपको उसका पालन करना पड़ेगा।

हमारे कार्यकर्ता मेरे सामने आते हैं और कहते हैं कि राहुल जी आपने जो ये किया अच्छा नहीं किया। मैं बताता हूं कि देखिए ये मैंने इस कारण से किया। मैं उनकी सुनता हूं। उनकी जो आवाज है उसका आदर करता हूं, रिस्पेक्ट करता हूं। गांधी-नेहरू जेल गए। अंबेडकर ने सालों संघर्ष किया। हमारी विचारधारा कहती है कि देश की लगाम जनता के हाथ में होनी चाहिए। देश को जैसे पहले राजा चलाते थे। वैसे नहीं चलाया जाना चाहिए। हम जनशक्ति, लोकशक्ति की बात करते हैं। आप हमारे सारे के सारे कानून देखिए।

कैलाश विजयवर्गीय ने राष्ट्रीय महासचिव पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले कैलाश विजयवर्गीय ने राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है।

कैलाश विजयवर्गीय ने पार्टी के 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धान्त का पालन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया है। कैलाश विजयवर्गीय ने जेपी नड्डा के साथ मुलाकात की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज मैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा से मिला। हमारी पार्टी के सिद्धांत 'एक व्यक्ति एक पद' के अनुसार मैंने महासचिव पद से

उन्हें इस्तीफ़ा सौपा। विजयवर्गीय ने आगे कहा, मेरा सौभाग्य रहा कि मैंने 9 वर्ष तक पहले अमित शाह फिर जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में देश के विभिन्न स्थानों पर संगठन को गढ़ने में प्राण प्रण से कार्य किया। अब मुझे पार्टी ने मध्य प्रदेश में एक नई भूमिका के लिए भेजा है। मैं प्रधानमंत्री का संकल्प वर्ष 2047 में भारत, विश्व का शक्तिशाली देश बने, इस दिशा में मध्य प्रदेश को शक्तिशाली बनाने के लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में कार्य करेंगे। मेरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश विकास की एक नई इबारत लिखेगा।

नए साल पर बड़ी वारदात की फिराक में आतंकी चार दिन चुनौतीपूर्ण, सुरक्षाबल सतर्क

जम्मू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-ताइबा नववर्ष की खुशियों में खलल डालने की फिराक में हैं। आतंकी राजोरी और पुंछ की तर्ज पर बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। मौजूदा स्थिति को देखते हुए आगामी चार दिन सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण रहेंगे। राजोरी व पुंछ जिलों में अब भी वे खूंखार आतंकी सक्रिय हैं, जिन्होंने सेना पर घात लगाकर तीन हमले किए हैं। साथ ही ढांगरी नरसंहार को भी अंजाम दिया।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, राजोरी और पुंछ के अलावा जम्मू, सांबा व कठुआ में भी सीमा पार से घुसपैठ की साजिश हो रही है। इस समय तीनों ही जिलों में घना कोहरा पड़ रहा है। इन सूचनाओं के बीच राजोरी और पुंछ जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सेना और पुलिस के आला अधिकारी खुद सुरक्षा की निगरानी कर रहे हैं। खासकर हिंदू बहुल इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई है। पुंछ जिले में ढाई साल से जैश-ए-मोहम्मद संगठन के पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने कई बड़े हमलों को अंजाम दिया है। ऐसे में अन्य आतंकी संगठन भी हमला कर नाम बनाना चाहते हैं। पैसे के लिए आतंकी संगठनों में हमला करने की होड़ है। लश्कर के आतंकी भी हमले की साजिश रच रहे हैं। राजोरी व पुंछ से पहले जम्मू, सांबा और कठुआ से घुसपैठ कर आतंकियों ने कई हमले किए हैं। जम्मू के सुजवां में दो बार, नगरोटा सैन्य कैंप, सांबा सैन्य कैंप, अरनिया के कठार, जम्मू के बठिंडी, झज्जर कोटली में दो बार, एक बार नगरोटा बन टोल प्लाजा पर भी हमला किया गया है।

प्राण-प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह में मोदी-योगी समेत 5 लोग रहेंगे

अयोध्या, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। सूत्रों के मुताबिक, प्राण प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मंदिर के आचार्य (मुख्य पुजारी) मौजूद रहेंगे। सबसे पहले पीएम मोदी प्रभु श्रीराम को आईने में उनका चेहरा दिखाएंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से 23 दिन पहले यानी 30 दिसंबर को मोदी अयोध्या आ रहे हैं। 30 दिसंबर को मोदी श्रीराम एयरपोर्ट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का उद्घाटन कर रोड शो करेंगे। इससे पहले मंदिर ट्रस्ट रामलला की बन रही 3 मूर्तियों में से एक का चयन कर लेगा। 29 दिसंबर को मूर्ति का चयन हो जाएगा। रामलला की इसी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आज और कल ट्रस्ट की बैठक है। प्राण-प्रतिष्ठा महज 1 मिनट 24 सेकेंड में होगी। काशी के पंडितों ने यह मुहूर्त तय किया है।

भारतीयों के निजी डेटा पर 70 महीने में 165 साइबर-अटैक

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के पास मौजूद 140 करोड़ भारतीयों के निजी डेटा में सेंध की घटनाएं बढ़ रही हैं। खुद सरकार के आईटी मंत्रालय ने संसद में स्वीकार किया है कि बीते 70 महीने में डेटा पर हमले की 165 घटनाएं सामने आई हैं। ये घटनाएं मंत्रालय की कंप्यूटर इमरजंसी रिस्पॉन्स टीम ने दर्ज की हैं। हालांकि मंत्रालय ने सेंधमारी के बावजूद डेटा लीक होने की बात से इनकार किया है।

उसका कहना है कि सेंट्रल आइडेंटिटी डेटा रिपॉजिटरी (सीआईडीआर) के पास डेटा पूरी तरह सुरक्षित है। इस पर हुए हमलों को कई बार नाकाम किया जा चुका है। कुछेक बार साइबर अटैक के जरिए घुसपैठ की कोशिश की गई, लेकिन डेटा लीक नहीं हो सका। हालांकि, डेटा पर निजी स्तर से हो रही सेंधमारी महामारी की तरह फैल रही है। अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी फर्म रिसिक्योरिटी के अनुसार 81.5 करोड़ देशवासियों का डेटा डार्क वेब में पहुंच चुका है। इसमें फोन नंबर, पते और आधार एवं पासपोर्ट की जानकारियां हैं।कर्मचारी भविष्यनिधि योजना के 20 करोड़ कर्मचारियों का डेटा लीक होने की खबर आई। कोविन एप में जमा हुए करीब 100 करोड़ नागरिकों के डेटा लीक होने की बात उजागर हुई।

लोगों का दिल जीतना सेना की जिम्मेदारी : राजनाथ

जम्मू-कश्मीर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात का जायजा लिया। उन्होंने सेना से कहा- आप देश के रक्षक हैं, लेकिन मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा लोगों का दिल जीतना भी आपकी जिम्मेदारी है। सेना को ऐसी कोई गलती नहीं करनी चाहिए जिससे किसी भारतीय नागरिक को ठेस पहुंचे।

कश्मीर के राजौरी में 21 दिसंबर को आतकवादियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में 4 जवान शहीद हो गए थे। सेना ने पूछताछ के लिए पुंछ इलाके के 8 लोगों को कस्टडी में लिया था। बाद में इनमें से 3 की लाशें मिली थीं। इसके बाद से ही घाटी में तनाव फैला है। राजनाथ उन परिवारों से भी मिले, जिनके सदस्यों के शव मिले थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेनाओं को लोगों के साथ घनिष्ठ संबंध साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें लड़ाई जीतनी है, आतंकवादियों को खत्म करना है, लेकिन बड़ा उद्देश्य लोगों का दिल जीतना है। हम युद्ध जीतेंगे, लेकिन हमें दिल भी जीतने की जरूरत है और मुझे पता है कि आप ऐसा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। उन्होंने सैनिकों को आश्वासन दिया कि प्रत्येक सैनिक भारत के प्रत्येक परिवार के सदस्य की तरह है और हर भारतीय ऐसा महसूस करता है। कोई आप पर बुरी नजर डालता है तो यह हमको बर्दाश्त नहीं है। सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां ऐसे हमलों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निगरानी बढ़ाने के लिए जो भी सहायता की आवश्यकता होगी वह सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। हमारे खजाने के दरवाजे पूरी तरह खुले हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसे हमलों को हल्के तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए।

13 लोग जिंदा जले : ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, कलेक्टर-एसपी आरटीओ-सीएमओ सस्पेंड

गुना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गुना बस हादसे में मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। गुना कलेक्टर तरुण राठी और एसपी विजय कुमार खत्री के साथ ही परिवहन आयुक्त संजय कुमार झा को हटा दिया है। कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार जिला पंचायत सीईओ प्रथम कौशिक को सौंपा गया है। आरटीओ रवि बरेलिया को सस्पेंड कर दिया गया है। फायर ब्रिगेड देर से पहुंचने के कारण सीएमओ (चीफ म्युनिसिपल ऑफिसर) बीडी कतरोलिया को भी सस्पेंड कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह से परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। अब अपर मुख्य सचिव गृह विभाग राजेश राजौरा को अपर मुख्य सचिव परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। परिवहन विभाग में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरुण कुमार सिंह की सेवाएं भी सामान्य प्रशासन विभाग में वापस ले ली गई हैं।

सिंह को उपसचिव, सामान्य प्रशासन (पूल) में पदस्थ किया गया है। मध्यप्रदेश के गुना में बुधवार को डंपर से टक्कर के बाद यात्री बस में आग लग गई थी। हादसे में 13 लोग जिंदा जल गए थे। 11 शव बस के अंदर जबकि दो गेट के पास मिले थे। शवों की हालत ऐसी है कि मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। 16 लोग झुलस गए थे। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुना एसपी विजय कुमार खत्री ने बताया था कि बस में करीब 30 सवारियां थीं। बस के मालिक भानु प्रताप ठेकेदार हैं और भाजपा नेता विश्वनाथ सिकरवार के छोटे भाई हैं। विश्वनाथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष रहे हैं। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को दोपहर करीब साढ़े 12 बजे गुना जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। बता दें कि हादसा बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। बस गुना से आरोन की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक डंपर से बस की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस पलट गई और उसमें आग लग गई। दो-ढाई घंटे की मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर काबू पाया जा सका। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बस का रजिस्ट्रेशन और बीमा नहीं था। फिटनेस सर्टिफिकेट भी एक्सपायर हो चुका था। घायल यात्रियों के बयान के आधार पर बस मालिक भानु प्रताप सिकरवार, ड्राइवर और डंपर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में बस और डंपर चालकों के नाम नहीं लिखे हैं। केवल गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज किए गए हैं।

बीएसपी छोड़ने की तैयारी में दिग्गज

बीजेपी में हो सकते हैं शामिल, तस्वीरों ने बढ़ाई अटकलें, बसपा के संस्थापक सदस्य रहे ससुर

आजमगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो रही है। चुनाव जीतने के लिए नेता सुरक्षित राजनीतिक जमीन तलाश में लग गए हैं। चुनाव जीतने के लिए नेट राजनीतिक हवाओं को भागते हुए दल बदल करने में भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

लालगंज से बसपा की संसद संगीता आजाद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात का एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद राजनीतिक हलचल है। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या संगीता आजाद के पति और पूर्व विधायक अरिमर्दन बीजेपी में जाने वाले हैं। अगर ऐसा हुआ तो आजमगढ़ में बसपा को एक बड़ा झटका लग सकता

है। आजमगढ़ जिले के लालगंज लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद संगीता आजाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की है। जिसको लेकर राजनीति चर्चा तेज हो गई हैं। संगीता आजाद ने अपने पति लालगंज से बीएसपी के पूर्व विधायक अरिमर्दन आजाद के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात की है।

चुनाव में मिली थी हार

बताया जा रहा है कि लोकसभा 2022 के चुनाव में बसपा से विधायक रहे अरिमर्दन आजाद को करारी हार मिली थी। जबकि समाजवादी पार्टी से चुनाव मैदान में रहे बचाई सरोज ने जीत दर्ज की थी।

तभी से बसपा के पूर्व विधायक अरिमर्दन आजाद ने बीएसपी दूरी बना ली थी। अब यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि बसपा के प्रति अरीमर्दन आजाद का मोह भंग हो गया है। पिछले कुछ महीनों से यह कयास लगाया जा रहा था कि बसपा से सांसद संगीता आजाद बीजेपी ज्वाइन कर सकती हैं।

अब इससे पर्दा उठता नजर आ रहा है, हालांकि यह पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है कि बीजेपी ज्वाइन करेंगे या नहीं।

लेकिन प्रधानमंत्री के साथ उनकी फोटो वायरल होने के बाद इस बात को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं कि संगीता आजाद और उनके पति अजाद अरीमर्दन बीजेपी में जा सकते हैं। आजाद अरी मर्दन का बसपा से बहुत पुराना रिश्ता है। आजाद अली मर्दन के पिता और सांसद संगीता आजाद के ससुर गांधी आजाद बसपा के संस्थापक सदस्य रहे। गांधी आजाद ने कांशीराम के साथ मिलकर बसपा की स्थापना की और गांधी आजाद राज्यसभा के सांसद भी रहे हैं।

लेकिन बसपा की विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से ही कई नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया था। वहीं अब बसपा के संस्थापक सदस्य रहे गांधी आजाद के पुत्र अरिमर्दन आजाद और उनकी पत्नी लोकसभा लालगंज से सांसद संगीता आजाद ने भी बसपा का दमन छोड़ने का संकेत दे दिया है। अगर संगीता आजाद बीजेपी को ज्वाइन करती हैं तो लालगंज संसदीय सीट से टिकट की दावेदारी भी कर सकती हैं।

'अरे भाई कितनी बार सफाई दें

नहीं मानना है मत मानो' ललन सिंह के इस्तीफे की बात पर भड़के तेजस्वी यादव

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के इस्तीफे की खबर पर अब सियासी घमासान शुरू हो गया है। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने आज एक बार फिर से मीडिया से बात की और बड़े ही सधे हुए अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने मीडिया पर सवाल उठाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों ने लाखों नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा दिया यह किसी को पच नहीं रहा है। इसलिए अनर्गल खबर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया भी हमारी उपलब्धि को नहीं दिखाती है। इस तरह की पत्रकारिता जो तीन-तीन महीने पर इस तरह के आधारहीन खबर चलाने के लिए जागती रहती है और गलत खबर चलाती है। तो इसपर क्या ही कहना है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में हो रहे काम और मुद्दे को लोग ढकना चाह रहे हैं। इसलिए इस तरह की अफवाह उड़ाई जा रही है।

बार-बार कितनी बार सफाई दें भाईः तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि हमलोग इस मामले पर कितनी बार सफाई दें भाई। उन्होंने कहा कि कल ही इस मामले पर विजय चौधरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। फिर भी आपलोग एक ही सवाल पूछ रहे हैं। इससे पहले भी मुख्यमंत्री जी के साथ हम लोग इस मामले पर बयान दे चुके हैं। तब भी अगर लोगों को नहीं मानना है तो न माने, इसमें हमलोग क्या कर सकते हैं। हर पार्टी अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी करती है, इसमें इस्तीफा कहां से आ गया तेजस्वी यादव तेजस्वी यादव ने कहा कि ये सब बेकार की बातें हैं। हर पार्टी अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक करती है। हमने भी अपनी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की। इसमें अब किसी के इस्तीफे की बात कहां से आ गई।

बिहार में कंपाउंडर और महिला की गोली मारकर हत्या

डबल मर्डर से थर्रा उठा सीवान

सीवान, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बड़हरिया थाना इलाके के बाबू हाता गांव के पास सड़क किनारे एक पुरुष कंपाउंडर और एक महिला का शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया। दोनों की गोली मारकर हत्या करने के बाद शव को फेंक दिया गया था। रात करीब आठ बजे के आसपास पुलिस ने शव को देखा। बड़हरिया थाने की पुलिस गश्ती कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर दोनों के शव की ओर गई।

गोपालगंज के रहने वाले थे दोनों

दोनों गोपालगंज जिले के माझागढ़ थाना के सिपाह खास गांव के रहने वाले पड़ोसी थे। दोनों की पहचान शैलेश वर्मा उर्फ अनीश और जफरुल हक अंसारी की पत्नी निकहत परवीन के रूप में हुई है। निकहत परवीन की बहन का बच्चा होने वाला था। वह अपनी बहन से मिलने के लिए सीवान आई थी। बच्चा होने के बाद सीवान में एक चिकित्सक के यहां रहने वाले अपने ही गांव के पड़ोसी कंपाउंडर शैलेश के साथ वापस गांव जा रही थी। इसी दौरान किसी ने गोली मारकर इनकी हत्या कर दी। दोनों को सीने में गोली मारी गई है।

क्या कहती है पुलिस ?

सीवान के पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिंह के कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। इसमें यह बताया गया है कि दोनों को सीने में गोली मारी गई है। सोमवार की रात करीब आठ बजे जब पुलिस गश्ती कर रही थी तो उसी दौरान देखा कि बाबू हाता गांव की सड़क किनारे दोनों का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने शव के साथ एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि ऐसा लग रहा है कि इन दोनों की हत्या किसी दूसरे जगह की गई है और शव को लाकर बाबू हाता की सड़क के किनारे फेंक दिया गया है। घटना को लेकर पुलिस छापेमारी भी कर रही है। तमाम बिंदुओं पर जांच भी कर रही है। हालांकि इस घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है।

सपा की पूर्व सांसद की तलाश कर रही पुलिस

नहीं मिल रही लोकेशन, कई जगहों पर हुई छापेमारी

रामपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर की पूर्व सांसद और फ़िल्म अभिनेत्री जयाप्रदा की तलाश आजकल रामपुर पुलिस कर रही हैं। वजह है कि रामपुर की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे मुकदमों में जयाप्रदा लगातार गैर हाजिर चल रही हैं, इसलिए कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए जयाप्रदा को हर हाल में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के आदेश रामपुर पुलिस को दिए हैं। जयाप्रदा को खोजने के लिए पुलिस की स्पेशल टीम मुंबई गई हुई है। रामपुर की पूर्व सांसद और फ़िल्म अभिनेत्री जयाप्रदा की पुलिस को लोकेशन नहीं मिल रही है। रामपुर से लेकर मुंबई तक पुलिस पूर्व सांसद की तलाश में छापा मार कार्यवाही कर रही है। टीम ने अब उनके करीबियों से भी संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इस बीच पुलिस ने शहर में स्थित उनके नर्सिंग कॉलेज में भी तलाशा लेकिन,उनका कहीं कोई सुराग नहीं मिला।

जानें- क्या है पूरा मामला

पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के दोनों मामले वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दर्ज किए गए थे। जब उन्होंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। दोनों मामले इन दिनों कोर्ट में विचाराधीन हैं। इन मामलों में पिछली कई तारीखों से वह कोर्ट में पेश नहीं हो रही थीं, जिस पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे।

पुलिस की विशेष टीम मुंबई रवाना

पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने अदालत के आदेश पर जयाप्रदा की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई है। यह टीम शनिवार को मुंबई के लिए रवाना हो गई थी। टीम ने मुंबई स्थित जयाप्रदा के आवास पर भी छापा मारा, लेकिन वहां भी नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक टीम ने मुंबई में कई संभावित स्थानों पर तलाशा, लेकिन लोकेशन नहीं मिली जिस पर टीम ने अब उनके करीबियों पर निगाह पैनी कर दी है।

पुलिस की एक टीम शहजादनगर में स्थित उनके नीलावेंणी नर्सिंग कॉलेज भी पहुंची, जहां पर टीम ने पूर्व सांसद के बारे में जानकारी ली, पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूर्व सांसद को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जाएगा। दूसरी ओर एसपी राजेश द्विवेदी का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर विशेष टीम तैनात की गई है। यह टीम पूर्व सांसद को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करेगी। जयाप्रदा ने 2019 में भाजपा के टिकट पर सपा नेता आज़म खान के मुकाबले चुनाव लड़ा था, लेकिन वह हार गई थीं। जयाप्रदा अभी भाजपा में हैं वह लंबे समय सपा में भी रही हैं और दो बार रामपुर से लोक सभा सांसद रह चुकी हैं। आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के संभावित प्रत्याशियों में उनके नाम की चर्चा राजनीतिक हलकों में बनी हुई है लेकिन, कोर्ट में गैर हाजिर रहने के कारण अब पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

दो लाख के लिए बाप ने नाबालिग बेटी का किया सौदा

शादी से पहले पहुंच गई पुलिस

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में नाबालिग बच्चियों की तस्करी का मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। हरियाणा- राजस्थान और दूसरे राज्यों में शादी के नाम पर यहां की बेटियों को बेचा जा रहा है। ताजा मामला भागलपुर का है जहां एक बाप ने अपनी नाबालिग बेटी को शादी के नाम पर दो लाख रुपए में बेच दिया। पिता राजस्थान से आए लड़के के साथ उसकी शादी करा रहा था। इस बीच गांव वालों ने इसकी खबर पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दूल्हा, बच्ची के पिता और दलाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सही समय पर एक्शन लिया तब एक बच्ची की जिंदगी खराब होने से बच गई। घटना जिले के रंगरा सहायक थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि रंगरा सहायक थाना क्षेत्र के तिनटंगा दियारा ज्ञानीदास टोला के सिमरिया गांव में एक पिता ने अपनी बेटी का सौदा राजस्थान के लड़के के साथ कर दिया। बताया जा रहा है कि पिता ने राजस्थानी लड़के से बेटी से उसकी शादी कराने के बदले दो लाख रुपए लिए थे। इसके बाद राजस्थान का लड़का विंद टोली में अपने भाई के साथ शादी करने पहुंचा था तब पुलिस को इसकी खबर किसी ने दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की के पिता, दलाल कारेलाल मंडल, दूल्हा बनने की तैयारी कर रहे राजू तेली और उसके भाई सुरेश तेली को गिरफ्तार कर लिया है।

कारेलाल तेली के बारे में बताया जाता है कि वह दियारा क्षेत्र में गरीब परिवार को बहलाफुसला कर और पैसों का लालच देकर दूसरे राज्य के लोगों के साथ शादी कराने का काम करता है। दूसरे राज्य के लोग शादी के लिए उस मोटी रकम दलाली के रूप में देते हैं। कारेलाल मंडल ने इस तरह कई नाबालिग लड़कियों की शादी कराई थी और आगे भी कराने की तैयारी कर रहा था। मामले में रंगरा सहायक थाना प्रभारी बिट्टू कमल ने बताया कि पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत मामला दर्ज कर अभियुक्त बनाया गया है।

आईएएस रितु माहेश्वरी ने दिए आदेश: गाड़ी में रिफ्लेक्टिव टेप न लगा होने और स्टंट करने वालों का वाहन होगा सीज

आगरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। वाहनों में रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगाने वाले चालकों के विरुद्ध पुलिस और संभागीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) संयुक्त अभियान चलाएंगे। चालान और सीज करने की कार्रवाई के साथ ही वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगवाएंगे।

हादसों को रोकने के लिए हाईवे और शहर की सड़कों की लाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने को कहा। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी द्वारा कमिश्नरी के लघु सभागार में आयोजित मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए समुचित उपाय करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने ब्लैक स्पाट के चिह्नीकरण में लापरवाही बरते जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाई।

कमिश्नर ने तलब की रिपोर्ट

संबंधित अधिकारी के विरुद्ध लिखित शिकायत उच्चाधिकारियों से करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने टोल प्लाजा से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की रिपोर्ट तलब की। टोल प्लाजा रायभा, टूंडला, गुराऊ से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों की सूची संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराने पर मंडलायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को तलब करते हुए कड़ी नाराजगी जताई। अगली बैठक तक सुधार नहीं होने पर

नोटिस जारी करते हुए व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। आइजी रेंज दीपक कुमार, पुलिस आयुक्त डा। प्रीतिंदर सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा में सड़क दुर्घटनाओं में कमी, मंडल के अन्य जिलों में वृद्धि

आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद प्रदेश के टाप 20 दुर्घटना वाले जिलों में शामिल हैं। वर्ष 2022 की अपेक्षा 2023 में आगरा में दुर्घटनाओं में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि मथुरा में 21.1 प्रतिशत, फिरोजाबाद में 12.2 प्रतिशत और मैनपुरी में दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

नगर निगम को हाईवे और शहर में स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने के दिए निर्देश

पुलिस आयुक्त डा। प्रीतिंदर सिंह ने बताया बिना रिफ्लेक्टिव टेप लगा चलने वाले वाहनों के विरुद्ध रात से पुलिस और आरटीओ द्वारा संयुक्त अभियान शुरू किया गया है। नगर निगम से हाईवे और शहर की सड़कों की स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने को कहा है। इससे कि कोहरे में होने वाले हादसों पर अंकुश लग सके।

एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम की हो मानीटरिंग

सीएमओ डा। अरुण श्रीवास्तव ने 16 एंबुलेंस मिलने की जानकारी दी। मंडलायुक्त ने नई एंबुलेंस को दो लाख किमी से ज्यादा चल चुकी एंबुलेंस से रिप्लेस करने को कहा। एंबुलेंस की रिस्पांस टाइम की मानीटरिंग और हिट एंड रन केस में मुआवजा दिलाने को समिति का गठन करने के निर्देश दिए।

स्टंट करने वालों के डीएल होंगे निलंबित

तेज गति से वाहन दौड़ाने और स्टंट करने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे। इसके अलावा हेलमेट नहीं लगाने,सीट बेल्ट नहीं लगाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग और नशे व गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने के निर्देश दिए। डलायुक्त ने पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों को संयुक्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मथुरा, फिरोजाबाद व मैनपुरी में सीज वाहनों की डंपिंग को भूमि आवंटित की जाएगी। 15 वर्ष पुरानी स्कूल बसों को सीज करने और अधोमानक स्कूल बसों के विरुद्ध अभियान चलाने को कहा।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग में शराब ब्रिकी पर बैन

रामलला प्राण प्रतिष्ठा से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला

अयोध्या, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग में अब शराब बिक्री पर योगी सरकार ने पूरी तरह से बैन लगाने का ऐलान कर दिया है। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय से मुलाकात से बाद यह जानकारी साझा की। आबकारी मंत्री ने बताया की अयोध्या में 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र को पूरी तरह से मद्य निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया जाएगा। साथ ही 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित शराब की दुकानों को भी शिफ्ट किया जाएगा। बता दें 84 कोसी परिक्रमा मार्ग में अयोध्या के साथ-साथ फैजाबाद, बस्ती, अंबेडकरनगर और सुल्तानपुर का क्षेत्र भी आएगा, जहां पर शराब बिक्री पर रोक लगेगी। साथ ही वहां पर मौजूद शराब की दुकानों को शिफ्ट किया जाएगा। मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया की दुकानों को शिफ्ट करने के लिए आबकारी विभाग को निर्देश जारी किए जा चुके हैं। रामनगरी अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम बदल गया है। रेलवे स्टेशन अब अयोध्या धाम के नाम से जाना जाएगा। जानकारी के मुताबकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिन पहले निरीक्षण के दौरान अयोध्या धाम स्टेशन नाम रखने की इच्छा जताई थी।

गया के सरकारी गर्ल्स स्कूल के मिड डे मील में मिले कीड़े

एक्शन न लिए जाने से आक्रोशित छात्राओं का प्रदर्शन

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया में सरकारी कन्या मध्य विद्यालय की छात्राओं ने मिड्डे मील में कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। मिड्डे मील में कीड़ा मिलने से मध्य विद्यालय की आक्रोशित छात्राओं ने बुधवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रही छात्राओं का आरोप है कि उन्हें पिछले एक हफ्ते से खाने में कीड़े मिल रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से शिकायत की थी, लेकिन विद्यालय प्रशासन मौन बना रहा। इसे लेकर कोई एक्शन नहीं लिया गया।

छात्राओं ने क्या आरोप लगाया ?

कन्या मध्य विद्यालय की एक छात्रा प्रीती कुमारी ने बताया कि मिड्डे मील में आज हमें खिचड़ी और चोखा दिया गया था। छात्राओं ने खाना खाने के लिए थाली में लिया, उसमें कीड़े तैरते हुए मिले। मेरी प्लेट में भी कीड़े मिले। प्रीती ने आगे बताया कि मिड्डे मील में कीड़ा मिलने की शिकायत हमने प्रिंसिपल से शिकायत की है, लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया।

स्कूल के प्रिंसिपल ने क्या कहा ?

छात्राओं के इस विरोध पर जब स्कूल के प्रिंसिपल सत्येन्द्र कुमार से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि स्कूल में मिड डे मील एक गैर सरकारी संगठन एकता फाउंडेशन की ओर से उपलब्ध कराया जाता है।

फाउंडेशन द्वारा पके हुए भोजन की आपूर्ति कराई गई है। छात्राओं के मिड डे मील में कीड़ा मिलने की शिकायत हमने उच्च अधिकारियों से की है

अलविदा 2023: राजभर से दूर रही राजसत्ता, पिटे मोहरे साबित हुए दारा; बृजभूषण समेत ये मामले रहे सुर्खियों में

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। शासन और सत्ता के लिहाज से 2023 कई मामलों में सुर्खियों में रहा। सत्ता के गलियारों से लेकर राजनीतिक हल्कों में चर्चित रहा। पाला बदलने और बयानबाजी में माहिर एक दूसरे के साथ शह मात का खेल करते रहे तो विपक्ष से सत्तापक्ष में शामिल हुए नेता मंत्री बनने के बढ़चढ़ कर दावे करते रहे, लेकिन उनका हर दावा फुस्स होता रहा।

राजभर से दूर रही राजसत्ता

2019 के लोकसभा चुनाव से पहले ही योगी मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने इस साल जुलाई में दोबारा एनडीए में वापसी करके सियासी सुर्खियां बटोरीं। प्रदेश मंत्रिमंडल में शामिल होने के मुहूर्त बताते रहे, लेकिन अरमान पूरे न हो सके।

पिटे मोहरे साबित हुए दारा

पूर्वांचल के नोनिया चौहान समाज को साधने के लिए भाजपा नेतृत्व ने इस वर्ष सपा विधायक दारा सिंह चौहान को बड़े गाजे बाजे के साथ पार्टी में शामिल कराया। घोसी उपचुनाव में मैदान में उतारा। सरकार और संगठन की पूरी शक्ति के बाद भी दारा सिंह का दांव उलटा पड़ गया। ओमप्रकाश राजभर ने उनके मंत्री बनने का भी जोर शोर से प्रचार किया लेकिन बेचारे का इंतजार खत्म ही नहीं हो रहा।

बहनजी ने आकाश को बनाया उत्तराधिकारी

नोएडा में जन्मे और लंदन में पढ़ाई करने वाले बसपा अध्यक्ष मायावती के भतीजे आकाश आनंद के लिए वर्ष 2023 मुफीद साबित हुआ। उनको मायावती ने अपना उत्तराधिकारी बनाकर सियासी हलकों में बड़ा संदेश दिया। बसपा की सोशल मीडिया पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराने का श्रेय भी उनको ही जाता है।

अभिषेक का अफसरी से तौबा

अपने बिंदास अंदाज के कारण सुर्खियों में रहने वाले आईएएस अभिषेक सिंह ने भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। चर्चा है कि अभिषेक सिंह अब फिल्मों के साथ राजनीति में किस्मत आजमाएंगे।

दांवपेंच में उलझे बृजभूषण

कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह बयानबाजी के लिए चर्चा में रहे। सरकार अमले का कामकाज हो या कुश्ती संघ की राजनीति, हर जगह उन्होंने सुर्खियां बटोरीं। महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए दुष्कर्म के आरोपों के कारण भी चर्चा में रहे। हाल ही में कुश्ती संघ के चुनाव में उनके करीबी की जीत के बाद उनके समर्थकों ने नारा दिया दबदबा तो है। हालांकि, केंद्र सरकार ने कुश्ती संघ को ही निलंबित कर दबदबे को चित कर दिया।

बयानवीर स्वामी

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदू धर्म, देवी-देवताओं, राम चरित मानस पर टिप्पणियों के जरिए सुर्खियों में रहे। उनके बेतुके बयानों से उनके दल सपा ने भी पल्ला झाड़ लिया लेकिन टस से मस नहीं हुए। कई जगह उनके खिलाफ मुकदमे भी दर्ज हैं।

2023 में यह कार्य नहीं हो सके

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार।

उत्तर प्रदेश में नियमित पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति।

वैश्विक निवेशक सम्मेलन 2023 का पहला भूमि पूजन।

ओबीसी आयोग, एससी आयोग, महिला आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति।

इन्होंने लगाया दाग

सपा विधायक अब्दुल्ला आजम को 15 साल पुराने एक मामले में दो वर्ष दो साल की सजा होने पर उनकी सदस्यता रद्द की गई। आपराधिक मामले में सजा होने पर सोनभद्र की दुद्धी सीट से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड की सदस्यता समाप्त हुई।

नए साल में यहां होगी जोर आजमाइश

जनवरीः फरवरी में विधान परिषद में स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र की पांच सीटों पर चुनाव होना है। मार्चः राज्यसभा की 10 सीटों पर चुनाव होना है। अप्रैल-मईः विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव होना है। मार्च मई के बीच उत्तर प्रदेश लोकसभा की 80 लाटों पर आम चुनाव होना है।

ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने में सफल रही सरकार

नगरीय निकाय चुनाव में पिछड़े वर्ग के आरक्षण के मुद्दे पर उच्च न्यायालय से पेंच फंसा। सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आयोग का गठन कर पिछड़े वर्ग के आरक्षण से कोई छेड़छाड़ किए बिना नगरीय निकाय चुनाव कराने में सफलता हासिल की।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 29 दिसंबर, 2023 5

सुविचार

हर्षितमुखता ही चेहरे का सच्चा सौंदर्य है! चिड़चिड़े स्वभाव का व्यक्ति वास्तव में कुरूप है

जिराक्स सेंटरों पर 80 रुपये में बेचे जा रहे हैं प्रजा पालन फॉर्म, नागरिक परेशान

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालन कार्यक्रम में आवेदन दाखिल करने आने वाले लोग आवेदनों की अनुपलब्धता और फोटोकॉपी केंद्रों द्वारा अत्यधिक शुल्क वसूले जाने के अलावा राशन कार्ड और अन्य पहलुओं पर भ्रम को लेकर नाराज हैं। राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि लोगों को आवेदन पहले ही वितरित कर दिए जाएंगे, लेकिन कई लोगों ने शिकायत की कि उन्हें फॉर्म नहीं मिले हैं। सुल्तान नगर, एर्रागड्डा में एक आवेदक ने कहा कि मुझे एक टू कॉपी सेंटर पर आवेदन की एक रंगीन टू कॉपी के लिए 80 रुपये का भुगतान करना पड़ा। हमारे क्षेत्र के कुछ पड़ोसी आवेदन प्राप्त करने में कामयाब रहे, लेकिन मुझे कोई प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि टू कॉपी केंद्रों ने बताया कि केवल रंगीन फॉर्म ही स्वीकार किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, असली प्रतिलिपि केंद्र, जो आम तौर पर प्रति कॉपी 1 रुपये लेते हैं, अब आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के लिए प्रति कॉपी 2 रुपये ले रहे हैं। यह फॉर्म भरने के 10 रुपये के अतिरिक्त है। कुछ लोगों ने आवेदनों की कमी को लेकर अधिकारियों से बहस भी की। एक व्यक्ति 40 रुपये प्रति कॉपी के हिसाब से फॉर्म बेच रहा है, जब सवाल किया गया तो हमें कठोर जवाब मिले। जब मामला केंद्र के अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। सरकार केंद्रों पर अतिरिक्त आवेदनों की व्यवस्था क्यों नहीं कर सकती मी सेवा केंद्र, मोथी नगर के एक आवेदक आरके मूर्ति ने तर्क दिया।

ऐसे लोग हैं, जिन्हें कुछ केंद्रों पर अधिकारियों द्वारा यह कहकर वापस भेजा जा रहा है कि आवेदन क्षेत्र-वार और कार्यक्रम के अनुसार विशिष्ट तिथियों पर स्वीकार किए जा रहे हैं। किसी विशेष क्षेत्र से आवेदन प्राप्त करने की अनुसूची और विशिष्ट तिथि का खुलासा करने वाला एक चार्ट केंद्रों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके अलावा, राशन कार्ड के मुद्दे पर कोई स्पष्टता नहीं है। आवेदकों को पांच गारंटी में से कोई भी लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन में आधार कार्ड और सफेद राशन कार्ड नंबर साझा करना होगा। यह जरूरी है। लेकिन कई आवेदकों ने कहा कि उनके पास कोई राशन कार्ड नहीं है और वे अधिकारियों से जांच करना चाहते हैं। इस मुद्दे पर कोई स्पष्टता नहीं है। उनका बस यही कहना है कि इस संबंध में कोई दिशानिर्देश नहीं हैं। यहां तक कि नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करने को लेकर भी अधिकारियों के बीच कोई स्पष्टता नहीं है। इनके अलावा, कई वरिष्ठ नागरिक, जो पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, भी नए आवेदन दाखिल कर रहे हैं। मुझे पिछले दो वर्षों से पेंशन मिल रही है।

नए आधार आवेदन के लिए लंबी कतार

भैंसा, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में नई सरकार के स्थापित होते ही योजनाओं के लिए नए नियम लागू किए गए जिस में आधार प्रमाण आवश्यक है जिसके चलते भैंसा स्थित आधार केंद्र पर दो दिनों से सैकड़ों आवेदकों की कतार देखी जा रही है। बड़ी परेशानी तो मुधोल और तानूर मंडल केंद्रों में आधार केंद्र अस्थाई रूप से काम नहीं कर रहे हैं, तो इसलिए सभी आवेदक भैंसा में इसेवा आधार केंद्र में आ रहे हैं। आप को ज्ञात हो शहर 5 आधार केंद्र है पर 4 केंद्रही काम कर रहे है और लोगो को सिर्फ 2 आधार कैंसर का पता है एक यूनियन (पहले आंध्र) बैंक, ईसेवा केंद्र जिस पर लोग लंबी कतार में लगे रहे। शहर सहित मुधोल और तानूर मंडल के आवेदक भी सुबह से केंद्र पर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए। अन्य तीन सेवा केंद्र तहसीलदार (एमआरओ) कार्यालय, पोस्ट ऑफिस, तेलंगाना ग्रामीण बैंक इन तीनो पर सेव केंद्र स्थापित है। गुरुवार को पुलिस की मदद से आवेदकों को अंदर जाने दिया गया और सेवाएं दी गईं।

नगर पुलिस आयुक्त ने विद्यार्थियों व लोगों से की नशे से दूर रहने की अपील

'नशे को ना कहें' अभियान शुरू

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे चल रहे पल्सेशन-2023-वार्षिक सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक, खाद्य महोत्सव में शादान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से "नशे को ना कहें अभियान" की शुरुआत की।

इसमें तीन प्रमुख चिकित्सा संस्थान शादान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, डॉ. वीआरके महिला मेडिकल कॉलेज, अयान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अभियान शादान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पीरनचेरु से शुरू होकर टीएसपीए जंक्शन (तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी) तक 2 किलोमीटर की रैली में लगभग 2000 मेडिकल छात्रों, डॉक्टरों, मेडिकल टीचिंग स्टाफ ने हिस्सा लिया। हैदराबाद पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों के साथ नागरिकों से "नशीले पदार्थों को ना कहने" की अपील की। कार्यक्रम हर दिन सामाजिक पहल-स्वच्छ भारत के साथ शुरू होता है।

हरिता हरम, रक्तदान कुछ पहल हैं जो पहले ही पल्सेशन-2023 में हो चुकी हैं। अभियान पर बोलते हुए शादान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डॉ. नसीहुद्दीन ने चल रहे पल्सेशन-2023 में शादान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से नशीले पदार्थ को ना कहें अभियान अभियान शुरू करने के लिए हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी को धन्यवाद दिया। उन्होंने किशोरों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की लत को नियंत्रित करने के उपायों पर भी जोर दिया। समारोह में डॉ. बी.डी. पॉलसन, अपर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, जाबेर पटेल अध्यक्ष इंडिया अरब फ्रेंडशिप फाउंडेशन एवं अतीक सिद्दीकी आदि ने भाग लिया।

तेलंगाना इंटर परीक्षा का कार्यक्रम जारी, 28 फरवरी से परीक्षाएं

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) ने गुरुवार को इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं के कार्यक्रम की घोषणा की, जो 28 फरवरी से शुरू हो रही हैं। शेड्यूल के अनुसार, इंटर प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 28 फरवरी को द्वितीय भाषा के पेपर-I के साथ शुरू होंगी, इसके बाद अगले दिन द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए द्वितीय भाषा का पेपर-II होगा। प्रमुख परीक्षाएं 14 मार्च को समाप्त होंगी, और छोटी परीक्षाएं-लोक प्रशासन, बाईपीसी छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स, आधुनिक भाषा और भूगोल-19 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। टीएस बीआईई ने कहा कि ये परीक्षा तिथियां व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने वाले इंटरमीडिएट छात्रों पर भी लागू होती हैं। हालांकि, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक अलग समय-सारणी जारी की जाएगी। सामान्य और व्यावसायिक दोनों पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक परीक्षाएं 1 से 15 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेशित प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अंग्रेजी व्यावहारिक परीक्षा 16 फरवरी को निर्धारित है। बोर्ड शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से पहले प्रवेशित और बैकलॉग वाले छात्रों के लिए नैतिकता और मानव मूल्यों की परीक्षा 17 फरवरी को आयोजित करेगा। पर्यावरण शिक्षा परीक्षा 19 फरवरी को है।

भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त की टास्कफोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद ने सचिवालय पुलिस के साथ मिलकर तीन अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा है, जिनके पास 102 ग्राम एमडीएमए ड्रग (एम्फेटामाइन) था। बरामद ड्रग की कीमत 7,10,000 रुपए बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में अनूप नवनाथ सोनावणे उर्फ सुमित उर्फ अनुप सोना नगर, लातूर, महाराष्ट्र, किरण गंगाधर बोमनाले उर्फ राहुल निवासी शिवाजी नगर, मुखेड़, नांदेड़, विवेक राजेश वाघमारे उर्फ विक्की , निवासी धनुरी, विश्रांतवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र शामिल हैं। पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों के पास से 102 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है। बाजार में नशीले पदार्थ का मूल्य 7 लाख रुपए से अधिक बताया जा रहा है। पुलिस टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी सचिवालय थाना क्षेत्र के

मक्ता इलाके से की है। पुलिस को अनूप सोनावले से पूछताछ में पता चला कि, वह पुणे में मैकेनिकल इंजीनियर है और अलग-अलग पेडलर्स से एमडीएमए ड्रग लेकर खपाता था। इसके बाद वर्ष 2020 में, वित्तीय संकट के कारण और आसानी से पैसा कमाने के लिए, उन्होंने एक योजना बनाई और पुणे और अन्य स्थानों पर जरूरतमंद उपभोक्ताओं को एमडीएमए दवा की आपूर्ति शुरू कर दी। इसी बीच वर्ष 2022 में उसे पकड़ लिया गया और अन्य आरोपियों के साथ जेल भेज दिया गया।

जेल से छूटने के बाद भी उन्होंने अपना मन नहीं बदला और वही धंधा जारी रखा। वह मुंबई के नालासोपरा जाता था और वहां से जैक नाम के अफ्रीकी से ड्रग खरीदता था और पुणे में किरण उर्फ राहुल और विवेक उर्फ विक्की को और हैदराबाद में रियाज़ और आरिफ नामक कुछ ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करता था। किरण उर्फ राहुल और विवेक उर्फ विक्की से पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों महाराष्ट्र राज्य के मूल निवासी हैं और एक-दूसरे से अच्छी तरह परिचित हैं। दोनों गांजा और एमडीएमए जैसे अन्य मादक पदार्थ का सेवन करने के आदी हैं। उनके द्वारा अर्जित आय उनकी विलासिता को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में जून-2023 के महीने में उन्होंने एमडीएम बेचने की योजना बनाई और पुणे और हैदराबाद में ग्राहक भी विकसित किए। वे पहले से ही शामिल अनूप सोनावाले से मिले और कुछ दवा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध पर अनूप ने उन्हें रुपये की कीमत पर एमडीएमए दवा की आपूर्ति शुरू कर दी। 3000 प्रति ग्राम किरण और विक्की अनूप से वसूली के बाद उसी दवा को हैदराबाद में रियाज और आरिफ को 6000 रुपये में बेचते थे।

संगारेड्डी जिले में बलात्कार, हत्या व अपहरण के मामले बढ़े : एसपी

संगारेड्डी, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में संगारेड्डी जिले में बलात्कार, हत्या और अपहरण के मामलों की संख्या में वृद्धि हुई। जिले के एसपी सीएच रूपेश ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 2023 की वार्षिक अपराध रिपोर्ट जारी की है.

रिपोर्ट के अनुसार, जिले में वर्ष के दौरान 90 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 और 2021 में क्रमशः 77 और 59 बलात्कार के मामले हैं। संगारेड्डी में 2022 और 2021 में क्रमशः 30 और 23 मामलों से बढ़कर 48 अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। जिले में दर्ज हत्या के मामलों की संख्या भी 2022 में 41 से बढ़कर 2023 में 47 हो गई। साइबर अपराध के मामले भी पिछले साल के 217 से बढ़कर 323 हो गए।

वार्षिक अपराध रिपोर्ट के अनुसार, 2018 के चुनावों की तुलना में 2023 के चुनावों से पहले चुनाव संबंधी मामलों की संख्या कई गुना बढ़ गई। संगारेड्डी पुलिस ने 2018 में 33 के मुकाबले 2023 में 535 चुनाव-संबंधित मामले दर्ज किए हैं, जिसमें 1,521 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। चुनाव अभियान के दौरान जब्त की गई नकदी 2023 में 3.31 करोड़ रुपये थी, जो 2018 में सिर्फ 1.35 करोड़ थी। 2023 के चुनावी सीजन के दौरान जब्त की गई शराब 2018 में जब्त की गई 358 लीटर की तुलना में 7,485 लीटर थी, जिसमें 1,983 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 2023 के चुनाव में पुलिस ने जहां 7 किलोग्राम सोने के आभूषण जब्त किए, वहीं 3.5 किलोग्राम सोने के आभूषण जब्त किए. पुलिस ने 2023 में 41.85 लाख रुपये कीमत की 1,395 साड़ियां जब्त की हैं।

टीएसआरटीसी कर्मचारियों पर हमले अनुचित : सज्जनार

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के कर्मचारियों के साथ यात्रियों के झगड़ों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, वीसी सज्जनार ने इस बात पर जोर दिया कि ये कर्मचारी टीएसआरटीसी की रीढ़ हैं और इस बात पर प्रकाश डाला कि संगठन का अस्तित्व इसके कर्मचारियों की कड़ी मेहनत पर निर्भर है। इसके अलावा, उन्होंने महालक्ष्मी योजना को सफलतापूर्वक लागू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। ये कर्मचारी अपने कर्तव्यों को निभाने में अटूट प्रतिबद्धता दिखाते हैं और प्रतिदिन लाखों यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुचाते हैं।

योग्य लोगों को सरकार की 6 गारंटी योजना के लिए आवेदन करना चाहिए : अतिरिक्त कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि जो भी योग्य हैं उन्हें सार्वजनिक शासन कार्यक्रम के तहत आवेदन करना चाहिए जो सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से शुरू किया गया है। गुरुवार को जिले के आसिफाबाद मंडल के बाबापुर गांव में आयोजित जन शासन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि योग्य लाभुक लोक प्रशासन कार्यक्रम का लाभ उठायें। आवेदक अपना आवेदन पहले से ही भरकर आवेदन काउंटर पर जमा कर दें, तथा आवेदक फॉर्म में सही जानकारी उपलब्ध करायें. ताकि पात्र लाभार्थियों को न्याय मिल सके। इस माह की 28 तारीख से 6 जनवरी 2024 तक कार्य दिवसों में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी, रायथु भरोसा, गृहज्योति, इंदिरम्मा घरों और हस्तशिल्प योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में 365 ग्राम पंचायतें और 1 नगर निगम हैं और इस महीने की 28 तारीख से आवेदन प्राप्त करने के लिए 1 हजार 335 काउंटर स्थापित किए गए हैं. आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड एवं राशन कार्ड संलग्न कर आवेदक को रसीद अवश्य उपलब्ध करायें।

प्रधानमंत्री 30 को छह नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान्रमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर, 2023 को अयोध्या, उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। लगभग 11:15 बजे, प्रधान मंत्री पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और नई अमृत भारत ट्रेनों और वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। वह कई अन्य रेलवे परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। दोपहर करीब 12:15 बजे प्रधानमंत्री नवनिर्मित अयोध्या एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे. दोपहर करीब 1 बजे, प्रधान मंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे जहां वह राष्ट्र के लिए संवेदनशील, राज्य में 15,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए लगभग 11,100 करोड़ रुपये की परियोजनाएं और पूरे उत्तर प्रदेश में अन्य परियोजनाओं से संबंधित लगभग 4600 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अयोध्या में आधुनिक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास करना, कनेक्टिविटी में सुधार करना और शहर के समृद्ध इतिहास और विरासत के अनुरूप नागरिक सुविधाओं को पुनर्जीवित करना है। पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का पहला चरण, जिसे अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता है - 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है।

कोहरे की स्थिति कम हुई, न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोहरे की स्थिति कम हुई, न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक हो गया। तीव्र कोहरे की स्थिति का सामना करने के बाद, गुरुवार को हैदराबाद में, विशेष रूप से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) में दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

कोहरे के कारण विशेषकर सोमवार से बुधवार तक नियमित गतिविधियों और यात्रा में व्यवधान उत्पन्न हुआ। हालाँकि, नवीनतम रिपोर्टें दृश्यता स्तर में पर्याप्त वृद्धि का संकेत देती हैं। गुरुवार को, आरजीआईए ने लगभग 1 किलोमीटर की दृश्यता दर्ज की, जो सप्ताह की शुरुआत में अनुभव की गई कम दृश्यता से एक महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है। शुरुआती घंटों में, आरजीआईए पर दृश्यता लगभग 1.2 किलोमीटर थी।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद
विद्यापतिपर्व-समारोह में
अपने सभी पंजीकृत सदस्यों को सपरिवार आमंत्रित करता है
तिथि एवं समय: 31 दिसंबर, 2023, दोपहर 3.00 बजे से
स्थान : आर.टी.सी.कलाभवन, आर.टी.सी. क्रॉस रोड,
मुख्य अतिथि : मा. विभा रानी
प्रसिद्ध लेखिका, रंगमंच एवं सिने-अभिनेत्री
प्रमुख आकर्षण
1. मैथिली प्रश्नमंच (तत्काल पुरस्कार)
2. उद्घाटन सत्र एवं तिरहुत साहित्य सम्मान
3. मैथिली कलाकार श्री माधव राय, जूली झा एवं टीम द्वारा गीत-संगीत एवं नृत्य का भव्य रंगारंग कार्यक्रम ।
नोट: केवल पंजीकृत सदस्यों को ही प्रवेश मिलेगा। स्थान उपलब्ध रहने पर ही नये सदस्यों के लिए सभास्थल पर पंजीकरण की व्यवस्था की जायेगी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 29 दिसंबर - 2023

राहुल गाँधी की 'भारतीय न्याय यात्रा' से कितना फायदा ?

अशोक भाटिया

नये साल की शुरुआत में भारत जोड़ो यात्रा के समापन के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले महीने से 'भारत न्याय यात्रा' शुरू करेंगे। यह यात्रा 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले हो रही है जहां कांग्रेस के नेतृत्व में एकजुट विपक्ष भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करना चाहता है। यात्रा की घोषणा पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की। राहुल गांधी ने पिछले साल सितंबर में कन्याकुमारी से 4,080 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी और 14 राज्यों - तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश को कवर करते हुए कश्मीर तक मार्च किया था। आपको याद होगा कि राहुल गांधी ने पिछले वर्ष भारत जोड़ो यात्रा नाम से भी एक यात्रा की थी जिसमें वो कन्याकुमारी से कश्मीर तक गए थे। ठीक वैसे ही राजनीतिक हितों और कुछ खास मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी उन्हें एक और यात्रा पर भेज रही है। ये नई यात्रा मणिपुर से शुरू होगी और महाराष्ट्र के मुंबई में खत्म होगी। इस दौरान राहुल गांधी 65 दिन इस यात्रा में गुजारेंगे। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी 6 हजार 200 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यात्रा का बड़ा हिस्सा बस के जरिए तय किया जाएगा, और बीच बीच में राहुल गांधी पैदल यात्रा भी करेंगे। भारत न्याय यात्रा 14 राज्यों से होकर गुजरेगी जिसमें करीब 85 जिले रास्ते में पड़ेंगे। इन 14 राज्यों में मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र हैं। राहुल गांधी की इस नई यात्रा का मकसद देश की 355 लोकसभा सीटों को कवर करना है। जिन राज्यों से ये यात्रा गुजरेगी, उन राज्यों में कुल 355 लोकसभा सीटें पड़ती हैं। कांग्रेस को पूरा भरोसा है कि भारत न्याय यात्रा में राहुल गांधी को जनता का पूरा समर्थन मिलेगा। कांग्रेस का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा में राहुल को जनता का समर्थन मिला था, ठीक वैसे ही इस बार भी मिलेगा। देखा जाए तो कांग्रेस इस यात्रा को चुनावी यात्रा नहीं मान रही है लेकिन जिस दिन ये यात्रा खत्म होगी, उसी दिन से कांग्रेस चुनावी बिगुल फूंकेगी, यानी इस यात्रा के जरिए कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटों को कवर करना चाहती है और राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बीच, अपनी यात्रा के जरिए मीडिया और सोशल मीडिया में छा जाना चाहती है। कांग्रेस के अनुसार भारत न्याय यात्रा, आर्थिक न्याय के लिए, सामाजिक न्याय के लिए और राजनीतिक न्याय के लिए है हालांकि भाजपा की नजर में इस यात्रा के अन्य मायने हैं। उसने अभी से इस यात्रा को निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा की वजह से उन्हें कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में सफलता मिली है। यही वजह है कि वो लोकसभा चुनावों से ठीक पहले एक और यात्रा करके अपने पक्ष में माहौल बना लेंगे। मणिपुर में हुई जातीय हिंसा को कांग्रेस पार्टी, केंद्र सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहती है।यही वजह है कि इस यात्रा की शुरुआत के लिए मणिपुर को चुना गया है जहां मल्लिकार्जुन खरगे इस यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे लेकिन उत्तर पूर्वी राज्य से यात्रा की शुरुआत को लेकर असम के विधानसभा स्पीकर ने राहुल गांधी से तीखे सवाल पूछे हैं। कांग्रेस पार्टी उत्तर पूर्व से यात्रा की शुरुआत इसलिए भी कर रही है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर पूर्व में कांग्रेस का जनाधार गिरा है। एक दशक से पहले तक पूरा उत्तर पूर्व कांग्रेस का गढ़ था लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने उत्तर पूर्व के राजनीतिक हालात पूरी तरह से अपने पक्ष में कर लिए हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस की उत्तर पूर्व के 7 राज्यों में से 5 राज्यों में सरकारें थीं जबकि भारतीय जनता पार्टी की एक भी उत्तर पूर्वी राज्य में सरकार नहीं थी। लेकिन वर्ष 2023 आते आते कांग्रेस उत्तर पूर्व से पूरी तरह से साफ हो गई है। अभी की स्थिति ये है कि उत्तर पूर्व के 7 राज्यों में से 6 में या तो भाजपा की सरकार है, या भाजपा गठबंधन की सरकार है। इसके अलावा 1 राज्य मिजोरम में इस बार स्थानीय पार्टी सत्ता में है, यानी किसी राज्य की सत्ता में कांग्रेस का कोई रोल नहीं है। असम में भाजपा सरकार, अरुणाचल प्रदेश में भाजपा गठबंधन की सरकार है, मणिपुर में भाजपा सरकार है, त्रिपुरा में भाजपा सरकार, मेघालय में भाजपा गठबंधन की सरकार है, नगालैंड में भाजपा गठबंधन की सरकार है और मिजोरम में भी स्थानीय पार्टी झे. पी .एम. की सरकार है। इसके बाद यात्रा पहुंचेगी पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। ममता बनर्जी की पार्टी टी. एम. सी. , इंडिया गठबंधन में शामिल है। लेकिन यहां हम आपको बताना चाहते हैं कि ये यात्रा इंडिया गठबंधन की यात्रा नहीं है, ये पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी की यात्रा है। उत्तर पूर्व के सभी 7 राज्यों को मिलाकर कुल 25 लोकसभा सीटें हैं। कांग्रेस पार्टी एक बार फिर से मणिपुर से यात्रा को शुरु करके, उत्तर पूर्व की 25 सीटों को साधना चाहती है। पश्चिम बंगाल के बाद यात्रा पहुंचेगी बिहार, जहां पर आर . जे. डी . और जे . दी. यू . की गठबंधन सरकार है। ये पार्टियां भी इंडिया गठबंधन में शामिल हैं लेकिन जैसे कि भारत न्याय यात्रा इंडिया गठबंधन की यात्रा नहीं है, ये कांग्रेस पार्टी की यात्रा है। इसीलिए इस राज्य में भी कांग्रेस अपना जनाधार मजबूत करना चाहेगी। बिहार के बाद यात्रा झारखंड का रुख करेगी. यहां पर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है हालांकि इस सरकार में कांग्रेस सहयोगी है। झारखंड के बाद यात्रा ओडिशा का रुख करेगी, ओडिशा में बीजू जनता दल की सरकार है और ओडिशा में कांग्रेस को अपना जानाधार बढ़ाना है, क्योंकि नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल , इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं है। ओडिशा के बाद कांग्रेस की भारत न्याय यात्रा भाजपा शासित 6 राज्यों छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से गुजरेगी यानी इन सभी 6 राज्यों में कांग्रेस को जीतने के लिए माहौल बनाना होगा। देखा जाए तो भारत न्याय यात्रा के दौरान जिन भी राज्यों से राहुल गांधी गुजरेंगे, वहां कांग्रेस को बहुत ज्यादा समर्थन की उम्मीद नहीं होगी। वजह ये है कि यात्रा के रूट पर पड़ने वाले किसी भी राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है, और जहां उनकी मौजूदगी है, वहां की सत्ता में वो गठबंधन में दूसरे या तीसरे नंबर पर हैं। चुनावों से पहले यात्रा निकालने का एकमात्र मकसद जनता के बीच, खुद की मौजूदगी का एहसास कराना होता है। पिछले दो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की जो स्थित हुई है। उसके बाद से कांग्रेस की असली चुनौती जनता के बीच अपनी छवि को सुधारना और अपने जनाधार को बढ़ाना है। कांग्रेस पार्टी की भारत न्याय यात्रा भी इसी मकसद से निकाली जाएगी और इसी मकसद को लेकर भारत जोड़ो यात्रा भी निकाली गई थी। इस भारत जोड़ो यात्रा का कितना लाभ कांग्रेस पार्टी को, इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में हुआ, यह सभी जानते हैं । गौरतलब है कि पिछली 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए राहुल गांधी सीमित रूप में सही लेकिन अपनी छवि को सुधारने में कामयाब रहे थे। 'भारत जोड़ो यात्रा' को राहुल गांधी के राजनीतिक जीवन में अभी तक का सबसे सफल इवेंट कहा जा सकता है। इससे पहले उनकी छवि एक नादान राजनेता के तौर पर बताई जाती रही लेकिन इस यात्रा ने उन्हें जमीनी स्तर पर लोगों से जोड़ा जिसकी वजह से उनकी छवि में कुछ सुधार हुआ। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए कांग्रेस ने काफी हद तक देश के राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में मोड़ा था। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद, ये पहला मौका था, जब भारत का विपक्ष सड़क पर काफी एक्टिव नजर आया।

पाक राजनीति में आतंकी

पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले चुनाव में हाफिज सईद जैसे दुर्दांत आतंकवादी की पार्टी भी हिस्सा लेने जा रही है। हाफिज के इस कदम से यह भी साफ हो गया है कि पाकिस्तान में जिस तरह से उसे कैद किया गया था वह मात्र दिखावा भर था। एक ओर तो सेना से नाराजगी के चलते दोनों प्रमुख दलों के सर्वोच्च नेता सेना से खार खाए बैठे हैं तो दूसरी ओर नवाज शरीफ और इमरान खान के खिलाफ हाफिज सईद की नवगठित पार्टी चुनौती देने के लिए तैयार बैठी है। बता दें कि पाकिस्तान में चुनाव लड़ने वाला आतंकी हाफिज सईद 2008 के मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड है। उसकी आतंकी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को संयुक्त राष्ट्र ने भी आतंकवादी घोषित कर रखा है। टेरर फंडिंग से जुड़े कई केसों के सिलसिले में वह अभी तक जेल में है। सवाल है कि यदि जेल में रहते हुए भी हाफिज सईद चुनावी राजनीति में इस कदर सक्रिय हो सकता है कि उसके इशारे पर उसके लोग पार्टी बनाकर चुनाव में उतर पड़ें तो साफ हो जाता है कि उसकी कैद दिखावा के अलावा कुछ नहीं है। सबसे खास बात तो यह कि उसका ताजा कदम पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में भी फिट बैठता दिख रहा है। बडी बात नहीं कि उसकी पार्टी वहां की राजनीति में प्रमुख भूमिका में दिखाई दे। यह तो सभी जानते है कि पाकिस्तान में परदे के पीछे से राजनीति की मुख्य सूत्रधार सेना ही होती है। चाहे नवाज शरीफ हों या इमरान खान या कोई और जिसे भी सेना का सहारा मिला उसका सत्ता में आना तय है। यदि किसी ने सेना के अलग जाने की सोचा तो उसका सत्ता से हटना भी तय है। मगर पाकिस्तान की राजनीति अभी ऐसे मोड़ पर आ गई है, जिसमें चुनावी मुकाबले में शामिल दोनों प्रमुख दलों के सर्वोच्च नेता सेना से खार खाए बैठे हैं। इमरान खान तो पिछले कुछ समय से सेना के राजनीतिक वर्चस्व को खुली चुनौती दे ही रहे हैं पीएमएल नेता नवाज शरीफ का भी अनुभव सेना को लेकर अच्छा नहीं रहा है। वे चाहकर भी सेना से अपने पुराने रिश्तों की कड़वाहट भूल नहीं पा रहे। ऐसे में यह देखना अहम हो जाता है कि हाफिज सईद की नवगठित पार्टी न केवल अधिकतर सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है बल्कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए निजी तौर पर भी चुनौती खड़ी करने जा रही है। इस नई पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) का अध्यक्ष खालिद मसूद सिंधु खुद नवाज शरीफ के खिलाफ खड़ा होगा। इमरान खान के खिलाफ हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को लड़ाने की तैयारी है। जानकार इसे सेना की ओर से सत्ता के दोनों प्रमुख दावेदारों पर दबाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में देख रहे हैं। हाफिज सईद और अन्य आतंकी तत्व चुनाव के जरिए पाकिस्तान की सत्ता तक पहुंचने की कोशिश पहले भी कर चुके हैं। 2018 के आम चुनावों में हाफिज सईद ने अल्ला-हू-अकबर तहरीक पार्टी के बैनर तले देश भर में उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन तब उसकी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। एक अन्य आतंकी संगठन अहल-ए-सुन्नत वल जमात ने डेढ़ सौ सीटों पर प्रत्याशी उतारे और उसकी भी वही गति हुई जो हाफिज सईद की पार्टी का हुआ था। गनीमत है कि अभी तक आतंकवादी संगठनों को जनता का विश्वास हासिल नहीं है। यही एक बात जो है वह आश्वस्त करती है कि वहां लोकतंत्र अभी जिंदा है। फिर भी वहां को लोगों व सेना को याद रखना चाहिए कि इन आतंकी संगठनों का राजनीतिक इस्तेमाल करना आग से खेलने जैसा है, जो पाकिस्तान को कभी भी नेस्तनाबूत कर देगा।

दिशाहीन रूढिवादिता और अंधविश्वास की डगर

संजीव ठाकुर

भारतीय समाज एक बहुभाषी, बहु सांस्कृतिक, बहुजातीय, बहु धार्मिक समाज है। एक नजर में इसकी प्रगाढ़ता और इसके विराट स्वरूप को समझना अत्यंत कठिन है। भारतीय समाज की गहरी और विशाल संरचना को, उसके विभिन्न आयामों को समझना हमारे लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी। हमारा समाज एक विशिष्ट और उत्कृष्ट समाज है, जो अनेक संस्कृतियों, रीति-रिवाजों, धार्मिक विश्वासों और जीवनशैली में गुथा हुआ है। रोजमर्रा की जीवन शैली में भारतीय समाज की विशिष्ट पहचान दृष्टिगोचर होती है। यह समाज जहां अपनी पुरातन अंधविश्वासी रूढ़िवादिता की बेड़ियों में जकड़ा है, वहीं दूसरी तरफ आधुनिक विकास के साथ अग्रसर होने की चाह में आगे बढ़ रहा है। भारतीय समाज रूढ़िवादिता और आधुनिकता के विकास के बीच अंतर्द्वंद में फंसा हुआ है। एक और भारतीय समाज पश्चिम से प्रेरित होकर भौतिकता की चकाचौंध के पीछे भाग रहा है वहीं दूसरी तरफ अपनी पुरातन आध्यात्मिक परंपराओं का भी बखूबी निर्वाहन करने का प्रयास भी कर रहा है। किंतु समाज में यह अंतर्द्वंद बना हुआ है कि वह योग को अधिक महत्व दे अथवा भोग को, इससे इतर भारतीय समाज आश्चर्यजनक रूप से दोनों को अपनाते हुए आगे की ओर अग्रसर है। भारतीय महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नई परिभाषाएं लिख रहीं है वही देश में शिशु लिंगानुपात हर जनगणना में घटता जा रहा है। सामाजिक कुरीतियों में कमी तो आई है पर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और यौन अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारे समाज में बेटियां नाम कमा कर माता-पिता का नाम रोशन तो तेजी से कर रही हैं पर भ्रूण हत्या की दरों में अनावश्यक तेजी भी चिंता का कारण बनी हुई है। यही अंतर्विरोध ही समाज को चिंतनीय भी बना रहा है। सबसे ताजा खबरों में हरनाज संधु ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है, और देश का नाम ऊंचा कर गौरव हासिल किया है। भारतीय लड़कियों ने फैशन में एक नया मुकाम बनाया है आज आधुनिक पेंट, जींस पहन कर लड़कियां आगे बढ़ने को आतुर है। दूसरी तरफ खानपान में जहां भारतीय पारंपरिक व्यंजन डोसा, सांभर, इडली, पंजाबी ,मसालेदार भोजन ग्लोबल स्तर पर छा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पारंपरिक भोजन ही कर रहे हैं हमने पिज़्ज़ा, पास्ता, मैक्सिकन, इटालियन, चाइनीस और कॉन्टिनेंटल फूड को भी आमजन का खाद्य पदार्थ बनाया हुआ हैं। भारतीय समाज रूढ़िवादी संस्कारों को पूरी तरह निभाने का प्रयास कर रहा है दूसरी तरफ लिव इन रिलेशनशिप में युवक युवतियां महानगरों में बड़े आराम से जीवन जी रहे हैं। रूढ़िवादिता तथा पश्चिम के खुले पन और उन्मुक्त होता का एक फ्यूजन तैयार हो रहा है। हमारा समाज आधुनिक अनश्वर को अपनाता है वहीं नवीन वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना रहा है और नवयुग की ओर आकर्षित हो रहा है। दूसरी तरफ अपने पारंपरिक दार्शनिक धार्मिक मूल्यों जैसे ज्ञान, भक्ति, कर्म मार्ग, अवतारवाद, पुनर्जन्म, आस्था तथा मोक्ष की अवधारणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर अभी भी आस्थावान है। धर्म तथा अध्यात्म का आकर्षण कम होने के स्थान पर ज्यादा हुआ है। धार्मिक स्थलों के बढ़ते निर्माण धर्म गुरु के सत्संग, प्रवचन, पूजन, भजन ,कीर्तन, अजान ,अरदास, उपवास, रोजा, तीर्थ स्थलों, दरगाह पर भारी भीड़ यह सब सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज आधुनिक होने के साथ-साथ अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर भी विश्वास रखता है।

कांग्रेस की जाट राजनीति का टूल हैं पहलवान

आशीष वशिष्ठ

किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद से देष की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पहलवानों के जरिए अपनी जाट राजनीति को आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस की इस राजनीति में अतिमहत्वकांक्षी पहलवान शामिल हैं। साक्षी मलिक की कुष्ती से संन्यास, बजरंग पुनिया और विनेष फोगाट की सम्मान वापसी इसी ओर इषारा करती है कि, पहलवानों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। नाराज पहलवानों से मिलने प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी का पहुंचना पूरी तरह साफ करता है कि, पहलवान कांग्रेस के की जाट राजनीति के टूल हैं। पहलवान आंदोलन में हरियाणा के युवा जाट नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की सहभागिता और सक्रियता सार्वजनिक है। जंतर मंतर में पहलवानों के धरने के दौरान प्रियंका पहलवानों से मिलने गई थी। ऊपरी तौर पर लड़ाई भले ही पहलवानों और कुष्ती संघ के बीच दिखाई देती हो, लेकिन इसके जड़ में जाट वोटों की राजनीति है। माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है। हरियाणा में जाटों की आबादी 25 फीसदी है। पंजाब में भी जाटों की जनसंख्या 25 से 30 प्रतिशत आंकी जाती है। राजस्थान में 12 और दिल्ली में 12 फीसदी आबादी इसी बिरादरी की है। 22 करोड़ की जनसंख्या वाले यूपी में जाटों की आबादी महज दो फीसदी मानी जाती है, मगर पश्चिम उत्तर प्रदेश की 18 लोकसभा सीटों पर जाति का दबदबा है। हरियाणा में पिछले दस साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। किसान आंदोलन के बाद से कांग्रेस को हरियाणा में राजनीतिक संभावनाएं अपने पक्ष में दिखाई देती हैं। उसे लगता है कि किसान और पहलवानों के कंधों पर सवार होकर भाजपा को हरियाणा की सत्ता से बाहर किया जा सकता है। वहीं लोकसभा चुनाव में हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के जाट वोटरों के प्रभाव वाली सीटों में भी उसे इसका फायदा मिलेगा। जाट बिरादरी के बड़े गढ़ हरियाणा में कांग्रेस पिछले दस साल से सत्ता से दूर है। हरियाणा से गांधी परिवार के करीबी कई बड़े जाट नेता हैं। जिनमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रणदीप सिंह सुरजेवाल, दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख हैं। लेकिन इन नेताओं के सारे यत्नों और प्रपंचों के बावजूद हरियाणा में उनकी दाल गल नहीं रही। 2019 के लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दस सीटों पर मोदी की सुनामी के आगे किसी राजनीतिक दल की नहीं चली। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी धराशायी हो गई। भाजपा ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए यहां सभी दस सीटों पर विजय पताका फहराई थी। कंाग्रेस के बड़े जाट नेता भूपेंद्र हुड्डा सोनीपत और उनके पुत्र दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से हार गए। भूपेंद्र और दीपेंद्र के अलावा कांग्रेस के दिग्गज नेता कुमारी शैलजा, निर्मल सिंह, कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेष अध्यक्ष अशोक तंवर, कैप्टन अजय यादव और अवतार भड़ाना को भी हार का मुंह देखना पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल यानी इनेलो को हराकर हरियाणा में सात सीटें जीती थी। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से जीते थे। इनेलो ने हिसार व सिरसा की दो सीटें जीती थी। साल 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 90 सीटों में से 47 पर विजय हासिल कर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 40 सीटें जीती और दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी यानी जजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। पिछले दस साल से बीजेपी की हरियाणा में सरकार है। जाट बहुल जनसंख्या वाले राज्य हरियाणा में बीजेपी की मजबूती और पकड़ कांग्रेस को अखर रही है। प्रदेष में बीजेपी सरकार बनने के बाद से कांग्रेस ने किसी न किसी तरह मनोहर लाल की सरकार को अस्थिर करने की कोषिष की। जाट आरक्षण, किसान आंदोलन और पहलवान आंदोलन में कांग्रेस की भूमिका सार्वजनिक है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद साल 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में योगी सरकार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तमाम विरोधों और आंषकाओं के बाद भी 37 साल बाद उत्तर प्रदेश में ऐसा हुआ कि किसी दल ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई हो। चुनाव से पहले प्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी जाट बेल्ट में भाजपा को नुकसान की आशंका राजनीति के जानकार बता रहे थे। कांग्रेस ने यह चुनाव यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में लड़ा। कांग्रेस की सारी रणनीति और पैंतरेबाजी की बावजूद पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया। उसे दो सीटों पर जीत मिली। जाट बेल्ट में तो उसका खाता ही नहीं खुला। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था, और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी। तब पश्चिम उत्तर प्रदेश से उसके दो विधायक बेहट ओर सहारनपुर सीट जीते थे। वर्तमान में यूपी में कांग्रेस दो विधायक हैं। जो प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र से हैं। सोनिया गांधी यूपी से एकमात्र कांग्रेस सांसद हैं। 100 सदस्यों की विधान परिषद में उसकी सदस्य संख्या शून्य है। साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से बुरी तरह बेदखल किया। 117 सीटों में से 92 सीटें आप ने जीती तो कांग्रेस के हिस्से में मात्र 18 सीटें आई। भाजपा और शिरोमणि दल का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पंजाब में भी जाट वोटर हार जीत में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। राजस्थान में भी जाट वोटों की बड़ी अहमयित है। हालिया विधानसभा चुनाव में राजस्थान में भाजपा ने कांग्रेस को बड़ी षिकस्त देकर सत्ता से बेदखल किया है। राजस्थान में बिश्नोई बहुल 27 सीटों में से 24 पर भाजपा की जीत हुई है। हरियाणा से सटे राजस्थान की अधिकतर सीटों पर भाजपा उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनके जाट बहुल होने के बावजूद जननायक जनता पार्टी और कांग्रेस का प्रदर्शन फीका रहा। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस की सरकारों ने लंबे समय तक राज किया है। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो जाट वोटरों के प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस की ताकत लगातार कमजोर हुई है। कांग्रेस के अलावा जाट वोटों की राजनीति करने वाले इंडियन नेषनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और अन्य दल भी बीजेपी के सामने कमजोर दिखाई देते हैं। दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस को जाट वोटरों के हिसाब से उम्मीद की रोशनी हरियाणा में सबसे ज्यादा दिखाई देती है।

नए आपराधिक क़ानून क्यों हैं सवालों के घेरे में ?

रजनीश कपूर

देश की संसद ने भारतीय दंड संहिता, 1860, आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम, 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को बदल कर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का नाम दिया है जहां इन नए क़ानूनों में कई अहम प्रावधान लाए गए हैं। वहीं इनकी ख़ामियों को लेकर विवाद भी पैदा हो रहे हैं। देश भर में हर दल में मौजूद बड़े-बड़े वकील या क़ानून के विशेषज्ञ एक ओर इसका समर्थन कर रहे हैं वहीं इन क़ानूनों को लागू करने में आने वाली दिक़्क़तों की बात भी कर रहे हैं। "जब भी कभी कोई नया क़ानून लाया जाता है या इस से संबंधित कोई विधेयक पास होता है तो आम जनता में यह उम्मीद जगती है कि स्थिति पहले से बेहतर होगी और उन्हें न्याय मिलने में देरी नहीं होगी।" ऐसा मानना है देश के पूर्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आज़ाद का। एक टीवी चैनल पर बोलते हुए उन्होंने मोदी सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि, "यह एक अच्छी शुरुआत है, इसमें एक अहम बात है कि जिस तरह सूचना प्रौद्योगिकी को इन क़ानूनों में प्रमुखता दी गई है, यह न्याय प्रणाली में तेज़ी लाने की ओर एक अच्छी पहल है। परंतु देश में लंबित पड़े 4.5 करोड़ मुक़दमों को पहले तेज़ी से निपटना होगा तभी नये क़ानूनों को लागू किया जा सकेगा क्योंकि नये क़ानूनों की धाराओं में भी परिवर्तन किया गया है। जो धारा पहले लागू होती थी, नये क़ानूनों में वह धारा बदल गई है और उससे संबंधित सज़ा में भी बदलाव आया है।" इसके साथ ही श्री आज़ाद का मानना है कि, "जब भी कभी आपराधिक न्यायिक व्यवस्था में सुधार लाए जाते हैं तो यह स्वाभाविक है कि इस प्रणाली के हर अंग का भी सुधार हो। जैसे कि पुलिस, जेल, अभियोजन और कोर्ट। जब तक इस तंत्र के हर अंग का सुधार नहीं होगा तब तक आपराधिक न्यायिक व्यवस्था में सुधार का क्या फ़ायदा? मिसाल के तौर पर पुलिस सुधार की सिफ़ारिशें 1978 से लंबित पड़ी हैं। जिस तरह मौजूदा न्यायिक व्यवस्था में पुलिस हिरासत में दिया गया कोई भी बयान कोर्ट में वैध नहीं माना जाता, उससे लोगों का पुलिस पर विश्वास नहीं बैठता। उसी तरह देश की जेलों में भी कई तरह के सुधार होने अनिवार्य हैं। इसलिए जब तक आपराधिक न्यायिक व्यवस्था के सभी अंगों में सुधार नहीं होंगे तब तक इन बदलावों से कुछ विशेष फ़र्क़ नहीं पड़ेगा।" देश के नामी वकील और राज्य सभा सांसद कपिल सिब्बल ने इन नये क़ानूनों को पास किए जाने के तरीक़े पर सवाल उठाए हैं। वे कहते हैं कि, "जो संवैधानिक संस्थाएँ हैं उन्हें इन बिलों को इस तरह से पास नहीं करना चाहिए था। जहां लोक सभा में से 100 सांसदों को और राज्य सभा में से 46 सांसदों को निलंबित कर, बिना किसी चर्चा के इन विधेयकों को पारित किया है वह नियमों के विरुद्ध है। इन विधेयकों को पास करने से पहले जो कमेटी बनाई गई वहाँ पर क़ानून जानने वाले दिग्गजों की राय नहीं ली गई। जो बिल इस तरह से आम जनता के सांविधानिक हक़ों के ख़िलाफ़ पास किए जाते हैं वो असंवैधानिक कहलाते हैं।" सिब्बल आगे कहते हैं कि, इन नये क़ानूनों में 90 प्रतिशत क़ानून औपनिवेशिक काल के ही हैं जिनका केवल अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद ही किया गया है। यानी कि जो बात अंग्रेजों ने नहीं की वो आज की मौजूदा सरकार द्वारा की जा रही है।" कपिल सिब्बल ने इन बिलों का विरोध करते हुए इन्हें "मानवाधिकार विरोधी" बताया। देश के पूर्व एएसजी अमन लेखी कहते हैं कि "इन नए क़ानूनों को बदलने की कोई ज़रूरत नहीं थी। इनमें बदलाव कर सरकार ने केवल आम जनता की भावनाओं को जागृत किया है। यह बात सही है कि ये क़ानून ब्रिटिश सरकार द्वारा लाए ज़रूर गये थे परंतु समय के चलते इन्हीं क़ानूनों को हमारे द्वारा ही विकसित किया गया था। इनमें एक आधुनिक न्यायशास्त्र है जो औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर है और आज के मौजूदा लोकतांत्रिक दौर का अभिन्न हिस्सा है। जब भी किसी राजनैतिक बयान की बात होती है तो वहाँ तो कुछ भी कहा जा सकता है। परंतु जब किसी क़ानून के बारे में बात की जाए तो बहुत सोच समझ कर, सही ढंग से और क़ानून के दायरे में रह कर ही की जानी चाहिए।" लेखी के अनुसार, "यह बदलाव आने वाली कई सदियों के लिए किए जाएँगे इसलिए इनको यदि बदलना ही है तो इनके हर पहलू पर काफ़ी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।" लेखी आगे कहते हैं कि, "जिस तरह इन विधेयकों को पास किया गया है वह अलोकतांत्रिक है। इसमें सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही दोषी हैं। क्योंकि जिस तरह की हरकत विपक्षी नेताओं ने की वह निलंबन के ही हक़दार थे। उधर संसद से विपक्षी नेताओं के निलंबन के चलते सरकार द्वारा ऐसे विधेयक को पास करना भी ग़लत था।"

इतिहास कब भूलता है

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आप लोगों को महाभारत की घटनाएँ तो याद ही होंगी। याद नहीं भी है तो कोई बात नहीं। यह तो ऐसी घटनाएँ हैं जो आए दिन घर-दुनिया में कहीं-न-कहीं घटती रहती हैं। ऐसी ही एक घटना है – द्रौपदी चीरहरण। वैसे तो द्रौपदी का चीरहरण एक बार हुआ था। किंतु हमारी भूल ने न जाने कितनी बार द्रौपदी को चीरविहीन होने पर मजबूर कर दिया। मानो द्रौपदी का चीर, चीर न हुआ उतार फेंकने का तमाशा हो गया। ऐसी ही एक घटना आजकल सुर्खियों में है। वैसे जो सूर्ख होते हैं वे सुर्खियों में ही रहते हैं। बात है तालिबान की। ये तालिबानी न तो ताली से सुनते हैं न ही बानी से। इनका तो एक ही फार्मूला है – गोलाबारी। ये प्राणी अत्यंत आतंकप्रिय हैं। लोगों को डराना, धमकाना, कत्लेआम करना, अबलाओं को हवस का शिकार बनाना इनकी पाठशाला का पाठ्यक्रम है। ये अपने पाठ्यक्रम के इतने पक्के होते हैं कि कोई मजाल जो इन्हें शत-प्रतिशत अंक पाने से रोक पाये। विश्वास न हो तो मलाला को देख लीजिए। मलाला उन्हीं आतंकी पाठशाला का शिकार है। अंतर केवल इतना है कि मलाला को नोबल मिला और तालिबान को अफगानिस्तान। यदि आप सोच रहे हैं कि द्रौपदी चीरहरण का तालिबान से क्या रिश्ता है, तो इसका समाधान वर्तमान परिदृश्य है।संयुक्त राष्ट्र संघ, मानवाधिकार संघों और आए दिन इंसानियत की दुहाई देने वाले कुकुरमुत्ता एंड कंपनी धृतराष्ट्र, विदुर, भीष्म जैसे धुरंधरों का पात्र निभा रहे हों तो तालिबानी घटना नहीं घटेगी तो क्या भरत मिलाप होगा! अफगानिस्तान किसी द्रौपदी सी निस्सहाय है। तालिबानी कौरव हैं। शकुनी के पात्र में पाकिस्तान और चीन आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। अमेरिका, जिन्हें आए दिन भगवान बनने का दौरा पड़ता है, वे पांडवों की भांति हाथ पर हाथ धरे मौन बैठा है। तालिबानी कौरव निस्सहाय अफगानिस्तानी द्रौपदी का चीरहरण करते जा रहे हैं और दुनिया चुपचाप तमाशा देख रही है। साहब तमाशे में मजा जरूर आता है। लेकिन तमाशे इतने में भी मत देखिए कि एक दिन खुद का तमाशा बन जाए। कहते हैं इंसान जब मरता है तब मरता है। सबसे पहले वह अपने कर्मों से मरता है फिर कहीं जाकर शरीर से। चाहे देश अफगानिस्तान हो या फिर फलांस्तान। देश तो देश है। वहाँ रहने वाले भी हमारे जैसे इंसान हैं। अफगानिस्तान में फैले मुट्ठी भर तालिबानी आज नहीं तो कल मारे जायेंगे,जरूरत है तो सबसे पहले अपने भीतर के तालिबान को मारने की। अफगानिस्तान की घटना से पता चलता है कि हम सभी के भीतर कहीं न कहीं थोड़ा ही सही तालिबान जरूर बसा है। भीतर का तालिबान जिस दिन मिटेगा उस दिन बाहरी तालिबान अपने आप नेस्तनाबूद हो जाएगा।

अष्टलक्ष्मी मंदिर-कोत्तापेट, हैदराबाद

अष्ट लक्ष्मी – इस मंदिर में मौजूद माँ लक्ष्मी के आठ रूप शामिल हैं:

1. आदि लक्ष्मी: शुरुआत और दिव्य ऊर्जा की देवी।
2. धन लक्ष्मी: भौतिक धन और समृद्धि की देवी।
3. धान्य लक्ष्मी : कृषि धन और अन्न की देवी।
4. गज लक्ष्मी : पशु धन और शक्ति की देवी।
5. संतान लक्ष्मी: संतान और प्रजनन क्षमता की देवी।
6. वीरा लक्ष्मी: साहस और वीरता की देवी।
7. विजया लक्ष्मी: विजय और सफलता की देवी।
8. विद्या लक्ष्मी : ज्ञान और बुद्धि की देवी।

देवी अष्टलक्ष्मी, जिसे अष्ट लक्ष्मी भी कहा जाता है, आठ लक्ष्मी का एक समूह है। अष्ट आठ का प्रतिनिधित्व करती है और लक्ष्मी धन की देवी का प्रतिनिधित्व करती है।

अष्टलक्ष्मी मंदिर-कोत्तापेट, हैदराबाद

यह मंदिर विशेष रूप से देवी लक्ष्मी के आठ रूपों या अभिव्यक्तियों के अद्वितीय प्रतिनिधित्व के लिए जाना जाता है, जिन्हें सामूहिक रूप से अष्टलक्ष्मी कहा जाता है। देवी का प्रत्येक रूप धन और भाग्य के एक विशिष्ट पहलू का प्रतिनिधित्व करता है, और भक्त आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर जाते हैं और समृद्धि, सफलता और कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं।

अष्टलक्ष्मी मंदिर को हैदराबाद में एक पवित्र स्थान और एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल माना जाता है, जो शहर के विभिन्न हिस्सों और बाहर से भक्तों को आकर्षित करता है।

यह हैदराबाद में सभी यात्रियों के लिए देखने लायक सुखद और शांतिपूर्ण मंदिरों में से एक है । इस प्रसिद्ध मंदिर में कोई प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाता है।

रात के समय रोशनी से जगमगाते अष्टलक्ष्मी मंदिर को देखना भक्तों के लिए एक मनमोहक अनुभव होता है और दूर से देखने पर ऐसा लगता है कि यह मंदिर संगमरमर के पत्थर से बना है।

मंदिर का इतिहास और आकर्षण:

देवी लक्ष्मी मंदिर को अप्रैल 1996 में कांची कोत्तापेट पीठम के श्री जयेंद्र सरस्वती स्वामीजी के मार्गदर्शन में जनता के लिए समर्पित किया गया था।

इस भव्य मंदिर को बनाने में लगभग 5 साल लगे और कुल लागत लगभग 20 मिलियन रुपये थी। इस मंदिर के लिए कई वर्ग के लोग दान देने के लिए आगे आए।

प्रसिद्ध स्थापति (मंदिर वास्तुकार और निर्माता), सत्तनाथ मुथैया गणपति और एम. मथियालगन ने कुछ संशोधनों के साथ चेन्नई में मौजूद श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर के आधार पर हैदराबाद में अष्टलक्ष्मी मंदिर की संरचना और डिजाइन तैयार किया।

सुब्बैया स्थापति ने भगवान श्रीमन्नारायण, भगवान गणेश, अष्टलक्ष्मी मूर्तियाँ, भगवान गरुड़, भगवान विष्णु के वाहक की मूर्तियाँ बनाई हैं।

मंदिर परिसर में अर्चक निलयम, वाहनों को समायोजित करने के लिए बहुमंजिला पार्किंग स्थल, भगवान श्रीमन्नारायण को स्वर्ण धोती और कल्याण मंडपम के निर्माण के नए प्रस्ताव हैं।

अष्टलक्ष्मी मंदिर का समय:

समय	सुबह	शाम
दैनिक	प्रातः 6:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक	शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक
शुक्रवार	प्रातः 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	शाम 5:00 बजे से रात 10:00 बजे तक
रविवार	प्रातः 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक

घटनाएँ और त्यौहार:

वासवी कॉलोनी में अष्टलक्ष्मी मंदिर में हर दिन कई पर्यटक आते हैं, लेकिन वार्षिक ब्रह्मोत्सवम अवधि के दौरान और दुर्गा पूजा या नवरात्रि (सितंबर-अक्टूबर), वरलक्ष्मी व्रतम (जुलाई-अगस्त) जैसे त्योहारों के मौसम और शुभ अवसर पर भक्तों की संख्या सबसे अधिक होती है। दिवाली का.

अष्टलक्ष्मी मंदिर तक कैसे पहुंचें:

अष्टलक्ष्मी मंदिर वासवी कॉलोनी में मौजूद है और NH9 पर कोठापेट के बहुत करीब है।

सड़क मार्ग से: कोत्तापेट सड़कों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, और आप निजी कार, टैक्सी या सार्वजनिक परिवहन द्वारा मंदिर तक पहुंच सकते हैं। आप नेविगेशन ऐप का उपयोग कर सकते हैं या स्थानीय लोगों से कोथपेट में अष्टलक्ष्मी मंदिर के लिए दिशा-निर्देश पूछ सकते हैं।

रेल द्वारा: लगभग 9 किमी की दूरी पर, हैदराबाद डेक्कन रेलवे स्टेशन (HYB) अष्टलक्ष्मी मंदिर तक पहुँचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन है। एक अन्य निकटतम प्रमुख रेलवे स्टेशन सिकंदराबाद जंक्शन (एससी) है। यह मंदिर से लगभग 9 किमी की दूरी पर है। वहां से, आप कोत्तापेट पहुंचने के लिए टैक्सी किराए पर ले सकते हैं या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं।

हवाई मार्ग से: यदि आप हवाई मार्ग से आ रहे हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा हैदराबाद के शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

हवाई अड्डे से, आप कोत्तापेट तक पहुंचने के लिए टैक्सी किराए पर ले सकते हैं या सवारी-साझाकरण सेवा का उपयोग कर सकते हैं, जो लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रेम है एकात्म का अनुभव

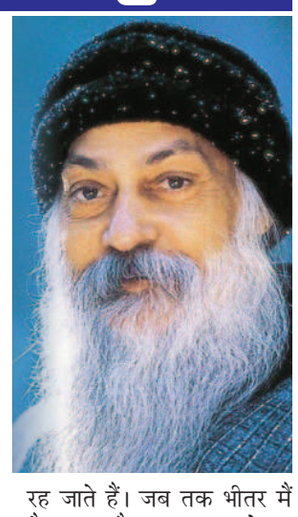

तो पहला सूत्र आपसे कहना चाहता हूं: अगर चाहते हैं कि पता चले कि प्रेम-तत्व क्या है, तो पहला सूत्र है।।काम की पवित्रता, दिव्यता, उसकी ईश्वरीय अनुभूति की स्वीकृति, उसको परम हृदय से, पूर्ण हृदय से अंगीकार। और आप हैरान हो जाएंगे, जितने परिपूर्ण हृदय से काम की स्वीकृति होगी, उतने ही आप काम से मुक्त होते चले जाएंगे। जितना अस्वीकार होता है, उतने ही हम बंधते हैं। जैसा वह फकीर कपड़ों से बंध गया। जितना स्वीकार होता है, उतने हम मुक्त होते हैं।

अगर परिपूर्ण स्वीकार है, टोटल एक्सेप्टबिलिटी है जीवन का जो निसर्ग है उसकी, तो आप पाएंगे कि वह परिपूर्ण स्वीकृति को मैं आस्तिकता कहता हूं, वही आस्तिकता व्यक्ति को मुक्त करती है।

नास्तिक मैं उनको कहता हूं जो जीवन के निसर्ग का अस्वीकार करते हैं, निषेध करते हैं।।यह बुरा है, यह पाप है, यह विष है, यह छोड़ो, यह छोड़ो, यह छोड़ो। जो छोड़ने की बातें कर रहे हैं, वे ही नास्तिक हैं।

जीवन जैसा है, उसे स्वीकार करो और जीओ उसकी परिपूर्णता में। वही परिपूर्णता रोज-रोज सीढ़ियां-सीढ़ियां ऊपर उठाती जाती है। वही स्वीकृति मनुष्य को ऊपर ले जाती है। और एक दिन उसके दर्शन होते हैं, जिसका काम में पता भी नहीं चलता था। काम अगर कोयला था तो एक दिन हीरा भी प्रकट होता है प्रेम का। तो पहला सूत्र यह है।

दूसरा सूत्र आपसे कहना चाहता हूं। और वह दूसरा सूत्र भी संस्कृति ने और आज तक की सभ्यता ने और धर्मों ने हमारे भीतर मजबूत किया है। दूसरा सूत्र भी स्मरणीय है। क्योंकि पहला सूत्र तो काम की ऊर्जा को प्रेम बना देगा और दूसरा सूत्र द्वार की तरह रोके हुए है उस ऊर्जा को बहने से, वह बह नहीं पाएगी। वह दूसरा सूत्र है मनुष्य का यह भाव कि मैं हूं; ईगो, उसका अहंकार, कि मैं हूं। बुरे लोग तो कहते ही हैं कि मैं हूं। अच्छे लोग और जोर से कहते हैं कि मैं हूं।।और मुझे स्वर्ग जाना है, और मोक्ष जाना है, और मुझे यह करना है, और मुझे वह करना है। लेकिन मैं।।वह मैं खड़ा हुआ है वहां भीतर।

और जिस आदमी का मैं जितना मजबूत है, उतना ही उस आदमी की सामथ्र्य दूसरे से संयुक्त हो जाने की कम हो जाती है। क्योंकि मैं एक दीवाल है, एक घोषणा है कि मैं हूं। मैं की घोषणा कह देती हैः तुम तुम हो, मैं मैं हूं। दोनों के बीच फासला है।

फिर मैं कितना ही प्रेम करूं और आपको अपनी छाती से लगा लूं, लेकिन फिर भी हम दो हैं। छातियां कितनी ही निकट आ जाएं, फिर भी बीच में फासला है।।मैं मैं हूं, तुम तुम हो। इसीलिए निकटतम अनुभव भी निकट नहीं ला पाते। शरीर पास बैठ जाते हैं, आदमी दूर-दूर बने रह जाते हैं। जब तक भीतर मैं बैठा हुआ है, तब तक दूसरे का भाव नष्ट नहीं होता।

सात्रर ने कहीं एक अदभुत वचन कहा है। कहा है कि दि अदर इ।ज हेल। वह जो दूसरा है, वही नरक है। लेकिन सात्रर ने यह नहीं कहा कि व्हाय दि अदर इज अदर? वह दूसरा दूसरा क्यों है? वह दूसरा दूसरा इसलिए है कि मैं मैं हूं। और जब तक मैं मैं हूं, तब तक दुनिया में हर चीज दूसरी है, अन्य है, भिन्न है। और जब तक भिन्नता है, तब तक प्रेम का अनुभव नहीं हो सकता।

प्रेम है एकात्म का अनुभव।

प्रेम है इस बात का अनुभव कि गिर गई दीवाल और दो ऊर्जाएं मिल गईं और संयुक्त हो गईं।

प्रेम है इस बात का अनुभव कि एक व्यक्ति और दूसरे व्यक्ति की सारी दीवालें गिर गईं और प्राण संयुक्त हुए, मिले और एक हो गए।**(क्रमशः)**

रामचरित मानस की इन चौपाइयों में छिपा है हर समस्या का समाधान

मनुष्य का जीवन तीन भाव से बना है, पहला हर्ष, दूसरा शोक और तीसरा भय। हर्ष का अर्थ होता है खुशी, शोक यानी की दुःख और भय मतलब डर। अक्सर सफलता के रास्ते में डर रुकावट पैदा करता है। आमतौर पर इस डर को कम करने के लिए धार्मिक ग्रंथ पढ़ने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि धार्मिक ग्रंथों का पाठ करने से जीवन में सकारात्मकता बनी रहती हैं।

हम सभी के जीवन में कई तरह के उतार चढ़ाव आते हैं। इन परिस्थितियों से निकलने के लिए कई बार रास्ते नजर नहीं आते। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुलसीदास द्वारा लिखी गई श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों में जीवन की हर समस्या का समाधान छिपा है। माना जाता है कि इसका पाठ करने से जन्म जन्मांतरों के पाप से मुक्ति, भय, रोग आदि सभी दूर हो जाते हैं। साथ ही जीवन जीने को लेकर नई प्रेरणा का भी प्राप्ति होती है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं उन चमत्कारी चौपाइयों व उनके प्रभाव के बारे में विस्तार से।

रामचरितमानस की चौपाइयां

हरि अनंत हरि कथा अनंता ।
कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता ॥
रामचंद्र के चरित सुहाए ।
कलप कोटि लगि जाहिं न गाए ॥

इसका अर्थ है कि हरि अनंत हैं उनका कोई पार नहीं पा सकता है। उनकी कथा भी अनंत ही है। सभी संत लोग उस कथा को बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। साथ ही ये पक्तिंया कहती हैं कि भगवान श्री रामचंद्र के सुंदर चरित्र का कोई बखान नहीं कर सकता क्योंकि सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

जा पर कृपा राम की होई ।
ता पर कृपा करहिं सब कोई ॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया ।
तिनके हृदय बसहु रघुराया ॥

इसका अर्थ है जिन पर प्रभु श्री राम की कृपा होती है, उन्हें कोई सांसारिक दुःख छू नहीं सकता। जिन लोगों पर परमात्मा की कृपा हो जाती है उस पर तो सभी की कृपा बनी ही रहती हैं। जिसके अंदर कपट, झूठ और माया नहीं होती, उन्हीं के हृदय में रघुपति राम बसते हैं। साथ ही उनके ऊपर प्रभु की कृपा सदैव होती है।

अगुण सगुण गुण मंदिर सुंदर,
भ्रम तम प्रबल प्रताप दिवाकर ।
काम क्रोध मद गज पंचानन,
बसहु निरंतर जन मन कानन।।

इसका अर्थ है कि हे गुणों के मंदिर ! आप सगुण और निर्गुण दोनों है। आपका प्रबल प्रताप सूर्य के प्रकाश के समान काम, क्रोध, मद और अज्ञान रूपी अंधकार का नाश करने वाला है। आप हमेशा ही अपने भक्तजनों के मन रूपी वन में निवास करने वाले हैं।

कहु तात अस मोर प्रनामा ।
सब प्रकार प्रभु पूरनकामा ॥
दीन दयाल बिरिदु संभारी ।
हरहु नाथ मम संकट भारी ॥

इस चौपाई का अर्थ है कि हे भगवान श्री राम ! आपको मेरा प्रणाम और मेरा आपसे ये निवेदन है कि - हे प्रभु ! अगर आप सभी प्रकार से पूर्ण हैं अर्थात आपको किसी प्रकार की कामना नहीं है, तथापि दीन-दुखियों पर दया करना आपका प्रकृति है, अतः हे नाथ ! आप मेरे भारी संकट को हर लीजिए।

होइहि सोइ जो राम रचि राखा ।
को करि तर्क बढ़ावै साखा ॥
अस कहि लगे जपन हरिनामा ।
गई सती जहँ प्रभु सुखधामा ॥

अर्थ है कि जो कुछ भी संसार में राम ने रच रखा है, वही होगा। इसलिए इस विषय में तर्क करने का कोई लाभ नहीं होगा। ऐसा कहकर भगवान शिव हरि का नाम जपने लगे और सती वहां गईं जहां सुख के धाम प्रभु राम थे।

बार-बार मुरझा जाता है तुलसी का पौधा! अपना लें ये नुस्खे

एक हफ्ते में हो जाएगा हरा भरा

ऐसे में अगर आप चार चीज तुलसी के पौधे में डाल दे तो आपका तुलसी का पौधा फिर से हरा भरा होने में देर नहीं लगेगी।

तुलसी का पौधा आध्यात्मिक के साथ-साथ सेहत के लिए भी खजाना है।

अगर गले में खराश हो गई हो तो आप दो तुलसी के पत्ते चबा लें तो खराश ठीक हो जाती है। चेहरे पर तुलसी का पाउडर मुंहासे दूर करने का काम करता है। तो अगर आपका पौधा मुरझा रहा है और उसे फिर से हरा भरा करना चाहते हैं तो यह चार नुस्खे अपना लें। एक हफ्ते के अंदर आपका पौधा फिर से हरा भरा हो जाएगा।

• तुलसी के पौधे में सूखी हुई गोबर डालना बहुत फायदेमंद होता है।

सबसे पहले गोबर को सुखा लें और फिर उसे बिल्कुल चुरे की तरह बना लें और उसे मिट्टी में मिला दें।

• तुलसी के पौधे में नीम का तेल या फिर नीम का पानी डालना भी काफी असरदार होता है। इसके अलावा आप नीम के पत्ते भी गोबर की खाद में मिलाकर मिट्टी में डाल सकती हैं। यह प्राकृतिक कीटनाशक का काम करता है।

• तुलसी के पौधे में पानी डालते समय ध्यान रखें कि दिन में केवल एक बार ही पानी डालें और वह भी तब जब गमला का पानी पूरी तरह सूख गया है, नहीं तो अधिक पानी डालने से तुलसी का पौधा मुरझा जाता है।

• तुलसी के पौधे में 6 से 8 घंटे की धूप लगना काफी जरूरी है। तेज धूप में यह बहुत अच्छा खिलता है। ध्यान रखें इसे अधिक धूप नहीं लगनी चाहिए। धूप लगने के बाद आप इसे छाया में कर लें।

• समय समय पर हर दो चार दिनों में सूखी पत्तियों की छटनी भी करते रहें। ऐसे में आपका पौधा काफी हरा भरा और दिखने में भी काफी सुंदर लगेगा और एक हफ्ते के भीतर ही तुलसी का पौधा फिर से हरा भरा दिखेगा।

नए साल के जून में शनि बदलेंगे अपनी चाल कई राशियों पर पड़ेगा इसका प्रभाव

आने वाला नया साल 2024 कुछ राशियों के जातकों के लिए बेहद ही शुभ तो कुछ राशियों के जातकों के लिए ग्रह गोचर की उल्टी चालों से अशुभ और विपरीत प्रभाव डालने वाला भी साबित होगा। नए साल 2024 में ज्योतिष गणना के अनुसार 29 जून 2024 को "शनि " कुंभ में वक्रीय होने वाला है। ध्यान देने वाली बात तो यह है कि शनि की इस उल्टी चाल की बुरी नजर और प्रभाव भी कई राशियों पर पड़ने वाले हैं।

कई राशियों पर पड़ेगी इसकी नजर

ज्योतिषी गिर्राज सोनी का कहना है कि 29 जून 2024 को शनि कुंभ में वक्रीय होगा। ऐसे में शनि की बुरी नजरे हैं वह कई राशियों पर पड़ेगी। इसकी जो नज़रे हैं उसमें तीसरी नजर मेष राशि पर पड़ेगी, सातवीं दृष्टि इसकी सिंह राशि पर और शनि की दसवीं दृष्टि वृश्चिक राशि पर पड़ेगी। ज्योतिषी का कहना है कि जिन लोगों का शनि मार्गी है। उन पर तो इसका किसी तरह से प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन जिन लोगों का शनि वक्रीय है उन लोगों को तो खासतौर से इसे सचेत रहना चाहिए।

क्योंकि है उनके जीवन के लिए यह नकारात्मक भी हो सकता है और सकारात्मक भी हो सकता है। ज्योतिषी का कहना है कि अगर यह सकारात्मक होता है तो कोई परेशानी नहीं है। लेकिन, यदि यह नकारात्मक होता है तो यह शनि काफी मात्रा में घातक साबित हो सकता है।

यें है बचाव का सबसे आसान उपाय

ज्योतिषी गिर्राज सोनी का कहना है कि इससे बचने का एक सीधा और सबसे सरल उपाय है कि मात्र जिस कक्ष में शनि जन्म काल से बैठा है। उस कक्ष में आठ बैगन जहां से भी नजदीकी में खरीदा जाए, वहां के किसी भी नजदीकी मंदिर में उन्हें भेंट कर दिया जाए। बस याद रखने की बात यह है कि वह बैगन किसी के हाथ में न देकर उन्हें मंदिर में भेंट करना है। जिसके बाद कितना भी शनि का दुष्प्रभाव क्यों ना हो तत्काल ही इस उपाय से आराम मिल जाएगा। ज्योतिषी का कहना है कि नए साल में शनि की इस प्रकोप से बचने के लिए बैगन ही सबसे उपयुक्त उपाय है।

ओरी ने स्टारकिड्स को लेकर किया खुलासा जाह्नवी कपूर की तारीफ की,कहा- बुरे वक्त में मेरी देखभाल करती थीं

स्टारकिड्स के चहेते और सोशल मीडिया की फेमस पर्सनैलिटी ओरी उर्फ ओरहान अवत्रमणि ने आस्क मी एनिथिंग सेशन में अपने खास दोस्त जाह्नवी कपूर, निसा देवगन और सुहाना खान के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने अजय देवगन की बेटी निसा के बारे में कहा कि कई लोग उनके बारे में गलत राय रखते हैं। ओरी ने बताया निसा बहुत इंट्रोवर्ट नेचर की हैं। उन्होंने अपना सोशल मीडिया

अकाउंट भी इसलिए बंद रखा है, जिससे लोगों के कमेंट्स पर उन्हें रिप्लाई या सफाई न देना पड़े। उन्होंने आगे लिखा कि लोग उनके बारे में गलत राय रखते हैं। वो लोगों की सोच से काफी अलग और प्राइवेट रहने वाली इंसान हैं।

जाह्नवी कपूर को बताया थेरेपिस्ट

ओरी ने जाह्नवी के बारे में लिखते हुए बताया कि वो मेरे लिए एक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने मेरे बुरे फेज से मुझे निकाला था। ओरी ने कहा कि 3 साल पहले मैं मेरी लाइफ के सबसे लो प्वाइंट पर था। जाह्नवी ने उस वक्त हफ्तों तक फोन करके मेरी बेबी सिटिंग की थी। बता दें जाह्नवी कपूर ओरी की बेस्ट फ्रेंड हैं।

सुहाना खान को ओरी ने स्मार्ट बताया

जब ओरी से लोगों ने पूछा कि द आर्चीज को

लेकर निगेटिव कमेंट्स के बारे में क्या सुहाना खान जानती हैं? इसपर ओरी ने कहा कि यहां कोई बेवकूफ नहीं है। सब लोग सच्चाई से वाकिफ हैं। वो लोग बहुत स्मार्ट हैं और रियलिटी से जुड़े हुए भी हैं।

ओरी ने श्रुति हासन को बताया रुड

ओरी ने इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनिथिंग सेशन रखा था। इस दौरान एक फैन ने उनसे पूछा, क्या कोई ऐसा सेलिब्रिटी है, जिसने आपके साथ फोटो क्लिक करवाने से मना किया हो और जबरदस्ती एटीट्यूड दिखाया हो। अगर आप नाम नहीं ले सकते तो हिंट दे दीजिए। इसके जवाब में ओरी ने श्रुति हासन का नाम लिया।

उन्होंने कहा, मैंने कभी उसके साथ फोटो क्लिक करवाने को नहीं कहा, हम एक इवेंट में मिले थे, जहां वो मेरे साथ बहुत रूड बिहेव कर रही थी। मैं उसे जानता भी नहीं हूं। मुझे बहुत बुरा लगा था। मुझे लगता है शायद कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हुई होगी क्योंकि मैं उसके हसबैंड को अच्छी तरह जानता हूं और उसे पसंद करता हूं। हमारी गलतफहमी तो तुरंत दूर हो गई थी, लेकिन फिर मुझे पता चला कि उसने मुझे प्यून या स्पॉटबॉय कहा है।

2023 में इंडियन फिल्मों ने कमाए 11730 करोड़

चार एडल्ट फिल्मों का कलेक्शन 1875 करोड़ के पार, देओल्स-एसआरके-रणबीर के नाम रहा साल

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के लिए 2023 जबरदस्त साबित हुआ। इस साल रिलीज हुई फिल्मों से तकरीबन 11,730 करोड़ की रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई हुई। इस साल टॉप पांच फिल्मों ने ही बॉक्स ऑफिस पर 4,386 करोड़ की कमाई की है। इस साल नया ट्रेंड ये देखने को मिला कि एडल्ट सर्टिफिकेट वाली चार फिल्मों की ही कमाई 1,875 करोड़ के करीब है।

एक्टर्स की बात करें तो ये साल शाहरुख खान के लिए बेहद लकी साबित हुआ जिनकी तीन फिल्में रिलीज हुईं जिनमें से दो ब्लॉकबस्टर रही हैं। उनके अलावा सनी देओल ने भी गदर 2 के जरिए धमाकेदार वापसी की। एनिमल ने रणबीर कपूर को यंग सुपरस्टार के तौर पर स्थापित किया। इस फिल्म से बॉबी देओल भी चमके। एक्ट्रेसेस में आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, कियारा आडवाणी की फिल्में हिट रहीं।

इस साल और क्या रहा खास, बॉक्स-ऑफिस पर किन फिल्मों ने की जबरदस्त कमाई। नजर डालते हैं...

कोरोनाकाल के बाद सबसे ज्यादा कमाई

टॉप पांच फिल्मों का कलेक्शन

जवान ₹1143.59 करोड़

पठान ₹1050.40 करोड़

एनिमल ₹881 करोड़

गदर 2 ₹691.08 करोड़

लियो ₹620.50 करोड़

ऑर्मेक्स मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोनाकाल के बाद 2023 ऐसा साल है जिसमें इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने सबसे ज्यादा कमाई की। 2022 में बॉक्स ऑफिस पर 1,0637 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ था जबकि 2023 में ये आंकड़ा 1,093 करोड़ रुपए ज्यादा यानी 11,730 करोड़ रुपए है।

इस साल की कमाई से कोविड के दौरान हुए नुकसान से बाजार पूरी तरह उबर आया है। कोरोना के दौरान लॉकडाउन में करीब 15 हजार करोड़ रु. का नुकसान हुआ था।

ऑर्मेक्स मीडिया के बिजनेस डेवलपमेंट (थिएट्रिकल) प्रमुख संकेत कुलकर्णी कहते हैं- बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों की कमाई बढ़ने की 3 बड़ी वजहें हैं। पहली ऐसी एक्शन फिल्मों का निर्माण जिन्हें दर्शक थिएटर में ही देखना चाहते हैं।

दूसरा बॉलीवुड ने ऐसी फिल्में बनाईं, जिनके लिए दर्शक अधिक पैसा खर्च करने को तैयार हो रहे हैं। तीसरा हिंदी सिनेमा ने बॉलीवुड स्टार की प्रसिद्धि का फायदा उठाते हुए दक्षिण भारतीय निर्देशकों की कहानी बताने की शैली को जोड़कर दर्शकों को अपनी ओर खींचा है।

टॉप 5 फिल्मों में चार हिंदी, एक साउथ की

इस साल रिलीज हुई पांच फिल्मों का ग्लोबल कलेक्शन ही 4,386

टॉप पांच फिल्मों का कलेक्शन

जवान ₹1143.59 करोड़

पठान ₹1050.40 करोड़

एनिमल ₹881 करोड़

गदर 2 ₹691.08 करोड़

लियो ₹620.50 करोड़

करोड़ रुपए रहा है। इनमें चार फिल्में हिंदी और एक फिल्म तमिल भाषा में थी। शाहरुख खान की जवान टॉप पर रही और पठान दूसरे नंबर पर। रणबीर स्टारर 'एनिमल' तीसरे नंबर पर रही। सनी की गदर 2 चौथे और विजय स्टारर 'लियो' पांचवी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही।

6 फिल्में 500 करोड़ क्लब में, सलार होगी सातवीं

पिछले साल तक 300 करोड़ क्लब में किसी फिल्म का पहुंचना बड़ी बात थी, लेकिन अब ये पैमाना बदल चुका है। अब 500 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों का ट्रेंड है। इस साल ऐसी छह फिल्में रही हैं जिनका कलेक्शन 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर पाया है।

इनमें जवान, पठान, एनिमल, गदर 2, लियो और जेलर जैसी फिल्में शामिल हैं। सलार इस क्लब में पहुंचने वाली सातवीं फिल्म होगी जिसने तीन दिन में 400 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। ये 22 दिसंबर को रिलीज हुई थी।

ए-रेटेड फिल्मों की कामयाबी ने चौंकाया

इस साल बॉक्सऑफिस पर नया ट्रेंड देखने को मिला। A-सर्टिफिकेट वाली फिल्मों ने बॉक्स-ऑफिस पर काफी अच्छा परफॉर्म किया। इस साल चार बड़ी फिल्में A-सर्टिफिकेट वाली थीं जिनमें OMG 2, एनिमल, सलार और द केरला स्टोरी शामिल हैं।

'एनिमल' प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने किया खुलासा : कहा- बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस आंकड़े फेक हैं, कॉर्पोरेट बुकिंग ट्रेंड चल रहा है

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' 1 दिसंबर को रिलीज हुई है। पहले ही दिन से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। 26 दिनों तक सिनेमाघरों में चलने के बाद ये फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 850 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। ऐसे में फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। प्रोड्यूसर ने कहा- बॉलीवुड में दिखाए गए बॉक्स ऑफिस के आंकड़े सच नहीं हैं। आजकल एक कॉर्पोरेट बुकिंग ट्रेंड चल रहा है, जिसकी वजह से कमाई बढ़ी हुई दिखती है।

प्रणय ने कहा- बॉलीवुड में कमाई के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का खेल चल रहा है

आजकल सोशल मीडिया पर लोग फिल्मों के कलेक्शन के आंकड़ों को लेकर काफी बहस करते हैं। इन दिनों फिल्मों की कमाई में एक और चीज का जिक्र खूब होता है- कॉर्पोरेट बुकिंग। ऐसे में क्या 'एनिमल' की बॉक्स ऑफिस कमाई के आंकड़े बिल्कुल सटीक हैं? फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने दावा किया है कि उनकी फिल्म की कमाई के आंकड़े बिल्कुल सटीक हैं। इंटरव्यू के दौरान प्रणय ने सीधे तौर पर किसी बॉलीवुड फिल्म का नाम नहीं लिया। लेकिन उन्होंने बताया कि हाल ही के दिनों में रिलीज हुईं कई बॉलीवुड फिल्मों के बॉक्स ऑफिस डेटा में इस तरह का खेल हुआ है।'एनिमल' के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने भी इस बारे में बात की। उन्होंने कहा- हालांकि मेरे पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है, लेकिन कॉरपोरेट बुकिंग की वजह से फिल्मों की कमाई बढ़ी हुई दिखती है। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों में गड़बड़ी के मुद्दे पर भूषण ने कॉर्पोरेट बुकिंग की ओर इशारा किया।

रणबीर कपूर के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने की शिकायत : क्रिसमस पर केक जलाकर बोला था जय माता दी

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर के खिलाफ कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मुंबई के घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई है।हाल ही में रणबीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वो केक को आग लगाने के बाद 'जय माता दी' बोलते नजर आए थे। रणबीर के इस वीडियो की काफी आलोचना भी हुई थी।

4 सेक्शन के तहत मामला दर्ज करने की मांग

अब बॉम्बे हाई कोर्ट के वकील आशीष राय और पंकज मिश्रा ने रणबीर के खिलाफ यह शिकायत की है, जिसमें उन्होंने (भारतीय दंड संहिता) की धारा 295A, 298, 500 और 34 के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने अब तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है।

परिवार के बाकी सदस्यों ने भी लगाए 'जय माता दी' के नारे

कपूर खानदान में हर साल धूमधाम से क्रिसमस मनाने की परंपरा है। इस बार भी क्रिसमस के खास मौके पर पूरे परिवार ने मुंबई में साथ लंच किया था। यह वीडियो उसी दौरान का है। इस वायरल वीडियो में कपूर परिवार का एक सदस्य केक के ऊपर शराब डालता है फिर रणबीर केक को आग लगाकर 'जय माता दी' कहते हैं। इस दौरान उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी उनके साथ जय माता दी कहा। शिकायत के अनुसार, हिंदू धर्म में देवताओं का आह्वान करने से पहले अग्नि देवता का आह्वान किया जाता है, लेकिन रणबीर कपूर और उनके परिवार के सदस्यों ने क्रिसमस मनाते समय जानबूझकर शराब का इस्तेमाल किया और 'जय माता दी' के नारे लगाए। यही वजह है कि शिकायतकर्ता ने सेक्शन 34 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

वर्ल्डवाइड 900 करोड़ के करीब पहुंची एनिमल

वर्कफ्रंट पर रणबीर की हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। फिल्म ने अब तक इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 540 करोड़ और वर्ल्डवाइड 880.83 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है।

एक्टर साजिद खान के निधन से परेशान हुए डायरेक्टर साजिद

वीडियो शेयर कर कहा- मैं जिंदा हूं, जो मरे वो मदर इंडिया वाले एक्टर थे

22 दिसंबर को एक्टर साजिद खान के निधन होने की खबर आई थी। खबर मिलते ही लोगों को लगा कि फिल्म डायरेक्टर साजिद खान का निधन हो गया है। इसी के चलते उनके जानने वाले और रिश्तेदारों का उनके घर फोन आने लगा। सोशल मीडिया पर भी लोग उन्हें रिप का मैसेज करने लगे थे। अब साजिद ने सोशल मीडिया पर अपने जिंदा होने का सबूत पेश किया है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कहा- मैं जिंदा हूं।

साजिद खान ने शेयर किया वीडियो बोले- मैं जिंदा हूं

फिल्म डायरेक्टर साजिद खान ने गुरुवार की सुबह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर की है। वीडियो में वो कहते हैं- एक्टर साजिद खान का निधन हुआ है। वो 70 साल के थे। मदर इंडिया फिल्म जो 1957 में आई थी। उसमें जो छोटा बच्चा सुनील दत्त बना हुआ था, वो कोई और नहीं बल्कि साजिद खान थे। वो 1951 में पैदा हुए थे। मैं उनके 20 साल बाद पैदा हुआ। मुझे दुख है कि उनका निधन हुआ। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। उन्होंने कहा- लेकिन मेरे कुछ गैरजिम्मेदार मीडिया वालों ने मेरी फोटो डाल दी। साजिद ने बताया कि मुझे रात से लेकर आज सुबह तक रिप के मैसेज आ रहे हैं। लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि तू जिंदा है ना। इस वीडियो में डायरेक्टर ने बताया है कि मैं जिंदा हूं, मुझे अभी आप लोगों को बहुत एंटरटेन करना है।

वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- आरआईपी साजिद खान(1951-2023)...मैं नहीं, जैसा कि कुछ मीडिया वालों ने मेरी फोटो लगा दी थी।

शाहरुख दिखेंगे एक्शन अवतार में

'डंकी' के बाद एसआरके की तीन एक्शन फिल्मों में लगी होड़, चौथी ऑलरेडी सलमान के साथ है लाइन अप में

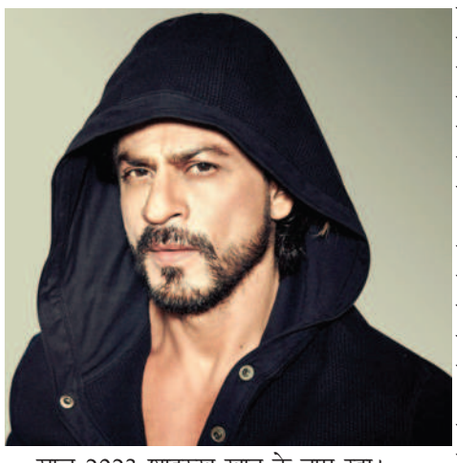

साल 2023 शाहरुख खान के नाम रहा। उनकी 'पठान' और 'जवान' ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े और नए रिकॉर्ड बनाए। 'डंकी' भी ग्लोबली दो सौ करोड़ क्लब में एंट्री कर चुकी है। 'पठान' और 'जवान' एक्शन जॉनर की फिल्में थीं। वहीं 'डंकी' सोशल ड्रामा जॉनर की फिल्म थी। ऐसे में अब ट्रेड सूत्रों की मानें तो नए साल में शाहरुख की वापसी एक्शन फिल्मों से होगी। शाहरुख खान की तीन एक्शन फिल्मों में होड़ है। चौथी ऑलरेडी सलमान खान के साथ पाइपलाइन में है। इन चारों फिल्मों से पहले वो अपनी बिटिया सुहाना खान की फिल्म में भी बतौर कैमियो करते नजर आएंगे।

'डंकी' के बाद शाहरुख की तीन एक्शन फिल्मों में होड़ लगी है

ट्रेड सूत्रों ने कहा- आने वाले साल में शाहरुख खान की ओर से एक्शन फिल्में ही प्राथमिकता सूची में ऊपर रहने वाली हैं। शाहरुख के पास तीन एक्शन फिल्में हैं। जिनमें से दो साउथ के डायरेक्टर्स के साथ बन सकती हैं। खबर है कि ये फिल्में लोकेश कनगराज और संदीप रेड्डी वांगा की हो सकती हैं। 'जवान' फेम डायरेक्टर एटली के साथ शाहरुख की रीयूनियन में वक्त लग सकता है। बता दें, एटली अगले साल अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म बना रहें हैं। हालांकि एटली ने पहले शाहरुख खान और विजय थलपति के साथ एक फिल्म की योजना बताई थी। लेकिन अब हाल ही में पता चला है कि शाहरुख और एटली की साथ बनने वाली फिल्म में वक्त लग सकता है।

खुद एटली के करीबियों ने भी इसकी पुष्टि की है। एटली की टीम इन दिनों वरुण धवन की फिल्म 'VD 18' में बिजी है। चूंकि अभी फिल्म 'VD 18' का 55 फीसदी से ज्यादा काम बाकी है, इसलिए नए साल में भी एटली की टीम वरुण धवन की फिल्म पर बिजी रहने वाली है। वहीं एटली की अल्लू अर्जुन के साथ वाली फिल्म भी अगले साल 'पुष्पा 2' की रिलीज के बाद ही शुरू हो सकेगी।

शाहरुख और संदीप रेड्डी वांगा भी साथ काम कर सकते हैं

शाहरुख और 'एनिमल' फेम संदीप रेड्डी वांगा के साथ भी फिल्म एक्सपेक्ट की जा रही है। खुद संदीप ने भी हाल ही में के इंटरव्यू के दौरान शाहरुख के साथ काम करने की योजना और ख्वाहिश जाहिर की थी। उनके जानने वालों ने बताया कि संदीप भी फिलहाल नए साल में प्रभास के साथ आने वाली फिल्म में बिजी रहेंगे। प्रभास स्टारर इस फिल्म का नाम 'स्पिरिट' है। ये एक एक्शन जॉनर की फिल्म होगी। शाहरुख के साथ भी संदीप रेड्डी 90 के दशक की एक्शन जॉनर फिल्म ट्राई करने वाले हैं।

सुहाना खान की फिल्म में शाहरुख कैमियो करते नजर आएंगे

सुहाना खान की आने वाली थ्रिलर फिल्म में शाहरुख खान का कैमियो कंफर्म हो गया है। इस फिल्म में सुहाना जासूस का किरदार निभाती नजर आएंगी। वहीं शाहरुख खान उनके हैंडलर के रोल में होंगे। अब नए साल में यशराज की ओर से 'टाइगर' वर्सेज 'पठान' को लेकर एक और थ्योरी है।

सलार का वर्ल्डवाइड आंकड़ा 500 करोड़ पार

डंकी ने दुनियाभर में 310 करोड़ कमाए

सलार और डंकी दोनों फिल्मों को क्लैश का नुकसान होते दिख रहा है। सलार ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को वर्ल्डवाइड 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसने 297 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है।

शाहरुख खान की फिल्म डंकी की बात करें तो इसने अब तक इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 151 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 310 करोड़ के आस-पास बिजनेस किया है। डंकी, सलार से एक दिन पहने यानी 21 दिसंबर को रिलीज हुई थी।

साउथ के फेमस ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने कहा- तेलुगु और हिंदी में सलार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लोग इस एक्शन फिल्म को देखना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। मेरा जो नजरिया है, उसके हिसाब से हिंदी पट्टी क्षेत्र में भी सलार, डंकी की तुलना में आगे निकल रही है।

ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल भी रमेश बाला की बातों से सहमत दिखे। उन्होंने कहा- सलार और डंकी दोनों फिल्मों ने एक दूसरे को नुकसान पहुंचाया है। हम कह सकते हैं कि डंकी को ज्यादा नुकसान हुआ है। बड़े शहरों में डंकी का कलेक्शन ठीक है, लेकिन छोटे शहरों में यह सलार से पीछे चल रही है। राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान का जो औरा है, उस हिसाब से डंकी बिल्कुल अंडर परफॉर्म कर रही है। हालांकि डंकी का बजट 85 करोड़ है, इस हिसाब से फिल्म को हिट का तमगा तो मिल ही जाएगा।

सुमित ने आगे कहा- इन सब के बीच एक बात मत भूलिए। डंकी एक नॉन एक्शन फिल्म है। इसके बावजूद इसने 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। पैंडेमिक के बाद सिर्फ एक्शन फिल्मों का ही बोलबाला रहा है।

नॉन एक्शन फिल्में जैसे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और तू झूठी मैं मक्कार भी डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपए तक ही कमा सकी थीं। इस हिसाब से देखें तो पैंडेमिक के बाद डंकी पहली नॉन एक्शन फिल्म होगी जो 200 करोड़ का आंकड़ा पार करेगी।

नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य बोले- साउथ के लोग भी अब ओटीटी के लिए तैयार हैं

बॉलीवुड की तरह साउथ की फिल्म इंडस्ट्री से भी स्टारकिड्स के अपनी विरासत को आगे बढ़ाने की परंपरा रही है। साउथ के मशहूर स्टार नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य भी एक अर्से से फिल्मों में काम कर रहे हैं। आमिर खान के साथ नागा ने बॉलीवुड डेब्यू भी किया। अब उन्होंने वेब सीरीज डेब्यू किया है। उनकी 'धूथा' अमेजॉन प्राइम पर आई है। यह थ्रिलर बेस्ड सीरीज है। नागा चैतन्य इसमें पत्रकार के रोल में हैं। नागा से साउथ में मौजूदा ट्रेंड और उनकी जर्नी पर बातें हुईं।

नागा चैतन्य जब12वीं पास कर चुके थे, तब तक मुझे एक्टिंग का कीड़ा काट चुका था। वह फिर हैदराबाद मूव कर गया, क्योंकि तेलुगू इंडस्ट्री वहीं से ऑपरेट होती है। यहां काफी समय दिया। कई ऐड्स किए। फिर एक्टिंग स्कूल भी गये। फिर जब 17 से 18 साल का हो गये। फिर पूरी तरह इसी का हो गये।

दर्शकों का फीडबैक बड़ा कमाल का रहा। दो हफ्ते लगातार यह ट्रेंडिंग में रहा। ओटीटी ने मुझे मौका दिया कि मैं खुद को एक एक्टर के तौर पर एक्सप्लोर कर सकूं। अलग जॉनर भी एक्सप्लोर कर सकूं, जिन्हें मैंने अब तक मूवीज में एक्सपेरिमेंट नहीं किया था। इस सीरीज के चलते मैं अपने कंफर्ट जोन से बाहर भी निकल सका। जब मैंने इसे साइन किया था तो कई तरह की चुनौतियां थीं। कई सारे सवाल मेरे सामने थे। पर उसे कंप्लीट किया और अब मुझे मेरी सारी जिज्ञासाओं के जवाब मिल गए।

रीमेक का तो मैं श्योर नहीं हूं कि करना ही चाहूं। वह इसलिए कि ओरिजिनल फिल्मों को जिन किसी कलाकारों ने किया होगा, वह सब कमाल ही हैं। उन सितारों ने वहां उम्दा काम किया ही होगा। फिल्मों में यूनीकनेस लाई होगी, जिनके चलते दर्शकों ने उन प्रोजेक्ट्स को पसंद किया। हम ऐसे दौर में भी रह रहे, जहां हर किसी के पास मीडियम हैं, जिनके चलते वो ओरिजिनल फिल्में देखने की सिचुएशन में होते हैं। मैं उन ओरिजिनल फिल्म की सक्सेस में क्या ही वैल्यू ऐड कर सकूंगा। तो इस वक्त तो कम से कम मैं रीमेक में यकीन नहीं रख रहा। बाकी मैं आमिर खान सर का फैन तो हूं हीं। सौभाग्य से उनके साथ काम करने मौका भी मिला मुझे। मेरे ख्याल से फिट होना जरूरी है। उस लिहाज से हमारे सारे हीरोज नॉर्थ या साउथ में सुपरफिट हैं। बाकी जो ये सिक्स पैक एब्स कल्चर है, वह कैरेक्टर की डिमांड पर डिपेंड करता है। तो इसकी जरूरत किरदार केंद्रित मामला हो तब होती है। पहले एपिसोड का जो नैरेशन मुझे डायरेक्टर विक्रम ने दिया, उसने तो सच में मेरा दिमाग ही उड़ा दिया। हर एपिसोड के अंत में जो क्लिफहैंगर होता था कि मेरी ही उत्सुकता लगातार बनी रहती थी कि आगे क्या होने वाला है? तो मैं तो पहले एपिसोड की नैरेशन ही मन बना चुका था कि मुझे यह करना है।

महाराष्ट्र की शिंदे सरकार का अल्पसंख्यकों के लिए बड़ा फैसला, मदरसों को मिलेंगे 10 लाख रुपये

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने राज्य के प्रत्येक मदरसों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। मिली जानकारी के लिए महाराष्ट्र सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि सभी मदरसों को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। जाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत उन मदरसों को ये धनराशि प्रदान की जाएगी जो पाठ्यक्रम में विज्ञान और गणित को अनिवार्य विषयों के रूप में शामिल करते हैं। दस लाख रुपये से मदरसों को आधुनिक बनाया जाएगा। राज्य सरकार के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जारी सरकारी संकल्प (जीआर) में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के 15-सूत्री कार्यक्रम के हिस्से के रूप में शुरू की गई पहल के तहत राज्य में मदरसों को वित्त पोषण दिया जाएगा। जीआर में कहा गया है कि जाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत उन मदरसों को धनराशि प्रदान की जाएगी जो पाठ्यक्रम में विज्ञान और गणित को अनिवार्य विषयों के रूप में पेश करते हैं। सरकार की तरफ से दी जाने वाली इस अनुदान का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक मदरसे को कुछ बुनियादी शर्तें पूरी करनी होंगी। इसका लाभ सिर्फ वही मदरसे उठा सकेंगे जो रजिस्टर्ड होंगे। इसके पहले साल 2013 में मदरसे के लिए 2 लाख रुपये सरकार द्वारा दिये गए थे लेकिन ये पहली बार हुआ है कि दस लाख रुपये मदरसे के लिए दिए जा रहे हैं। इसे पीएम मोदी का सबका साथ और सबका विकास योजना से जोड़कर देखा जा रहा है। जहां हर समाज को आगे बढ़ाने की कोशिश है।

कन्नड़ भाषा के विवाद पर कर्नाटक सरकार सख्त

डिप्टी सीएम बोले- संपत्तियों का नुकसान बर्दाश्त नहीं

बेंगलूरू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि सरकार कन्नड़ भाषा के विवाद में किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं देगी। बता दें कि कर्नाटक रक्षण वेदिके (नारायण गौड़ा गुट) के कार्यकर्ता बंगलूरू में दुकानों पर कन्नड़ भाषा में साइनबोर्ड लगाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर उन दुकानों में तोड़फोड़ भी की, जिन पर कन्नड़ भाषा में साइनबोर्ड नहीं थे। इस पर डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सख्त रुख अपनाया है। शिवकुमार ने कहा कि 'हम कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उन्हें कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। हम बंगलूरू में संपत्तियों के नुकसान को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमें कन्नड़ भाषा को बचाने को बचाना है और हम इसके लिए लड़ने वाले लोगों का सम्मान भी करते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इसके नाम पर जो तोड़फोड़ हो रही है, सरकार उसकी तरफ से आंखें मूंद ले।'

नए साल के जश्न के बीच बढ़ रहा कोरोना का ग्राफ

24 घंटे में 6 संक्रमितों की मौत, 702 नए केस दर्ज

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 702 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही देशभर में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 4,097 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इसके अलावा पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण से छह लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोविड-19 से महाराष्ट्र में दो, जबकि कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में एक-एक मरीज की मौत हुई है। वहीं, देशभर में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के मामले 110 हो गए हैं। गुजरात में 36, कर्नाटक में 34, गोवा में 14, महाराष्ट्र में 9, केरल में 6, राजस्थान और तमिलनाडु में 4-4, तेलंगाना में 2 और दिल्ली में 1 मामले सामने आए। ज्यादातर मरीज फिलहाल घर में क्वारंटीन में हैं। देश में बुधवार को कोविड-19 के 529 नए मामले सामने आए थे। देश में 22 दिसंबर को संक्रमण के 752 नए मामले दर्ज किए गए थे। ठंड और कोरोना वायरस के नए वैरिएंट की वजह से हाल के दिनों में संक्रमण के मामलों में तेजी आई है। इससे पहले 5 दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक तक पहुंच गई थी। साल 2020 की शुरुआत से अब तक लगभग चार सालों में देशभर में कोरोना वायरस से लगभग साढ़े चार करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए और इससे 5.3 लाख से अधिक मौतें हुईं।

ओडिशा में पशु तस्करी को लेकर झड़प बजरंग दल के 10 कार्यकर्ता घायल

बालासोर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर जिले में कथित तौर पर मवेशियों की तस्करी कर बंगाल ले जा रहे एक समूह के साथ झड़प में बजरंग दल के कम से कम 10 सदस्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कटक के सालेपुर इलाके के बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मवेशियों को ले जा रही कम से कम तीन वैन का लगभग 200 किमी तक पीछा किया, जब तक कि उन्होंने गुरुवार सुबह एनएच 60 पर बालासोर शहर के बाहरी इलाके फुलाडी इलाके में वैन को रोकने की कोशिश नहीं की। जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और मवेशी ले जा रहे लोगों के बीच लड़ाई हुई, तो उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से मदद मांगी। अल्पसंख्यक समुदाय के स्थानीय ग्रामीण बांस की लाठियों और अन्य हथियारों से लैस होकर आए और बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 10 कार्यकर्ता घायल हो गए। बालासोर सदर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बजरंग दल के तीन कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनके सिर पर चोटें आई हैं। जिन दो वाहनों में बजरंग दल के कार्यकर्ता यात्रा कर रहे थे वे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस संबंध में बालासोर सदर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। सितंबर में राज्य भर में सैकड़ों मवेशियों से जुड़ी ऐसी घटनाओं की एक श्रृंखला के बीच, गुस्साई भीड़ ने क्योंझर जिले में मवेशियों को ले जा रहे एक वाहन को इस संदेह में आग लगा दी कि इसका इस्तेमाल मवेशियों की तस्करी के लिए किया जा रहा था।

राम मंदिर के दर्शन करने जाएंगी बसपा सुप्रीमो मायावती

सांसद मलूक नागर ने किया बड़ा दावा

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले देश का पूरा माहौल राममय हो गया है। मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां हैं। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को न्योता दिया गया है। इस बीच समारोह में कौन नेता शामिल होगा और कौन नहीं, इसे लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। क्या बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती भी इस समारोह में हिस्सा लेंगी या राम मंदिर के दर्शन करने जाएंगी, इसका जवाब बिजनौर से बसपा सांसद मलूक नागर ने दिया है। बसपा सांसद मलूक नागर से जब राम मंदिर को लेकर सवाल किया गया कि क्या मायावती भी मंदिर के दर्शन करने जाएंगी, इसके जवाब में बसपा सांसद ने कहा मायावती सभी धर्मों और समुदाय के लोगों का आदर सम्मान करती हूं। उनका किसी को लेकर कोई विरोध नहीं हैं। राम मंदिर के उद्घाटन में जाना है या नहीं इसका फ़ैसला भी वो ख़ुद ही करेंगी।

मलूक नागर ने कहा, 'बहनजी मायावती सभी जाति, धर्मों के लोगों का, सभी धर्मों में जिसकी, जिसमें आस्था है उसका आदर करती हैं। किसी पर भी उनको विरोध नहीं होता है। मैं पिछले 17 सालों से बसपा में हूं, मैं ये देखता हूं कि वो किसी भी धार्मिक स्थान पर नहीं जाती है। वहाँ जाना है या नहीं जाना है

उसका फ़ैसला खुद मायावती ही लेंगी। आपको बता दें कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा में कौन नेता शामिल होगा कौन नहीं इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। जहां टीएमसी, सीपीएस की और से इसमें शामिल होने की संभावना से इनकार कर दिया गया है तो वहीं कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी इसमें शामिल होंगी या नहीं इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि अगर उन्हें न्योता मिलेगा तो वो ज़रूरी जाएंगें, नहीं तो बाद में दर्शन करेंगे।

शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कोलकाता के नौ इलाकों में छापेमारी, ईडी की बडी कार्रवाई

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के तहत कोलकाता के नौ अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की। ईडी की नौ टीमों ने शहर के व्यस्त इलाके बड़ाबजार, काकुरगाछी और ईएम बाइपास में नौ लोगों के दफ्तर और आवास छापा मारा। इस छापेमारी पर एक अधिकारी ने कहा, 'प्राथमिक विद्यालय नौकरी घोटाले मामले में यह छापेमारी हमारे जांच का हिस्सा है। ये सभी लोग इस घोटाले में शामिल थे। हम बैंक और अन्य दस्तावेजों की तलाश कर रहे हैं।' बता दें कि गौ तस्करी घोटाले में गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति से मिली खुफिया जानकारी के बाद यह तलाशी अभियान गुरुवार की सुबह चलाया गया।

उमा के ट्वीट पर बोले मंत्री चेतन्य कश्यप

उनका सुझाव अच्छा है, हम इस पर गंभीरता से विचार करेंगे

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री चेतन्य कश्यप ने पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के ट्वीट पर कहा कि वे पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं। बचपन से ही उनका त्यागमय जीवन रहा है। पूरा विषय मैंने उनके घर जाकर उन्हें बताया है। कश्यप गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे थे। वहां उन्होंने पत्रकारों से चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उनका आशीर्वाद मेरे साथ भी है। ट्वीट में उन्होंने लिखा भी है कि उन्होंने सुझाव दिया है। हम उनके सुझाव पर गंभीरता से चिंतन करेंगे।

उनका सुझाव अच्छा था व्यक्तियों को दान के प्रति आगे आना चाहिए। लोकसभा चुनाव को लेकर मंत्री कश्यप ने कहा कि 29 सीटें जीतना बीजेपी का लक्ष्य है। पूरा विश्वास है इस बार एमपी की

पूरी 29 सीटें बीजेपी जीतेगी। गुना हादसे पर उन्होंने कहा कि गुना की घटना दुखद है। पीड़ित परिवारों के साथ सरकार खड़ी है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो उस पर काम करेंगे।

अब खत्म हो गई साख, कुछ काम नहीं आएगा राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर बोले पटेल

इंदौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जब साख खत्म हो जाती है तो कोई उपक्रम काम नहीं आता है। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री और एमपी के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर कही। पटेल बुधवार देर रात निजी प्रोग्राम में शामिल होने के लिए इंदौर आए थे। मीडिया से बात करते हुए मंत्री पटेल ने कहा कि बात होती है भरोसे की। वह भरोसा पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में माना जा रहा है। पीएम मोदी के प्रयासों से देश का नौजवान और गरीब उनसे सीधे तौर पर जुड़ गया है।

क्या है न्याय यात्रा

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब देश में न्याय यात्रा निकालने वाले हैं। यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। इस दौरान राहुल जनसंवाद पर फोकस करेंगे। इंदौर आए पटेल ने कहा कि 2024 विधानसभा चुनाव से पहले ही मैं कह चुका था कि इस बार प्रदेश में 2003 के जैसी स्थिति बनेगी। जनता ने बता दिया कि वह प्रदेश में विकास चाहती है और इसलिए उसने भाजपा को बहुमत दिया।

नर्मदा मां ने बहुत कुछ दिया अब हम भी कुछ करें

पटेल ने कहा कि मैंने नर्मदा परिक्रमा की है। नर्मदा मैया ने इस प्रदेश को संपन्न बनाने के लिए अमृत समान पानी दिया है। अब हमारी बारी है कि हम उसे कुछ लौटाएं। इस दिशा में काम करना चाहिए। इंदौर आने से पहले कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार रात ओंकारेश्वर पहुंचे थे। परिवार के साथ भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन-पूजन और शयन आरती में शामिल होने के बाद पटेल बुधवार को निरंजनी अखाड़े और सोनी धर्मशाला ब्रह्मपुरी में बाबाश्री के जन्मोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए थे। ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर के दर्शन उपरांत प्रहलाद सिंह पटेल ने मीडिया चर्चा में कहा कि नर्मदा के प्रत्येक भक्त को ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ कर अंत में ओंकारेश्वर आना होता है, तब परिक्रमा पूरी होती है। मंत्री पटेल गुरुवार सुबह उज्जैन में महाकाल की भस्म आरती में भी शामिल हुए।

डीएमडीके संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। डीएमडीके (देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम) संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन हो गया है। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजयकांत को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। विजयकांत जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। तमिल फिल्म जगत के दिग्गज कलाकार के करिश्माई प्रदर्शन ने लाखों लोगों का दिल जीता था। एक राजनीतिक नेता के रूप में, वो लोगों की सेवा के लिए गहराई से प्रतिबद्ध थे, जिसने तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। उनका निधन एक खालीपन छोड़ गया है जिसे भरना मुश्किल होगा। वह एक घनिष्ठ मित्र थे और मैं वर्षों से उनके साथ अपनी बातचीत को याद करता हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, प्रशंसकों और असंख्य अनुयायियों के साथ हैं। डीएमडीके ने एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी।इससे पहले, नवंबर में तबीयत बिगड़ने पर विजयकांत को चेन्नई के एमआईओटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खांसी और गले में दर्द के कारण वह 14 दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रहे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तमिलनाडु में सक्रिय कोविड मामलों की कुल संख्या 135 बताई गई है।

'कांग्रेस अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन में भाग लेगी या नहीं'

केरल कांग्रेस अध्यक्ष बोले- पार्टी के बड़े नेता अपना रुख करें स्पष्ट

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन में कौन जाएगा कौन नहीं यह विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब पार्टी के अध्यक्ष भी अपनी-अपनी पार्टियों से यह सवाल कर रहे हैं कि आखिर पार्टी का रुख क्या होने वाला है। इस बीच, केरल कांग्रेस अध्यक्ष के सुधाकरन ने कहा, "पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को इस पर रुख अपनाना चाहिए कि कांग्रेस अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन में भाग लेगी या नहीं।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद के मुरलीधरन ने गुरुवार को कहा कि पार्टी की राज्य इकाई ने राष्ट्रीय नेतृत्व से अभिषेक समारोह में भाग नहीं लेने का आग्रह किया है। समारोह में भाग लेने वाले कांग्रेस नेताओं के खिलाफ राज्य में मुस्लिम समूहों के बढ़ते दबाव के बीच मुरलीधरन ने दिन में कहा, इस मुद्दे पर राज्य इकाई की स्थिति से एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल को अवगत करा दिया गया है। मुरलीधरन ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस को किसी भी कीमत पर इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। यह पार्टी के राज्य नेतृत्व का निर्णय है। राज्य इकाई की भावनाओं से वेणुगोपाल को अवगत करा दिया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अबतक स्पष्ट नहीं किया अपना रुख हांलाकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं ने अबतक खुलकर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है कि वह अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होंगे या नहीं।

सैम पित्रोदा ने ने बीजेपी से किए तीखे सवाल

इसके अलावा, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर सरकार से कई सवाल करते नजर आए। सैम पित्रोदा के सवालों पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सैम पित्रोदा ने सवाल उठाते हुए कहा है, 'क्या राम मंदिर असली मुद्दा है या बेरोजगारी और महंगाई?'

चंदा कोचर और 9 अन्य के खिलाफ केस दर्ज, टमाटर पेस्ट कंपनी को धोखा देने का लगा आरोप

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ चंदा कोचर एक बार फिर कानूनी विवाद में फस गईं हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में एक नया मामला दर्ज किया गया है, जिसमें कोचर और नौ अन्य लोगों पर एक टमाटर पेस्ट कंपनी को धोखा देने का आरोप लगाया गया है, जिससे उन्हें 27 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। 2009 का यह मामला हाल ही में तब सुर्खियों में आया जब 9 दिसंबर को पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जांच शुरू करने का आदेश दिया।

इसके बाद, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोपों का हवाला देते हुए 20 दिसंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की। एफआईआर में नामित लोगों में चंदा कोचर, संदीप बख्शी (सीईओ और एमडी आईसीआईसीआई बैंक), विजय ज़गडे (पूर्व प्रबंधक आईसीआईसीआई बैंक), मुंबई में आईसीआईसीआई बैंक की ग्लोबल ट्रेड सर्विसेज यूनिट के अनाम अधिकारी, (अब पंजाब नेशनल बैंक) के प्रतिनिधि शामिल हैं। जिनमें अतुल कुमार गोयल (एमडी एवं सीईओ पंजाब नेशनल बैंक), केके। बोर्दिया (पूर्व जीएम ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स), अखिला सिन्हा (एजीएम पीएनबी और ओबीसी के तत्कालीन शाखा प्रमुख), मनोज सक्सेना (एजीएम पीएनबी और ओबीसी के तत्कालीन शाखा प्रमुख), और केके। भाटिया (ओबीसी में पूर्व मुख्य प्रबंधक) के नाम भी शामिल हैं। पी एंड आर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड (टोमेटो मैजिक) के निदेशक शम्मी अहलूवालिया द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर एक विदेशी बैंक से 'लेटर ऑफ क्रेडिट' (एलओसी) को असली दस्तावेज के रूप में पेश करने की साजिश रची।

टमाटर पेस्ट के निर्यात ऑर्डर के लिए महत्वपूर्ण एलओसी, कथित तौर पर रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड (आरबीएस) द्वारा जारी किया गया था, लेकिन बाद में पता चला कि यह आरबीएस एलायंस नामक एक स्थानीय रूसी बैंक से जारी किया गया था, जो अपनी संदिग्ध प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। एफआईआर में कहा गया है कि आईसीआईसीआई बैंक ने धोखाधड़ी से रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड द्वारा जारी एलओसी को प्रमाणित किया, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि एलओसी (एल/सी) एक स्थानीय रूसी बैंकः आरबीएस एलायंस से था। उक्त एलओसी में तीन बार संशोधन किया गया, लेकिन इन सभी अवसरों पर आईसीआईसीआई ने बार-बार मूर्खता की। आईसीआईसीआई बैंक, जो इस मामले में सलाहकार बैंक है और उसके अधिकारियों को यह जांच करनी थी कि क्या पेश किया जा रहा एल/सी प्रामाणिक था और एक वास्तविक बैंकिंग इकाई द्वारा जारी किया गया था। जैसा कि बाद में बताया गया कि एल/सी पूरी तरह से धोखाधड़ी और जाली थी, लेकिन एफआईआर में कहा गया है कि एल/सी जारी करने वाले बैंक के साथ साजिश के तहत इसे आईसीआईसीआई बैंक द्वारा प्रामाणिक और कानूनी रूप से सत्यापित किया गया था। एफआईआर में कहा गया है कि शिकायतकर्ता कंपनी को कथित तौर पर रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड द्वारा जारी एल/सी प्राप्त हुआ, जो एक प्रसिद्ध ए क्लास इंटरनेशनल बैंक है। एफआईआर में कहा गया है कि उक्त क्रेडिट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि दस्तावेजी क्रेडिट के लिए समान सीमा शुल्क और अभ्यास में निहित नियमों और शर्तों के अधीन है, एल/सी आईसीआईसीआई बैंक, मुंबई के माध्यम से प्राप्त किया गया था, जो सलाहकार बैंक है, जिसे किराए पर लिया गया था। वास्तविक एल/सी जारीकर्ता बैंक, आरबीएस एलायंस, मॉस्को, जिसे अपने दस्तावेजी क्रेडिट का सम्मान करने में अच्छी प्रतिष्ठा नहीं मिली।

शिकायतकर्ता कंपनी, टोमैटो मैजिक, जो टमाटर पेस्ट की अखिल भारतीय आपूर्तिकर्ता है, को एक रूसी खरीदार से 1000 मीट्रिक टन चीनी टमाटर पेस्ट का निर्यात ऑर्डर मिला था। ईरानी मूल के टमाटर पेस्ट की अतिरिक्त आपूर्ति के लिए शुरू में ऑर्डर का मूल्य 10 लाख था, जो बढ़कर 18.48 लाख (लगभग 8.68 करोड़ रुपये) हो गया। भुगतान जोखिमों को कम करने के लिए, यह आदेश 'ए' श्रेणी के बैंक द्वारा जारी 100 प्रतिशत अपरिवर्तनीय एलओसी पर निर्भर था, जिसमें आईसीआईसीआई बैंक सलाहकार बैंक के रूप में कार्य कर रहा था। शिकायतकर्ता ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा एलओसी के बाद के गलत प्रमाणीकरण के कारण कथित तौर पर कई घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप टोमैटो मैजिक को 27.66 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एफआईआर में आगे कहा गया है कि मई 2011 में, आईसीआईसीआई बैंक ने शिकायतकर्ता की चिंताओं के जवाब में जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हुए तुच्छ और झूठे जवाब दिए। हैरानी की बात यह है कि ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (अब पंजाब नेशनल बैंक) ने आईसीआईसीआई बैंक के रुख को चुनौती नहीं दी, जिससे जानकारी की सत्यता पर सहमति बन गई। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि कंपनी को सभी आरोपियों के हाथों धोखा दिया गया था, जिन्होंने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और 1000,000 डॉलर की धोखाधड़ी करने के सामान्य इरादे के साथ पहले से मिल कर एक आपराधिक साजिश रची थी।

कथित तौर पर आरबीएस एलायंस द्वारा जारी किया गया जाली और धोखाधड़ी वाला क्रेडिट लेटर, न कि रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड द्वारा और उसके बाद उक्त जाली और मनगढ़ंत दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल किया गया। दोषी आरोपी नंबर 1 आईसीआईसीआई बैंक ने एक जालसाज बैंक को बचाने के लिए आरबीआई दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया। शिकायतकर्ता द्वारा इंटरनेट से उठाए गए दो आइटमों के आधार पर यह तथ्य सामने आता है कि आरबीएस अलायंस, एल/सी जारी करने वाला बैंक, एक धोखेबाज था। यह उल्लेख करना उचित है कि, आईसीआईसीआई बैंक, भारत में सलाहकार बैंक होने के नाते, भारतीय व्यवसायों को ठगने के लिए आरबीएस एलायंस के साथ सहयोगात्मक संबंध रखता था, जैसा कि एफआईआर में लिखा गया है। इसके अलावा, क्योंकि आरोपी नंबर 1 ने पहले आरबीएस एलायंस से स्विफ्ट के माध्यम से एल/सी प्राप्त किया था और फिर शिकायतकर्ता कंपनी को दिया था, यह स्पष्ट रूप से दोनों के बीच गठबंधन की पुष्टि करता है (यह अच्छी तरह से जानते हुए कि एल/सी जारीकर्ता आरबीएस एलायंस है) शिकायतकर्ता को कभी भी रूस में खरीदार से सीधे एल/सी प्राप्त नहीं हुआ और एल/सी का पूरा सेट और इसके 3 संशोधन आरोपी नंबर 1 आईसीआईसीआई बैंक, सलाहकार बैंक के माध्यम से भेजे गए थे।

शिकायतकर्ता ने कहा, इसलिए, धोखेबाज आरबीएस एलायंस के साथ आईसीआईसीआई बैंक की व्यवस्था की जांच जरूरी है, ताकि कार्यप्रणाली का पता लगाया जा सके, जो एफआईआर दर्ज करके आपराधिक कानून को लागू किए बिना संभव नहीं है। एफआईआर में कहा गया है कि उल्लेख करना उचित होगा कि आईसीआईसीआई बैंक ने भारतीय कारोबार को ठगने के लिए आरबीएस एलायंस के साथ सहयोगात्मक संबंध बनाया था। 12 दिसंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने कथित वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी मामले में कोचर को बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी, 2024 तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

मुकेश अंबानी ने नए साल से पहले साझा किया संदेश

कंपनी में एआई के इस्तेमाल पर कहा...

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी ने नए साल के पहले अपना संदेश साझा किया है। अपने संदेश में उन्होंने डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई को मामले में कंपनी को मजबूत करने का आह्वान किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, अब से तीन दिन में हम 2023 को अलविदा कह देंगे और 2024 की शुरुआत करेंगे। रिलायंस परिवार के प्रमुख के रूप में, मैं आप सभी के साथ नए साल के लिए तीन प्रमुख संदेश साझा करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, सबसे पहले, आइए हम डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई एडॉप्शन, टैलेंट एनरिचमेंट और इंस्टीट्यूशनल कल्चर में ग्लोबल लीडर्स के बीच रिलायंस की स्थिति को मजबूत करें। दुनिया के सबसे बड़े एकल-स्थान तेल शोधन परिसर से लेकर देश के सबसे बड़े मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर तक का व्यवसाय खड़ा करने वाले अरबपति मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड कभी भी आत्मसंतुष्ट नहीं होगा और दुनिया के शीर्ष 10 व्यापारिक समूहों में शामिल होगा। समूह के संस्थापक धीरूभाई अंबानी के जन्मदिन रिलायंस फैमिली डे पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अंबानी ने कहा कि रिलायंस अब डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई अपनाने के मामले में ग्लोबल लीडर्स के बीच अपनी जगह मजबूत करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।अंबानी ने कहा, 'आज, व्यापार के लिए घरेलू और वैश्विक वातावरण बहुत तेजी से बदल रहा है। आत्मसंतोष के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, 'रिलायंस अतीत में भी कभी आत्मसंतुष्ट नहीं रहा और रिलायंस भविष्य में भी कभी आत्मसंतुष्ट नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रिलायंस को लगातार इनोवेशन और रीइन्वेंशन के माध्यम से बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए जाना जाता है। मुंबई में एक छोटी कपड़ा विनिर्माण इकाई के साथ शुरुआत करते हुए, रिलायंस ने अपना कारोबार बढ़ाया। इसने पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में (जो वस्त्रों के लिए फीडस्टॉक प्रदान करता है) में कदम रखा और देश का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया।

इसके बाद इसने एक तेल रिफाइनरी स्थापित की और इसे देश में सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़ा एकल-स्थान तेल शोधन परिसर के रूप में विस्तारित किया। 2005 में, रिलायंस ने खुदरा क्षेत्र में प्रवेश किया और अब यह देश में किराने की दुकानों, हाइपरमार्केट और ऑनलाइन खुदरा बाजार का सबसे बड़ा ऑपरेटर है। 2016 में, इसने दूरसंचार सेवा जियो लॉन्च की, जो जल्द ही भारत में सबसे बड़ा ऑपरेटर और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा ऑपरेटर बन गया।

64 हजार के करीब पहुंचा सोना

चांदी भी 736 रुपए महंगी होकर 74,800 रुपए पर पहुंची, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।सोने के दामों में आज यानी, 28 दिसंबर को तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स ए सो सि ए श न (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 421 रुपए महंगा होकर 63,644 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 47,733 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

चांदी में भी रही तेजी

चांदी में भी आज तेजी देखने को मिल रही है। ये 736 रुपए महंगी होकर 74,800 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 74,064 रुपए पर थी। इस महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

2023 में अब तक साढ़े 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो अब 63,644 प्रति ग्राम पर है। यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 8,777 रुपए (16%) की तेजी आई है। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 74,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

67 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले साल यानी 2024 में भी सोने की कीमत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके चलते अगले एक साल में ये सोना 67 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

नए साल के स्वागत में शेयर बाजार में जारी है आतिशबाजी

जोरदार तेजी के साथ लाइफटाइम हाई पर बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार में साल 2023 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में लगातार तीसरे दिन भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. एफएमसीजी और एनर्जी स्टॉक में खरीदारी ने बाजार में आज की तेजी का नेतृत्व किया. दिसंबर सीरीज का भी आखिरी था और जोरदार खरीदारी की बदौलत बीएसई सेंसेक्स 371 अंकों के उछाल के साथ 72,410 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 124 अंकों के उछाल के साथ 21,778 पर क्लोज हुआ है. दोनों ही इंडेक्सों का ये लाइफटाइम हाई है. आज के ट्रेड में सबसे बड़ी तेजी निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में रही जो 754 अंकों के उछाल के साथ 56,504 अंकों पर क्लोज हुआ है. इसके अलावा बैंकिंग, एनर्जी, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, इंफ्रा, कमोडिटी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में भी जोरदार तेजी देखने को मिली है. आज के ट्रेड में केवल आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है. मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में रौनक बरकरार है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 तेजी के साथ और 8 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 38 तेजी के साथ और 12 गिरावट के साथ बंद हुए.शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते मार्केट कैपिटलाइजेशन में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 363 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 361.30 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के कारोबार में निवेशक की संपत्ति में 1.70 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. आज के कारोबार में एनटीपीसी 2.45 फीसदी, नेस्ले 2.26 फीसदी, पावर ग्रिड 2,14 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.33 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.13 फीसदी, आईटीसी 1.11 फीसदी, भारती एयरटेल 1.06 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.80 फीसदी. रिलायंस 0.70 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि एशियन पेंट्स 0.63 फीसदी, इंफोसिस 0.48 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.38 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.37 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

दुनिया के 90 फीसदी देशों को ये मसाला सप्लाई करता है ईरान, युद्ध के कारण भारत की भी बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।अंतरराष्ट्रीय बाजार को केसर की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें ईरान में इस साल केसर की खराब उत्पादन एक मुख्य कारण है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान विश्व का प्रमुख केसर आपूर्तिकर्ता होने के साथ-साथ एक बेशकीमती मसालों का सप्लायर भी है, जिसे उसकी खुशबू, ज़ायके और रंग के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट बताती है कि इस साल केसर की उत्पादन में ईरान में 2022 के मुकाबले कमी आई है। बता दें कि 90% केसर की आपूर्ति दुनिया भर में ईरान से होती है, इसलिए कम उत्पादन से केसर की कीमतों में वृद्धि हो सकती है।केसर के व्यापारियों और किसानों के लिए बदलते मौसम का असर महत्त्वपूर्ण है। 'तोरबत-ए जाम' केसर एक्सचेंज के चीफ मोजतबा पायम-असगरी ने मीडिया को बताया कि पिछले सालों में सर्दियों में बेहद कम तापमान था, लेकिन इस साल असामान्य गर्मी की वजह से फसल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सिंचाई के लिए बनाए गए हजारों कुए सूख गए हैं, जिससे स्थिति गंभीर हो गई है। विशेषज्ञों ने भी मौसम में बदलाव के संकेतों की चेतावनी दी है कि यह फसलों के लिए कितना नकारात्मक हो सकता है। ईरानी मौसम विज्ञानी मोहम्मद दरविश ने बताया कि ईरान अन्य देशों की तुलना में अधिक असुरक्षित हो सकता है, खासकर शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में, जहां केसर की फसल उगती है, और यहां बारिश कम हो रही है और तापमान बढ़ रहा है।व्यापारियों के अनुसार, पिछले साल से केसर की कीमतों में दोगुनी वृद्धि हो चुकी है। ईरान के घरेलू बाजार में केसर 1400 डॉलर प्रति किलो और विदेशों में 1800 डॉलर प्रति किलो तक बिक रहा है। व्यापारियों का कहना है कि कई चीनी व्यापारी अधिक दाम के कारण वापस चले गए हैं।

जन-धन योजना में खुले 10 करोड़ अकाउंट इनैक्टिव

इतनी है महिला अकाउंट होल्डर्स की संख्या

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।केंद्र सरकार समय-समय पर देश के गरीब वर्ग के लिए कई तरह की योजनाएं लेकर आती रहती है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना एक ऐसी ही योजना है, जिसे खास तौर पर कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों के लिए ही बनाया गया है। हाल ही में संसद में पीएम जनधन खाते के बारे में अहम जानकारी देते हुए सरकार ने बताया है कि इस स्कीम के तहत देशभर में 51 करोड़ से अधिक खाते खोले गए, लेकिन उनमें से 10 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय हैं। ऐसे में निष्क्रिय खातों की संख्या कुल अकाउंट्स के 20 फीसदी के बराबर हो गई है। कुल निष्क्रिय बैंक अकाउंट में लगभग आधे महिलाओं के हैं।

पीएम जनधन खाते में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि है जमा

इस योजना को शुरू करने के पीछे सरकार का यह मकसद था कि देश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाके के लोगों को भी बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा जा सके।

इस स्कीम के तहत आप जीरो बैलेंस खाता खुलवा सकते हैं। सरकार को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए लाभार्थियों के खाते तक पैसे पहुंचाने में इस स्कीम में अहम भूमिका निभाई है। राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने पीएम जनधन योजना के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि देशभर में इस योजना के तहत कुल 51.11 करोड़ से अधिक खाते खोले गए। इसमें से 10 करोड़ ऐसे खाते हैं, जिनमें पिछले कुछ सालों में किसी तरह का ट्रांजैक्शन नहीं हुआ है। ऐसे में ये खाते निष्क्रिय हो गए हैं। निष्क्रिय खातों में महिला खाताधारकों की संख्या 4.93 करोड़ है। इन निष्क्रिय खातों में कुल 12,779 करोड़ रुपये की रकम जमा है, जिसका कोई दावेदार नहीं है।

वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने पीएम जनधन खाते के निष्क्रिय होने के पीछे कई कारण बताए हैं। इसमें खाताधारकों का कोई सीधा संबंध नहीं है। कई बार लंबे वक्त तक खाते में किसी तरह का लेनदेन न होने की स्थिति में वह निष्क्रिय हो जाता है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक अगर किसी खाते में दो साल से अधिक वक्त तक कोई लेनदेन नहीं होता है तो ऐसे अकाउंट खुद ब खुद निष्क्रिय यानी इनएक्टिव हो जाता है। वित्त राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि निष्क्रिय पीएम जनधन खाते की संख्या को कम करने के लिए सरकार की तरफ से प्रयास किए जा रहे हैं।

पीएम जनधन योजना के तहत जमा हुई इतनी राशि

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए 51 करोड़ से अधिक खाते में कुल 2,08,637.46 करोड़ से अधिक की राशि जमा है। अगर आपका भी जनधन खाता निष्क्रिय हो गया है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है।

इस तरह के खाते को आप केवाईसी करके दोबारा चालू कर सकते हैं। जनधन खाते के तहत खाताधारकों को एक आरयूपीएवाई डेबिट कार्ड भी मिलता है। इस खाते को आप किसी भी बैंक में जाकर खुलवा सकते हैं। इसके लिए आपको केवल आधार कार्ड, फोटोग्राफ और केवाईसी की जरूरत पड़ेगी।

'टाटा के रतन' ने फोर्ड चेयरमैन के अपमान का नौ साल बाद ऐसे लिया बदला

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।भारतीय उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का आज यानी 28 दिसंबर को 86वां जन्म दिन है। ख्यातिप्राप्त बिजनेस मैन के अलावे रतन टाटा एक मोटिवेशनल स्पीकर भी रहे हैं। वे परोपकार और मानवता की भावना के बिना कारोबार का संचालन करने में भरोसा नहीं रखते हैं। उनका जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में नवल टाटा और सूनी टाटा के घर हुआ। वे देश के प्रतिष्ठित टाटा परिवार का हिस्सा थे। उन्होंने टाटा ग्रुप में अपने करियर की शुरुआत 25 की आयु में की। वर्ष 1959 में आर्किटेक्चर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए वे अमेरिका के कॉरनेल यूनिवर्सिटी गए। साल 1962 में भारत लौटने से पहले लॉस एंजिल्स के जोन्स और इमोन्स नामक कंपनी में उन्होंने नौकरी की। 1962 में भारत लौटने के बाद बाद उन्होंने टाटा ग्रुप ज्वाइन किया। ग्रुप में उन्हें पहला काम जमशेदपुर स्थित टाटा स्टील डिविजन में मिला। वर्ष 1975 में उन्होंने हार्वार्ड बिजनेस स्कूल से प्रबंधन का कोर्स किया। वर्ष 1991 में टाटा ग्रुप के चेयरमैन बने। ये तो वे बातें हैं कि जो रतन टाटा के बारे में सब जानते हैं। पर रतन टाटा के बारे में कुछ ऐसी भी बाते हैं जो कम ही लोगों को पता है। रतन टाटा ने भारत में पहली बार पूर्ण रूप से बनी कार का उत्पादन शुरू किया। इस कार का नाम है टाटा इंडिका। भारत में सौ फीसदी बनी इस कार को पहली बार वर्ष 1998 में ऑटो एक्सपो और जेनेवा इंटरनेशनल मोटर शो में प्रदर्शित किया गया। इंडिका पहली देसज कार थी जो पेट्रोल और डीजल दोनों इंजनों में उपलब्ध था। रतन टाटा की अगुवाई में टाटा ग्रुप ने एंग्लो-डच स्टीलमेकर कोरस, ब्रिटिश लग्जरी ब्रांड लैंड रोवर और जगुआर का अधिग्रहण कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंपना डंका बजाया।

बैंकों का एनपीए पिछले कई वर्षों के निचले स्तर पर पहुंचा, आरबीआई ने अर्थव्यवस्था पर कही बडी बात

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक टिप्पणी की है। आरबीआई ने कहा है कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था और घरेलू वित्तीय प्रणाली लचीली बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़त की संभवना बनी हुई है। केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बैंकों की शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का अनुपात सितंबर 2023 के अंत में घटकर कई साल के निचले स्तर 0.8 प्रतिशत पर आ गया और देश की घरेलू वित्तीय प्रणाली लचीली बनी हुई है। आरबीआई ने वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा है, "सितंबर 2023 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) क्षेत्र के लचीलापन में सुधार आया है। इनका सीआरएआर 27.6 प्रतिशत, जीएनपीए अनुपात 4.6 प्रतिशत और संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 2.9 प्रतिशत रहा है। आरबीआई ने कहा है कि बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) अनुपात भी कई साल के निचले स्तर 3.2 प्रतिशत पर आ गया। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के वित्तीय स्थिरता और भारतीय वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन के जोखिमों पर सामूहिक मूल्यांकन को दर्शाती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबीएस) का पूंजी से जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) और सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी 1) अनुपात सितंबर 2023 में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 13.7 प्रतिशत रहा।

200 लाख करोड़ के पार निकल गया भारत का बॉन्ड बाजार, 2024 में कैसा रहेगा हाल!

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।भारत में बॉन्ड बाजार में तेजी से विस्तार देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ सालों में भारत के बॉन्ड बाजार का साइज कई गुना बढ़ा है। इस साल तो भारतीय बॉन्ड बाजार का आकार बढ़ते हुए 200 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है।

5 सालों में डबल हो गया बाजार

सेबी और सीसीआईएल के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय बाजार में आउटस्टैंडिंग बॉन्ड की टोटल वैल्यू 30 सितंबर 2023 तक 205.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। बीते पांच सालों के दौरान भारतीय बॉन्ड बाजार का साइज लगभग डबल हो गया है। भारतीय बाजार में आउटस्टैंडिंग बॉन्ड की टोटल वैल्यू वत्त वर्ष 2017-18 में 108.8 लाख करोड़ रुपये थी, जो अभी 205 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2017-18 से 2022-23 के दौरान 5 सालों में साइज 77 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 192.4 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

टोटल बॉन्ड मार्केट में सरकारी बॉन्ड का हिस्सा

भारतीय बॉन्ड बाजार में अभी सबसे ज्यादा हिस्सेदारी सरकारी बॉन्ड की है। सरकारी बॉन्ड की हिस्सेदारी पूरे बॉन्ड बाजार में दो-तिहाई से भी ज्यादा है। अभी सरकारी बॉन्ड की टोटल वैल्यू 161.1 लाख करोड़ रुपये है, जो टोटल आउटस्टैंडिंग बॉन्ड के 78 फीसदी के बराबर है। बाकी हिस्सा कॉरपोरेट बॉन्ड के पास है। टोटल बॉन्ड मार्केट में कॉरपोरेट बॉन्ड का हिस्सा 44.2 लाख करोड़ रुपये यानी 22 फीसदी के बराबर है।

सरकारी बॉन्ड ने की ज्यादा ग्रोथ

हालिया सालों में गवर्नमेंट बॉन्ड की ग्रोथ ज्यादा रही है। पिछले पांच सालों के दौरान सरकारी बॉन्ड का साइज बाजार के 77 पर्सेंट की तुलना में 85 फीसदी बढ़ा है। जबकि इस दौरान कॉरपोरेट बॉन्ड के साइज में 53 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। कॉरपोरेट बॉन्ड की धीमी ग्रोथ का मुख्य कारण 2018 से 2021 के दौरान का क्रेडिट क्राइसिस है, जिसमें कई डिफॉल्ट खासकर एनबीएफसी डिफॉल्ट रिकॉर्ड किए गए थे।

इस कारण पसंद आते हैं बॉन्ड

बॉन्ड मार्केट को फिक्स्ड इनकम मार्केट भी कहा जाता है। इन्हें नियमित अंतराल पर कमाई सुनिश्चित करने वाला निवेश माना जाता है। बॉन्ड नियमित अंतराल पर रिटर्न ऑफर करते हैं। ऐसे में बॉन्ड उन निवेशकों की पसंद बन जाते हैं, जो कम रिस्क उठाना पसंद करते हैं और तय इनकम की तलाश करते हैं। इक्विटी की तुलना में बॉन्ड में कम रिस्क होता है।

अगले साल के लिए ऐसा आउटलुक

बॉन्ड की यील्ड रेट से रिलेट करती है। अगर ब्याज दरें ज्यादा हैं तो बॉन्ड से अच्छी कमाई होती है। अभी रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 के बाद से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि इस बात के संकेत मिल चुके हैं कि ब्याज दरों के बढ़ने का दौर थम चुका है और ब्याज दरें फिलहाल अपने शीर्ष स्तर पर चल रही हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-52 बजे
चंद्र-	कर्क	में	मकर..	08-00 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-50 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	11-28 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	13-03 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-48 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-48 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	19-01 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	21-12 बजे
			कन्या..	23-19 बजे
			तुला....	01-25 बजे
			वृश्चिक.	03-36 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय -06-48 सूर्यास्त. -17-47
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **07 :59** - तक उपरान्त तृतीया
मास - पौष कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **29 December**
नक्षत्र - पुष्य - **03: 09** - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - वैधृति - **02 : 28**- तक उपरान्त विष्कुंभ
करण- गर - **07 :59** - तक उप- वणिज
विशेष:- कल चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:55 से 12:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:48 - 08:09	शुभ	रोग	17:47 - 19:27	अशुभ
लाभ.	08:09 - 09:32	शुभ	काल	19:27 - 21:04	अशुभ
अमृत.	09:32 - 10:55	शुभ	लाभ	21:04 - 22:41	शुभ
काल.	10:55 - 12:18	अशुभ	उत्पात	22:41 - 24:18	अशुभ
शुभ.	12:18 - 13:41	शुभ	शुभ	24:18 - 01:55	शुभ
रोग	13:41 - 15:04	अशुभ	अमृत	01:55 - 03:32	शुभ
उत्पात	15:04 - 16:27	अशुभ	चंचल	03:32 - 05:09	शुभ
चंचल	16:27 - 17:47	शुभ	रोग	05:09 - 06:48	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे ।आज आपको यह अनुभव होगा कि खुश रहना काफी हद तक शारीरिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा । आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है । आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं । आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे । कोई आपसे मदद मांगेगा । प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है । आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें । आज का दिन आपके लिए कुछ अजीब सा रहेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अयोध्या का रेलवे स्टेशन देख फट जाएंगी आंखें

अयोध्या, 28 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या धाम जंक्शन कर दिया गया है, यहां से जुड़ी सुविधाओं के बारे में आप शायद ही जानते होंगे। जानिए आखिर कैसे ये वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस बताया जा रहा है। अयोध्या का ये रेलवे स्टेशन देख फट जाएंगी आंखें, पहली मंजिल पर कुछ तो दूसरी दिखाएगी कुछ।

अयोध्या में जहां एक ओर भव्य राम मंदिर का निर्माण चल रहा है, वहीं दूसरी ओर भगवान श्री राम के दर्शन के लिए आने वाले लोगों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं भी देने की तैयारी है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा अब अयोध्या रेलवे स्टेशन को भी एयरपोर्ट लुक दिया गया है। जहां आम लोग के लिए फ्लाइट से आना-जाना महंगा पड़ेगा, वहीं यात्रा के लिए आप ट्रेन का भी विकल्प चुन सकते हैं।

बता दें, अभी हाल ही में, अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम भी बदल दिया गया है, अब इस जगह को अयोध्या धाम जंक्शन के नाम से जाना जाएगा। यही नहीं, 30 दिसंबर को पीएम मोदी श्री राम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन भी करने के लिए पहुंचेंगे। अयोध्या में जहां अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है, वहीं वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस रेलवे स्टेशन के कपाट भी जल्द अयोध्यावासियों के लिए खुलने वाले हैं। ये स्टेशन देश के सबसे खूबसूरत और आधुनिक सुविधाओं से संपन्न होगा। चलिए आपको इस अयोध्या धाम जंक्शन की कुछ फैसिलिटी के बारे में बताते हैं।

यात्रियों को ये मिलेंगी सुविधाएं

तीन फेज में चले रहे निर्माण कार्य में इस स्टेशन का पहला फेज बनकर तैयार हो चुका है। यहां शिशु देखभाल केंद्र, बीमार लोगों के लिए अलग केबिन, पर्यटन सूचना केंद्र के साथ-साथ देश के सबसे बड़े कॉनकोर्स सेटअप को भी बनाया जा रहा है। यहां इंफेंट केयर रूम होगा जहां पैसेंजर अपने दूध पीते बच्चों को किसी भी तरह का मेडिकल चेकअप करा सकते हैं। इसी तरह, इसी तरह अगर आपको किसी भी तरह से यात्रा के दौरान चोट लग जाती है या फिर किसी भी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ जाता है, तो यहां सिक रूम में फर्स्ट एड और मेडिकल अटेंशन की सुविधा भी दी हुई है।

ग्राउंड फ्लोर पर मिलेंगी ये सुविधाएं

वहीं पैसेंजर फैसिलिटीज डेस्क और टूरिस्ट इनफॉर्मेशन सेंटर की मदद से यहां आने वाले यात्रियों को श्री राम मंदिर के साथ क्षेत्र के हर आध्यात्मिक व पर्यटन जगहों तक जाने की जानकारी और अच्छे से पहुंचने के लिए साधनों की भी जानकारी मिल पाएगी। ये सभी सुविधाएं ग्राउंड फ्लोर पर होंगी, इसे पूरा जी प्लस टू मॉडल (ग्राउंड प्लस मिडिल व फर्स्ट फ्लोर) पर बनाया गया है। इसके अलावा, क्लाक रूम, फूड प्लाजा, वेटिंग हॉल्स, स्टेयरकेस, एस्केलेटर्स, लिफ्ट और टॉयलेट्स के साथ कई सुविधाएं भी दी जाएंगी। अयोध्या धाम स्टेशन के मिडिल फ्लोर पर रियाटरिंग रूम, लेडीज डॉर्मेटरी, एसी रिटायरिंग रूम्स, जेंट्स डॉर्मेटरी, स्टेयरकेस, रिलीविंग स्टाफ के लिए लॉजिंग रूम, स्टेशन मास्टर और महिला स्टाफ का रूम बनाया गया है। वहीं, फर्स्ट फ्लोर पर देश के सबसे बड़े कॉनकोर्स सेटअप को भी तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा, फर्स्ट फ्लोर पर फूड प्लाजा, वेटिंग हाल, टॉयलेट, पेयजल, एस्केलेटर्स, लिफ्ट, स्टाफ रूम, दुकानें, वेटिंग रूम समेत एंट्री पुल की सुविधा भी दी जाएगी। साथ ही, दिव्यांगों के लिए कई खास तरह के शौचालयों को भी तैयार किया गया है।

रेलवे स्टेशन पर दिखेगी भव्यता

अयोध्या रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य 2018 से शुरू किया गया था, पहले चरण में बनाए गए भवन में श्री राम मंदिर की तरह एक भव्य आकर्षण बनाया गया है। भवन में लगी टाइल्स, पत्थर, शीशे, दरवाजे, लाइटिंग आदि चीजें आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी। भवन के ठीक बीचों-बीच भारी भरकम पंखा लगा है और उसके ठीक नीचे फर्श की डिजाइन यकीनन आपको बेहद पसंद आएगी। यही नहीं, स्टेशन परिसर के बाहर का बड़ा परिसर भी रेलवे स्टेशन की भव्यता का गवाह बन चुका है।

अगर पिता ही जल्लाद हो जाए तो अगले जनम मोहे बिटिया न कीजौ

बिटिया को क्या पता था कि हैवान पिता उसकी जान लेने की प्लानिंग बना रहा है

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। उसकी बहुत ही प्यारी इकलौती बेटी थी। बड़े नाजों से उसे पाल रहा था। दुनिया की हर खुशी अपनी बेटी को देना चाहता था। लेकिन करोड़ों के कर्ज में डूबा वह कारोबारी हैवान बन गया। कर्ज न चुकाना पड़े, इसके लिए उसने खतरनाक प्लान बनाया। घर छोड़ने का प्लान। प्लान ये कि नई जगह पर नई पहचान के साथ नए सिरे से जिंदगी की शुरुआत। लेकिन 10 साल की बेटी का क्या होगा? पत्नी तो किसी तरह गुजारा कर लेगी लेकिन बेटी...। फिर क्या था। जिन हाथों से कभी बेटी को गोद में उठाकर खिलाया था, उन्हीं हाथों से उस हैवान ने अपने जिगर के टुकड़े का ही गला घोंट दिया। उसके बेजान पड़े शरीर को नदी में फेंक आया। शातिराना अंदाज में अपने गुनाह के हर निशां को मिटाने की कोशिश की। अगर उस बेटी की आत्मा बात करती होती तो उस हैवान से जरूर पूछती- पापा मेरा कसूर क्या था? अब उस हैवान को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। वैगा हत्याकांड की ये पूरी कहानी दिल को झकझोर कर रख देने वाली है।

21 मार्च 2021 का दिन। 10 साल की वैगा को उसका पिता सानू मोहन अलपुज्जा में अपने रिश्तेदार के यहां से अपने साथ लेकर निकलता है। वह पत्नी को रिश्तेदार के यहां ही छोड़ देता है कि वह अपने एक अंकल के यहां जा रहा। वैगा के साथ वह किसी अंकल के यहां जाने के बजाय कोच्चि के कंगरापादी स्थित अपने फ्लैट पहुंचता है। कुछ देर बाद वह अपार्टमेंट से बाहर जाता दिखता है। उसके बाद से ही दोनों लापता हो जाते हैं। उनका कोई सुराग नहीं मिलता। रिश्तेदार उसी दिन दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। अगले दिन यानी 22 मार्च को कोच्ची के मुट्टार नदी में वैगा की तैरती हुई लाश मिलती है। सानू मोहन गायब था। पुलिस जांच में जुटती है। शक की सूई सानू की ओर घूमती है जो लापता था। पता चला कि वह केरल से भाग चुका है। वह सबसे पहले कोयंबटूर पहुंचा। वहां से कर्नाटक भाग गया। पुलिस करीब एक महीने तक उसकी तलाश करती रही। आखिरकार 18 अप्रैल 2021 को उसे कर्नाटक के करवार में गिरफ्तार कर किया गया।

पूछताछ में उसने अपनी बेटी की हत्या की जो कहानी बताई वह रोंगटे खड़े कर देने वाली थी। 21 मार्च को वैगा जब सानू मोहन के साथ निकली तो उसे क्या पता था कि उसके पिता के दिमाग में क्या चल रहा है। उसे क्या पता था कि हैवान पिता उसकी जान लेने की प्लानिंग बना रहा है। रास्ते में उसने बेटी को कोकाकोला पीने के लिए दिया लेकिन उसमें वह शराब मिला रखा था। फ्लैट पहुंचते-पहुंचते वैगा नशे के आगोश में चली गई। वहां पहुंचते ही सानू ने वैगा का गला घोंट डाला। हत्या के बाद उसने बेटी के बेजान शरीर को चादर में लपेटा और रात के अंधेरे में उसे ठिकाने लगाने के लिए अपनी कार से निकल गया। उसने अपने और बेटी के फोन को भी नष्ट कर दिया। रात करीब साढ़े 10 बजे के करीब उसने वैगा की लाश को मुट्टार नदी में फेंक दिया।

पुलिस के मुताबिक, सानू ने वैगा की हत्या के बाद फरार होने और नए सिरे से जिंदगी जीने का प्लान बनाया था ताकि वह कर्ज चुकाने से बच जाए। जांचकर्ताओं को भटकाने के लिए उसने खुदकुशी की कोशिश का नाटक तक किया। उसने पुलिस को बताया कि वैगा को मारने के बाद उसने खुद भी जान देने की कोशिश की लेकिन पुलिस जांच में साफ हुआ कि वह झूठी कहानी बना रहा है। इस सनसनीखेज हत्याकांड ने पूरे केरल को हिला दिया था। पुलिस ने 9 जुलाई 2021 को सानू के खिलाफ कोर्ट में 236 पन्नों की चार्जशीट पेश की। उस पर बेटी का अपहरण करने, हत्या करने, सबूत मिटाने, नशीला पदार्थ देने जैसे आरोप तय किए गए। एर्नाकुलम के स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने बुधवार को इस मामले में फैसला सुनाया। कोर्ट ने सानू के खिलाफ लगे सभी आरोपों को सच पाया। अभियोजन पक्ष ने हैवान पिता को फांसी की सजा देने की मांग की लेकिन कोर्ट ने हत्या के जुर्म में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके अलावा बाकी के आरोपों में उसे अलग-अलग कुल 28 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई जिनमें सबसे लंबी सजा 10 साल की है। जज के सोमन ने अपने आदेश में कहा है कि दोषी पहले 28 साल कैद की सजा भुगतेगा और उसके बाद उम्रकैद की सजा होगी। यानी पहले वह उम्रकैद से इतर सबसे लंबी 10 साल की सजा काटेगा और उसके बाद उम्रकैद की सजा शुरू होगी। कोर्ट ने सानू पर 1,70,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। उसने अदालत से इस आधार पर सजा में नरमी की भीख भी मांगी कि उसकी 70 साल की बूढ़ी मां की देखभाल करने वाला कोई नहीं है लेकिन अदालत ने उसकी ये दलील खारिज कर दी।

सानू की अपने क्षेत्र में एक बड़े कारोबारी की पहचान थी लेकिन वह कर्ज पर कर्ज लेता रहा। करोड़ों रुपये का कर्ज चुकाने से बचने के लिए उसने ऐसा खतरनाक प्लान बनाया कि अपने ही हाथों से फूल सी बेटी को मार डाला।

अब उस हैवान पिता की बाकी जिंदगी जेल में बीतने वाली है। अगर पिता ही हैवान बन जाए तो कोई वैगा भला कैसे कहेगी- अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजौ। खैर कोर्ट के फैसले से वैगा की आत्मा को शांति जरूर मिली होगी।

बस्तर के 13 टूरिस्ट प्लेस में उमड़ रही भीड़

जगदलपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। साल के अंतिम सप्ताह में बस्तर पर्यटकों से गुलजार है। यहां के 13 टूरिस्ट प्लेस में पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। एशिया का नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जल प्रपात और तीरथगढ़ की सैर करने हर दिन 5 से 7 हजार पर्यटक पहुंच रहे हैं। पिछले 3 सालों की तुलना में 31 दिसंबर से पहले यह रिकॉर्ड तोड़ भीड़ है। बस्तर की वादियां, झरने, पहाड़ों में ट्रैकिंग और कैंपिंग करना लोग काफी पसंद कर रहे हैं। बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से महज 39 किमी की दूरी पर चित्रकोट जल प्रपात स्थित है। जानकार बताते हैं कि वॉटरफॉल का आकार घोड़े की नाल की तरह है। यहां इंद्रावती नदी का पानी लगभग 90 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरता है। बारिश के दिनों में 7 से ज्यादा धाराएं नीचे गिरती हैं तो वहीं अभी ठंड के समय में 2 से 3 धाराएं गिर रही हैं। जिसकी खूबसूरती देखने और प्रपात के नीचे बोटिंग करने के लिए पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी करीब 6 हजार से ज्यादा पर्यटक यहां पहुंचे थे। इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम कर रखे हैं।

कौन है सुकेश से भी बड़ा ठग मृणांक ?

ऋषभ पंत से लेकर कई बड़े लोगों को लगा चुका है चूना

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कभी आईपीएस अधिकारी, कभी पूर्व रणजी क्रिक्रेटर, कभी आईपीएल में मुंबई टीम का प्लेयर, कभी हरियाणा से अंडर-19 टीम का क्रिकेटर। शौक देश के अलग-अलग फाइव स्टार होटलों में ठहरना। मॉडल्स और लड़कियों के साथ मौजमस्ती करना। वीडियो बनाना और फोटो खींचना। ये पहचान उस शख्स की है जो लोगों को धोखा देने में माहिर है। इस शख्स का नाम है मृणांक सिंह। 25 साल के मृणांक पर ताज होटल में बिल के नाम पर धोखा, मशहूर क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ 1.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने समेत कई आरोप है। आखिरकार हॉन्गकॉन्ग भागने के चक्कर में एयरपोर्ट पर पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

क्रिकेटर बनकर ताज होटल में ठहरा

मृणांक को देश के अलग-अलग फाइव स्टार होटलों में रुकने का शौक है। खास बात है कि वह कई होटल में रहने के बाद वहां के मालिकों और मैनजेरों को गच्चा दे चुका है। होटल में रहने के बाद वह बिना बिल चुकाए ही निकल जाता है। पिछले साल मृणांक के खिलाफ चाणक्य पुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

मृणांक सिंह को 22 से 29 जुलाई, 2022 तक ताज होटल में ठहरने की एवज मेंलगभग 5.5 लाख रुपये का बिल नहीं चुकाने का आरोप है। वह क्रिकेटर बन होटल में ठहरा था। बिल मांगने पर उसने किसी निजी स्पोर्टस वियर कंपनी की तरफ से भुगतान करने का हवाला दिया था। बाद में उसने झांसा दिया कि उसने ऑनलाइन बिल की पेमेंट कर दी है। हालांकि, होटल को यह पेमेंट रिसीव नहीं हुई थी। जब होटल ने फिर से सिंह और उनके मैनेजर गगन सिंह से संपर्क किया तो बताया गया कि क्रिकेटर का ड्राइवर कैश लेकर जाएगा। हालांकि, कोई नहीं आया। इसके बाद सिंह से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन हर बार उन्होंने झूठे वादे किए और गलत जानकारी दी। बाद में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच

के दौरान सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत आरोपी मृणांक सिंह के पते पर एक नोटिस भेजा गया। हालांकि, वह घर पर मौजूद नहीं था। आरोपी के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मृणांक सिंह को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया है। बाद में अदालत की तरफ से मृणांक के खिलाफ एक गैर जमानती वारंट जारी किया गया। देश छोड़कर बाहर भागने की स्थिति में उसे पकड़ने के लिए एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। इस बीच आरोपी को आईजीआई हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है कि वह हॉन्गकॉन्ग के लिए उड़ान भरने की फिराक में था। बाद में इसकी सूचना चाणक्यपुरी थाना पुलिस को दी गई। आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

पहले भी हो चुका है गिरफ्तार

मृणांक सिंह को पहले मुंबई और पंचकुला पुलिस भी लोगों के साथ धोखधड़ी के आरोप में अरेस्ट कर चुकी है। मृणांक ने नॉर्थ कैंपस कॉलेज से बीकॉम किया है। उसने राजस्थान से एमबीए किया था। उसके खिलाफ मुंबई के जुहू, हरियाणा के करनाल और पंजाब के मोहाली में पिछले तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। अडिशनल डीसीपी के मुताबिक उसकी ओर से ठगे गए लोगों की लिस्ट में होटल, बार, रेस्तरां, लड़कियां, कैब ड्राइवर, खाने की छोटी दुकानें और अन्य लोग शामिल हैं।

आरोपी दावा करता था कि 2021 में हरियाणा से रणजी ट्रॉफी में वह खेल चुका है। साथ ही वह 2014 से 2018 तक मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल का हिस्सा रहा था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक उसके मोबाइल की शुरुआती जांच से पता चला कि वह युवा महिला मॉडल्स और लड़कियों से परिचित था। उसके मोबाइल में कई आपत्तिजनक विडियो और फोटो भी मिले हैं।

सीएम बनने के बाद पहली बार जशपुर पहुंचे साय

जशपुरवासियों ने किया भव्य स्वागत, सौरभ सागर द्वार का हुआ लोकार्पण

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सीएम बनने के बाद विष्णुदेव साय पहली बार जशपुर पहुंचे। इस दौरान लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। नगरवासियों ने पुष्प वर्षा से सीएम का स्वागत किया। साय ने खुली जीप में सवार होकर नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सौरभ सागर द्वार का लोकार्पण किया। दीक्षा के बाद जैन आचार्य सौरभ के 28 वर्षों के बाद वर्ष 2012 में जशपुर आगमन के समय उनके प्रवेश द्वार की नींव रखी गई थी। जैन धर्म के संत सौरभ सागर के नाम पर निर्मित इस प्रवेश द्वार का लोकार्पण जशपुर के माटी पुत्र साय के हाथों होने पर नगरवासियों में खुशी की लहर है। जशपुर के कॉलेज रोड में नवनिर्मित सौरभ महाराज द्वार के लोकार्पण स्थल पर मनोरा ब्लॉक के ग्राम चड़िया के उरांव समाज के 8 पुरुष और 21 महिलाओं की ओर से मांदर की थाप पर सुंदर करमा नृत्य कर प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वागत किया। सीएम

का स्वागत करने वालों में पूर्व राज्यसभा सांसद रणविजय सिंह जूदेव पूर्व सांसद राज्यसभा, पूर्व अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग कृष्ण कुमार राय, विधायक जशपुर रायमुनि भगत, विधायक पत्थलगांव, गोमती साय, जिला अध्यक्ष सुनील गुप्ता, आईजी सरगुजा अंकित गर्ग, कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी.रविशंकर आदि शामिल रहे। रणजीता स्टेडियम के समीप स्थापित दिलीप सिंह जूदेव की आदमकद प्रतिमा जिसका मुख्यमंत्री साय माल्यार्पण करेंगें। यहां पर ग्राम कोमड़ो एवं बुमतेल से आए पारंपरिक सरहुल और कर्मा नर्तक दल मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए तैयार हैं।

जशपुरिया माटी अटल सुशासन समारोह में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टालों में छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई है एवं विभिन्न उत्पादों को अवलोकनार्थ रखा गया है।

न्योता मिला तो जाएंगे

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होना चाहते है हेमंत सोरेन

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में अगले साल 22 जनवरी को राम मंदिर की भव्य प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सियासत से लेकर खेल जगत के बड़े-बड़े हस्तियों को न्योता दिया गया है। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने इस कार्यक्रम में शामिल होने से साफ मना कर दिया है। इसी बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें निमंत्रण दिया जाएगा, तो वह राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में जरूर शामिल होंगे। हेमंत सोरेन ने बताया कि उन्हें अभी तक इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्योता नहीं भेजा गया है।

हेमंत सोरेन ने जताई कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छा

झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के चार साल पूरे होने पर मीडिया से बात करते हुए सीएम सोरेन ने कहा, 'राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के लिए मुझे अभी तक कोई न्योता नहीं दिया गया है। लेकिन अगर मुझे न्योता मिलता है तो मैं जरूर उसमें शामिल होने जाउंगा।' उन्होंने बताया कि वह एक धार्मिक व्यक्ति है और मंदिरों व धार्मिक स्थानों पर जाते रहते हैं।

ईडी द्वारा समन जारी करने पर उन्होंने कहा, कोई भी सच छिपा नहीं सकता है। पूरा देश देख रहा है, और इसपर मैं कुछ कहना नहीं चाहता हूं। सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने चार साल पूरे कर लिए है, लेकिन विपक्ष इसे अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'हम आदिवासी है, बेवकूफ नहीं।' हमें मालूम है कि विपक्ष से कैसे निपटना है।

स्टील प्लांट के मटेरियल डिपार्टमेंट में आग

भिलाई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भिलाई स्टील प्लांट के मटेरियल डिपार्मेंट (आरएमपी-2) में गुरुवार तड़के भीषण आग लग गई। जिस समय आग लगी वहां पर 35 से अधिक अधिकारी कर्मचारी कम कर रहे थे। गनीमत रही कि सभी वहां से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। बताया जा रहा है डीजल लीकेज के बीच वेल्डिंग का काम चल रहा था। इस दौरान चिंगारी से भड़की आग तेजी से फैल गई। कर्मचारियों ने इसकी सूचना तत्काल सीआईएसएफ और सुरक्षा विभाग को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। आग लगने का कारण रॉ मटेरियल मिक्सिंग के लिए बने बंकर के ऊपर ऑयल लीकेज होना बताया जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि वहां पर कहीं से ऑयल लीकेज हो रहा था। उस ओर किसी का ध्यान नहीं गया। वहीं पर वेल्डिंग का काम शुरू कर दिया गया। वेल्डिंग की चिंगारी की वजह से वहां आग लग गई। प्रबंधन की उच्च अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

ट्रक की चपेट में आया इंजीनियरिंग छात्र, मौत

धनबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में एक 23 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। छात्र की पहचान सिंदरी अविनाश प्रियदर्शी के तौर पर की गई है जो बिसरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष का छात्र था। बुधवार की शाम साढ़े सात बजे के करीब मोटरसाइकिल पर वह अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था, तभी कांद्रा के पास उसकी बाइक फिसल गई। बाइक के फिसलने के कारण वह सड़क पर गिर गया और तभी विपरित दिशा से आ रहा एक ट्रक ने उसे कुचल दिया। घटना की जानकारी पाकरलड़के के रिश्तेदार और कॉलेज के छात्र दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने वहां सड़क जाम कर ट्रक चालक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद रात के करीब 11:40 बजे जाम हटा लिया गया। शव को पोस्ट मॉर्टम के लिए भेजा गया और उसके अंतिम संस्कार के लिए 75,000 रुपये दिए गए।

छत्तीसगढ़ में 5 नए कोरोना मरीज मिले

जगदलपुर में 2 जवान संक्रमित, रायगढ़ में 2, रायपुर में 1 मरीज की पहचान, 19 एक्टिव केस

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बुधवार को कोरोना के 5 नए मामले मिले हैं। रायगढ़ में 2, जगदलपुर में 2 जवान संक्रमित हैं। रायपुर में 1 में भी एक मरीज की पहचान हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने कुल 3346 लोगों की जांच की थी। इससे पहले जांच में 5 संक्रमित मरीज मिलें थे। वर्तमान में प्रदेश में 19 एक्टिव केस हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर 0.15% है। सर्दी खांसी बुखार या कोरोना से संबंधित कुछ लक्षण नजर आते हैं, तो अपने नजदीकी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करवा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी हेल्थ सेंटर में कोरोना संक्रमण की

जांच की व्यवस्था की गई है।

कोरोना का नया वैरिएंट जेएन.1 देश के 8 राज्यों में फैल चुका है। अब तक देशभर में इसके कुल 110 केस मिले हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 36 गुजरात में दर्ज किये गए हैं। महाराष्ट्र में इस वैरिएंट के 10 और दिल्ली मे 1 केस मिले हैं। देश में पिछले 24 घंटे में इस वैरिएंट के 41 मरीज मिले हैं। इधर, देशभर में कोरोना के रोजाना 400 से 600 केस आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 617 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई, 603 मरीज ठीक हुए और 3 की मौत हुई है। इससे पहले सोमवार को 638, जबकि मंगलवार को 412 नए मरीज मिले थे। देश में कुल एक्टिव केस की संख्या 4181 हो गई है। यानी इन मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें से केरल में सबसे ज्यादा 353, कर्नाटक में 74 और महाराष्ट्र में 124 संक्रमित हैं। फरवरी 2020 में देश में पहला कोरोना पॉजिटिव पाया गया था।

तब से अब तक देश में 4.50 करोड़ लोग इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। 4.44 करोड़ ठीक हुए हैं। जबकि 5.33 लाख की मौत हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में हैं। नया वैरिएंट आने के बाद भी हॉस्पिटलाइजेशन रेट में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मिले विदेश मंत्री जयशंकर

पुतिन ने पीएम मोदी को रूस आने का न्योता दिया, कहा- उनसे यूक्रेन जंग पर चर्चा करूंगा

मास्को, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के दौरे पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने यूक्रेन जंग समेत अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले साल रूस आने का न्योता दिया है।

पुतिन ने जयशंकर से कहा- हमें अपने दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस में देखकर अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में काफी उथल-पुथल चल रही है इसके बावजूद रूस और भारत के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। भारत के लोग तेजी से विकास कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन जंग की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई बार जानकारी दी है। उन्होंने कहा- मैं जानता हूं कि मोदी इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं। मैं उनके साथ मिलकर इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहता हूं। पुतिन ने विदेश मंत्री से कहा- अगले साल आम चुनाव के चलते भारत का कैलेंडर का व्यस्त लग रहा है। हालांकि, कोई भी जीते रूस और भारत के रिश्ते स्थिर रहेंगे।

पुतिन बोले- भारत से बेहतर हो रहे रिश्ते

जयशंकर रूस में भारत के राजदूत भी रह चुके हैं। बुधवार को राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, भारत-रूस संबंध, कारोबार और यूक्रेन के मुद्दे पर भारत के रुख की चर्चा हुई। रूस ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच कारोबार केवल तेल, कोयला और ऊर्जा से संबंधित उत्पादों तक ही सीमित नहीं है बल्कि हाइटेक मामलों में भी संबंध आगे बढ़ रहे हैं। पुतिन ने कहा- हमें ये बताते हुए खुशी हो रही है कि मौजूदा समय में दुनिया में चल रही अशांति के बीच एशिया में हमारे दोस्त भारत और वहां के लोगों के साथ संबंध बेहतर हो रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र संघ के सुरक्षा परिषद में भारत की परमानेंट सीट होने का समर्थन किया। उन्होंने कहा- भारत ने जी20 की अध्यक्षता कर अपने विदेश नीति की ताकत को साबित कर दिया। इससे पहले जयशंकर ने मंगलवार को मॉस्को में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की थी। जयशंकर ने कहा था- पिछले 70-80 दशकों में रूस और भारत में कई तरह के बदलाव हुए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीति भी बदली, लेकिन दोनों देशों के बीच का कनेक्शन स्थिर रहा। भारतीय समुदाय से विदेश मंत्री ने कहा- मेरे लिए जो बात दोनों देशों के संबंध को खास बनाती है वो यह है कि 1950 के दशक के बाद, पिछले 70-80 सालों में दुनिया में कई बड़े बदलाव आए। सोवियत संघ रूस में बदल गया।

भारत ने भी अलग-अलग क्षेत्रों में विकास किया। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ भारत-रूस के रिश्ते ही ऐसे हैं, जिसमें कोई बदलाव नहीं आया। इस साल यह 7वीं बार है जब भारत-रूस के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात हुई है। इससे पहले जी20 समिट के वक्त भी दोनों नेता मिले थे। तब रूस के राष्ट्रपति की जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

रूस के दौरे पर खुद क्यों नहीं गए पीएम मोदी?

ये दूसरी बार है, जब भारत-रूस के बीच एनुअल समिट में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल नहीं हुए। दरअसल, दोनों देशों के बीच हर साल वार्षिक सम्मेलन होता है। इस दौरान एक देश के लीडर दूसरे देश का दौरा करते हैं। समिट का वेन्यू एक बार भारत और एक बार रूस होता है।

रूस-भारत में अब तक 21 एनुअल समिट हो चुकी हैं। आखिरी समिट 2021 में हुई थी, जब पुतिन भारत के दौरे पर आए थे। 2022 में यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पीएम मोदी रूस के दौरे पर नहीं गए। इसके बाद इस साल सितंबर में रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जी20 के लिए भारत नहीं आए थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के प्रतिबंधों को झेल रहे रूस का दौरा न करके पीएम मोदी पश्चिम को संकेत दे रहे हैं, जबकि जयशंकर का दौरा रूस के लिए संकेत है कि दिल्ली ने अपने पुराने रणनीतिक पार्टनर को छोड़ा नहीं है। पिछले साल ब्लूमबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियार इस्तेमाल करने की व्लादिमिर पुतिन की धमकियों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में होने वाला सम्मलेन कैंसिल कर दिया था।

इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी को 11 जनवरी तक राहत

सिफर मामले में ट्रायल पर अदालत की रोक

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को अदालत से राहत मिली है। कोर्ट ने मुकदमे के ट्रायल पर 11 जनवरी तक रोक लगा दी है। दोनों सरकार से जुड़ी गुप्त बातें लीक करने और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में जेल में बंद हैं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद कमरे में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी। 71 वर्षीय इमरान खान की याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने यह आदेश पारित किया।

11 जनवरी तक कार्रवाई पर रोक

गुरुवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूछा कि जब निर्देश खुली अदालत में सुनवाई का है तो बंद कमरे में सुनवाई क्यों हो रही है? अदालत ने संघीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर सुनवाई पर 11 जनवरी तक रोक लगा दी। गौरतलब है कि गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई विशेष अदालत में हो रही है। अदालत ने इस महीने की शुरुआत में सुनवाई के बाद आरोपियों को 13 दिसंबर को दोषी ठहराया। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पिछली कार्यवाही को रद्द करते हुए 23 अक्तूबर के आदेश में कहा था कि जेल में मुकदमे के ट्रायल के दौरान उचित प्रक्रिया नहीं अपनाई गई थी।

राजनयिक दस्तावेज़ के कथित दुरुपयोग का मामला

इससे पहले मीडिया की उपस्थिति में खुली अदालत में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के आदेश में उजागर विसंगतियों को ठीक करने के बाद नया मुकदमा चलाया गया। हालांकि, बाद में अदालत ने मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर बंद कमरे में कार्यवाही की सरकार की अपील स्वीकार कर ली। पिछले साल मार्च में पाकिस्तान दूतावास की तरफ से भेजे गए राजनयिक दस्तावेज़ के कथित दुरुपयोग मामले में पूर्व पीएम इमरान और उनके करीबी पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ मुकदमा जारी है।

बता दें कि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने इसी साल 15 अगस्त को मामला दर्ज किया था। जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपियों ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सिफर यानी गुप्त राजनयिक केबल का फायदा उठाने की कोशिश की। इससे देश के गुप्त कानूनों का उल्लंघन हुआ है। सिफर मामले में इमरान खान और कुरैशी दोनों को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी। दोनों के खिलाफ दर्जनों कानूनी मामले दर्ज हैं। ऐसे में इमरान और कुरैशी अभी भी सलाखों के पीछे ही हैं।

पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के बीच जानना जरूरी है कि अप्रैल 2022 में पाकिस्तान की संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। सत्ता से बेदखल होने के बाद इमरान और उनके समर्थकों के खिलाफ 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

भ्रष्टाचार और खराब कानून-व्यवस्था के कारण कठघरे में सीएम हेमंत सोरेन

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार को भाजपा ने कठघरे में खड़ा किया है। प्रदेश भाजपा ने गुरुवार को 20 पन्नों का 'आरोप पत्र' जारी किया। भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने कहा, झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार का कार्यकाल भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और अधूरे वादों से भरा है। भाजपा ने सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने के लिए आरोप पत्र जारी किया है। हेमंत सोरेन की सरकार के चार साल पूरे होने से पहले राजधानी रांची में 'चार्जशीट' जारी करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा, झामुमो ने राज्य में महिलाओं और आदिवासियों को लुभाने के लिए कई वादे किए। पांच लाख नौकरियां और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा भी किया, लेकिन वादे पूरे नहीं किए गए।

फ्रांस में रुके 25 भारतीय भी लौटेंगे

कोर्ट ने शरण मांगने की अर्जी खारिज की, कहा- बॉर्डर पुलिस ने तय समय में जानकारी नहीं दी

पेरिस, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मानव तस्करी के आरोप में फ्रांस में रोके गए 303 भारतीयों में 276 मंगलवार (26 दिसंबर) को भारत लौट आए थे। अब बाकी बचे 25 भारतीयों को भी वापस भारत भेजा जाएगा। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इन 25 भारतीयों ने फ्रांस में शरण मांगी है और वो वहीं रुक गए हैं।

न्यज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, इन लोगों को भी फ्रांस के जज ने बुधवार को आजाद कर दिया। इन लोगों को औपचारिक आधार पर छोड़ा गया है। पेरिस के जज ने कहा- फ्रांस के चार्ल्स द गॉल एयरपोर्ट पर बॉर्डर पुलिस ने समय रहते कोर्ट में मामले की जानकारी नहीं दी।

समय सीमा समाप्त होने की वजह से 25 भारतीयों को मुक्त कर दिया गया। इन्हें फ्रांस में पॉलिटिकल असायलम नहीं मिल सकेगा। इनमें वो 2 लोग भी शामिल हैं, जिन पर मानव तस्करी का आरोप लगा था। दोनों लोगों को आरोपों से मुक्त कर दिया गया है। जिन लोगों को छोड़ा गया है, उनमें 5 नाबालिग हैं। इन्हें चाइल्ड वेल्फेयर सर्विस को सौंपा गया है। दूसरी तरफ, मुंबई के स्पेशल आईजीपी (इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) दीपक पांडे ने मानव तस्करी के आरोपों की जांच करने का आदेश दिया है। उन्होंने सीआईएसएफ ने भी पैसेंजर्स से पूछताछ के संबंध में मुंबई पुलिस को 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। दरअसल, 22 दिसंबर को दुबई से निकारागुआ जा रहे भारतीय नागरिकों वाला विमान वाट्री एयरपोर्ट पर ईंधन भरने के लिए उतरा था। इस दौरान फ्रांस के अधिकारियों को सूचना मिली कि इसमें मानव तस्करी के पीड़ितों को ले जाया जा रहा है, जिसके बाद फ्लाइट को उड़ान भरने से रोक दिया गया था।

फ्रांस ने मानव तस्करी के मामले में जांच बंद की

फ्रेंच न्यूजपेपर ला मोंड की रिपोर्ट के मुताबिक दुबई से फ्रांस पहुंचने वाली फ्लाइट में लोग अपनी मर्जी से आए थे। इसलिए फ्रांस की पुलिस ने मानव तस्करी के एंगल से मामले की जांच बंद कर दी है। अब इसे इमिग्रेशन के कानूनों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है।

सड़क हादसे में भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत पर चालक को जेल

आठ साल के लिए ड्राइविंग लाइसेंस रद्द

सिंगापुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर में एक मिनी बस चालक को खराब ड्राइविंग रिकॉर्ड और भारतीय मूल के मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मारने मामले में गुरुवार को चार महीने की जेले की सजा सुनाई गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सप्रेस-वे में भारतीय मूल के मोटरसाइकिल चालक को मिनी बस चालक द्वारा टक्कर मारी गई थी, जिसके कारण व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मलय मूल के आरोपी मुहम्मद हेयरुलजात सलेह को खराब ड्राइविंग रिकॉर्ड के चलते एक व्यक्ति की मौत का दोषी ठहराया गया है।

बता दें 2021 में 57 वर्षीय भारतीय मूल के सत्यदेव रामानुज की मौत हो गई थी। जेल की सजा सुनाते वक्त अदालत ने कहा कि जेल से रिहा होने पर आठ साल के लिए सभी श्रेणियों के ड्राइविंग लाइसेंस रखने या लेने से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

कई मामलों में आरोपी को पाया गया दोषी

मामले में उप लोक अभियोजक पवित्रा रामकुमार ने कहा कि सलेह के पिछले अपराधों में लापरवाही से गाड़ी चलाना, चोट पहुंचाना, सड़क से जुड़े कानूनों को नजरअंदाज करना, गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करना शामिल हैं। अभियोजक ने कहा कि 13 मार्च, 2021 को हुए हादसे के वक्त सलेह को बस सेवा देने वाली कंपनी ऑरोरा वर्ल्ड में नियुक्त किया गया था।

इंडोनेशिया के रोहिंग्या रिफ्यूजी कैम्प में घुसे स्टूडेंट्स

कहा- शरणार्थियों के वजह से हम भूखे मर जाएंगे, बच्चों को लेकर भागते दिखे रिफ्यूजी

जकार्ता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के बांदा एचे शहर में बुधवार रात रोहिंग्या रिफ्यूजियों के शेल्टर होम पर सैकड़ों लोगों हमला बोल दिया। भीड़ में ज्यादातर स्टूडेंट्स थे। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पुलिस ने बमुश्किल रोहिंग्या शरणार्थियों को बचाया।

स्टूडेंट्स का आरोप है कि राष्ट्रपति जोको बिडोडो की सरकार रोहिंग्याओं के खिलाफ कोई एक्शन नहीं ले रही है और इसकी वजह से इंडोनेशिया के लोगों के सामने भूख से मरने का खतरा पैदा हो रहा है।

वापस भेजने की मांग

भीड़ ने सरकार से कहा कि रोहिंग्याओं को फौरन उनके देश म्यांमार भेजा जाए। ये लोग हाथ में बैनर लिए थे। एक बैनर पर लिखा था- जिन लोगों को अपने देश में जगह नहीं मिल रही है, उन्हें हम क्यों रखें। भीड़ को खुद की तरफ बढ़ते देख रोहिंग्या शरणार्थी भागने लगे। कई लोगों के तो बच्चे तक पीछे छूट गए। बाद में पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए भीड़ को खदेड़ दिया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक- ज्यादातर रोहिंग्याओं को अलग-अलग जगह शिफ्ट किया जा रहा है। हाल के दिनों में इंडोनेशिया में इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। राष्ट्रपति बिडोडो का कहना है कि साल के इस वक्त समंदर शांत रहता है, इसलिए रोहिंग्या हमारे देश में आते हैं। सबसे बड़ा खतरा ह्यूमन ट्रैफिकिंग का है। हमने इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन्स से मदद मांगी है। यूएन की एक एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक- नवंबर से अप्रैल के बीच समंदर में ज्यादा हलचल नहीं होती। इसका फायदा उठाकर रोहिंग्या दूसरे देशों की तरफ रुख करते हैं। इनके पास सिर्फ लकड़ी की बोट्स होती हैं। कई बार हादसे होते हैं और ये लोग मारे जाते हैं। इंडोनेशिया के बांदा एचे राज्य के एक समुद्री किनारे पर पिछले महीने 250 रोहिंग्या लकड़ी की नाव से पहुंचे। स्थानीय लोगों ने उनके साथ बदसलूकी की। दो बार इन लोगों ने वहां रुकने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। इंडोनेशियाई लोगों ने इन्हें उसी लकड़ी की नाव के जरिए गहरे समंदर के सफर पर भेज दिया। कई दिनों बाद इन लोगों की लोकेशन मिल सकी थी। उत्तरी एचे के लोगों का कहना है कि रोहिंग्या रिफ्यूजियों ने तीन हफ्ते पहले बांग्लादेश से सफर शुरू किया था और इसके बाद यहां पहुंचे थे। इस बोट में कई महिलाएं और बच्चे थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक- जैसे ही रोहिंग्या मुस्लिमों से भरी बोट किनारे पहुंची तो स्थानीय लोग जुट गए। इन्होंने रिफ्यूजियों से कहा कि वो फौरन जहां से आए हैं, वहीं लौट जाएं।

इसके बाद कुछ झड़प भी हुई। कुछ रोहिंग्या इतने थके थे कि वो वापसी के लिए बोट में तो बैठ गए, लेकिन कुछ दूरी पर एक और किनारे पर जाकर आराम करने के लिए लेट गए। स्थानीय लोग यहां भी पहुंच गए और उन्हें जबरदस्ती लकड़ी की उसी नाव में बिठा दिया। इसके बाद इस नौका को समंदर में भेज दिया गया। हर साल म्यांमार से भगाए गए रोहिंग्या शरणार्थी इसी तरह अलग-अलग देशों में पनाह लेने की कोशिश करते हैं। इनमें से कई की सफर के दौरान मौत की खबरें इंटरनेशनल मीडिया में आती रही हैं।

निज्जर हत्या मामला, भारत की भूमिका का खुलासा करेगा कनाडा

दावा- 2 आरोपी गिरफ्तार होंगे, पुलिस ने महीनों तक इनकी निगरानी की

ओटावा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने 2 आरोपियों की पहचान कर ली है। कनाडाई मीडिया ग्लोब एंड मेल में अपनी रिपोर्ट बताया कि कुछ हफ्तों के अंदर दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों आरोपियों पर चार्जशीट दायर होने के बाद हत्या की साजिश में भारत सरकार की भूमिका का खुलासा किया जाएगा। ग्लोब एंड मेल की रिपोर्ट में बताया गया है कि 18 जून को निज्जर की हत्या के बाद से दोनों आरोपी एक बार भी कनाडा से बाहर नहीं गए हैं।

भारत बोला- कनाडा से मिली जानकारी की जांच करेंगे

कनाडा की पुलिस पिछले कई महीनों से दोनों संदिग्धों की निगरानी कर रही है, जिसके बाद अब उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं भारत सरकार ने कहा है कि निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने जो जानकारी साझा की है, उसकी जांच की जाएगी।

दरअसल, 18 सितंबर को कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने अपनी संसद में भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। भारत ने शुरुआत से ही कनाडा के आरोपों को खारिज किया है।

हालांकि, विदेश मंत्रालय ने मामले में कनाडाई सरकार से आरोप और पुख्ता जानकारी देने की मांग की थी। मंत्रालय ने कहा था कि वो जानकारी के आधार पर जांच करने के लिए तैयार है। ट्रूडो अब तक कई मंचों पर अपने आरोपों को दोहरा चुके हैं।

ट्रूडो ने निज्जर मामले में कई बार दोहराए आरोप

यूएन जनरल असेंबली के सेशन के लिए जब कनाडाई प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क पहुंचे थे, तब भी उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा था- हम भारत सरकार से निज्जर की हत्या की जांच में सहयोग की मांग करते हैं, ताकि मामले की सच्चाई सामने आ सके।

कनाडा में मौजूद भारतीय हाई कमिश्नर संजय वर्मा ने न्यूज चैनल सीटीवी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा था- निज्जर की हत्या की जांच हुए बिना ही भारत को दोषी ठहरा दिया गया। इन सबके बाद भारत से जांच में सहयोग करने को कहा गया।

इस बीच अमेरिका ने भी भारत के एजेंट पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगाया है। मामले में 29 नवंबर को न्यूयॉर्क पुलिस की चार्जशीट सामने आई थी। इसमें भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। इसमें लिखा है- भारत के एक पूर्व सीआरपीएफ अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था।

भारत ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी का भी गठन किया है। दूसरी तरफ, चेक रिपब्लिक की जेल में बंद आरोपी निखिल गुप्ता को कॉन्सुलर मदद दी जा रही है।

18 जून 2023 की शाम कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित गुरुद्वारा की पार्किंग में खालिस्तान टाइगर फोर्स के चीफ आतंकी हरदीप सिंह निज्जर पर दो युवकों ने फायरिंग कर दी थी। निज्जर की मौके पर ही मौत हो गई। निज्जर को भारत ने भगोड़ा घोषित कर रखा था और इस पर 10 लाख रुपए का इनाम भी था।

इजराइल पर आरोप-फिलिस्तीनी बच्चों को निर्वस्त्र कर हिरासत में लिया

तेल अवीव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजा में इजराइली डिफेंस फोर्स आईडीएफ ने फिलिस्तीनी पुरुषों और 2 बच्चों को निर्वस्त्र करके हिरासत में लिया। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के हवाले से ये जानकारी दी। वीडियो में एक फुटबॉल स्टेडियम में फिलिस्तीनी हाथ पीछे बांधे, आधे कपड़ों में बैठे नजर आ रहे हैं। इनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। कुछ लोगों की आंखों पर पट्टी भी बंधी हुई है। वीडियो के कुछ हिस्सों में इन लोगों के हाथ सिर के ऊपर हैं और इजराइली सैनिक इन्हें ले जाते दिख रहे हैं। सीएनएन के मुताबिक, ये वीडियो गाजा के यारमोउक स्टेडियम का है। यहां एक एनजीओ यूरो-मेडिटेरेनियन ह्यूमन राइट्स मॉनिटर को लोगों के हिरासत में लिए जाने की जानकारी मिली है।

वीडियो के कुछ हिस्से में महिलाएं भी हिरासत में नजर आ रही हैं। फिलिस्तीनी महिलाएं पूरे कपड़ों में हैं और उनकी आंखों पर पट्टी है। स्टेडियम में इजराइली झंडा भी लगा हुआ है। मामले की पुष्टि करने के लिए सीएनएन ने इजराइली सेना से भी संपर्क किया।

बातचीत की आड़ में कबायली इलाकों पर कब्जे की फिराक में था अफगान

पाकिस्तान के शीर्ष अधिकारी का दावा

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक शीर्ष अधिकारी ने अफगानिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के उन दावों का जोरदार खंडन किया है, जिसमें कहा गया कि पाकिस्तान अंतिम समय में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ समझौते से पीछे हट गया। साथ ही दावा किया कि आतंकवादी संगठन की अनुचित और असंवैधानिक मांगों के कारण वार्ता असफल हुई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अधिकारी ने कहा कि बातचीत की आड़ में प्रतिबंधित टीटीपी आतंकवादी समूह अफगान तालिबान के मौन समर्थन के साथ पूर्व जनजातीय क्षेत्रों के भीतर अपना साम्राज्य स्थापित करने का लक्ष्य बना रहा था। पिछले हफ्ते तेहरान में फलस्तीन सम्मेलन में अफगान अंतरिम विदेश मंत्री मुत्ताकी और पाकिस्तान के सीनेटर मुशाहिद हुसैन सैयद के बीच एक अनौपचारिक आदान-प्रदान के दौरान, तालिबान नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और टीटीपी के बीच अधिकांश मुद्दों को 2022 में हल कर लिया गया था।

उन्होंने तर्क दिया कि विवाद का एकमात्र मुद्दा पूर्व संघीय प्रशासित जनजातीय क्षेत्रों (एफएटीए) के विलय के बारे में था। मुत्ताकी के अनुसार, पाकिस्तान तब पीछे हट गया जब दोनों पक्ष एक समझौते को अंतिम रूप देने के कगार पर थे। हालांकि, इस मामले से परिचित इस शीर्ष रैंकिंग पाकिस्तानी अधिकारी ने मुत्ताकी के बयान को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अफगान राजनयिक की बात में सच्चाई की कमी है। अधिकारी ने इस विषय की संवेदनशीलता के कारण नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि टीटीपी की अनुचित और असंवैधानिक मांगों के कारण बातचीत सफल नहीं हुई। साथ ही उन्होंने दावा किया कि बातचीत की आड़ में आतंकवादी समूह कबायली इलाकों के कुछ हिस्सों को नियंत्रित करने की कोशिश में लग गया था। द्विपक्षीय संबंधों में मौजूदा गतिरोध के लिए अफगान तालिबान सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए अधिकारी ने कहा कि क्या हमें अपना क्षेत्र इन आतंकवादियों को सौंप देना चाहिए, बिल्कुल नहीं।

महामंथन के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर फिर चर्चा तेज

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार कब होगा ? इसको लेकर राजनीतिक गलियारों से लेकर ब्यूरोक्रेसी और आम जनता के बीच में भी ये चर्चा का विषय है. मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार लंबा होता जा रहा है. इस बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, सह प्रभारी विजया राहटकर और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंच कर मुलाकात की. 3 घंटे चली इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं. माना जा रहा है कि डिनर के साथ हुई इस मुलाकात में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा हुई है.

इस दिन मंत्रिमंडल विस्तार संभव : प्रदेश में भाजपा सरकार बने लगभग 25 दिन पूरे होने को है. वहीं, मुख्यमंत्री को शपथ लिए हुए भी 15 दिन पूरे होने वाले हैं. ऐसे में अब तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं होने पर कांग्रेस तो सवाल उठा ही रही है, साथ ही आम जनता और ब्यूरोक्रेसी में भी इसी बात की चर्चा है कि कब सीएम अपनी टीम सामने लेकर आएंगे. हालांकि, अब इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात हुई है. 3 घंटे की इस लंबी मुलाकात के बाद माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के लिए जो सूची तैयार की गई है, उस पर जाति और क्षेत्रीय संतुलन के साथ अंतिम चर्चा हो चुकी है. अब शुक्रवार या शनिवार को मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है. बता दें कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली दौरे के बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें लगाई जा रही हैं. इस बीच राजभवन में भी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है. राजभवन परिसर में मंत्रिमंडल विस्तार समारोह को लेकर पांडाल तैयार कर लिया गया है. माना जा रहा है कि अगले एक-दो दिन में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है.

कोटा की सपना प्रजापति की पीएम मोदी ने सुनी कहानी, जमकर की प्रशंसा

कोटा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा की सपना प्रजापति के जीवन में आए भारी बदलाव की कहानी पीएम नरेंद्र मोदी ने सुनी। कहानी सुनने के बाद पीएम मोदी ने सपना प्रजापति की जमकर सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा शहरी के तहत हाट बाजार परिसर में आयोजित वर्चुअल लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश में एकमात्र चयनित लाभार्थी कोटा निवासी महिला सपना प्रजापति से वीसी के माध्यम से संवाद किया। पीएम मोदी ने लाभार्थी सपना से पूछा किस तरह उन्होंने स्वरोजगार की ओर कदम बढाया और इससे जीवन में क्या बदलाव आया। उनकी पारिवारिक स्थिति के बारे में जाना और पूछा कि किस-किस सरकारी योजना का उन्होंने लाभ लिया है। प्रधानमंत्री को सपना ने शहरी आजीविका मिशन, पीएमईजीपी, पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से स्वरोजगार शुरू करके और अपना व साथ काम करने वाली लगभग 40 महिलाओं के जीवन में आए बदलाव की कहानी सुनाई, जिसकी पीएम ने खुलकर सराहना की। उनके आत्मनिर्भर होने व उनके आत्मविश्वास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पीएम मोदी ने कामकाज में ऑनलाइन कैशलेस लेन-देन के बारे में पूछा तो सपना ने बताया कि वह 95 प्रतिशत लेनदेन ऑनलाइन करती हैं तो पीएम ने ताली बजाकर प्रशंसा की। पीएम मोदी ने पूछा कि मोटे अनाज को बढावा देने के लिए क्या कर रही हैं। साथ ही, पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। पीएम ने उपस्थित अन्य स्वरोजगारी महिलाओं का भी हाथ हिलाकर अभिवादन कर उनका हौसला बढ़ाया। केशवपुरा में रामजानकी मंदिर के पास रहने वाली सपना प्रजापति एक सामान्य से परम्परागत कुम्भकारी व्यवसाय से जुड़े परिवार की बहू हैं। कुछ साल पहले जब उन्होंने स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाया तो फिर कारवां बढ़ता ही गया। उन्होंने शुरू में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के जरिए ऋण लेकर सिलाई मशीन खरीदी और कपड़े सिलने का काम शुरू किया। कोरोना काल में मास्क बनाए तो काम का दायरा और भी बढ़ गया, महिलाएं जुड़ती चली गई। अब पीएम स्वनिधि योजना का भी लाभ लिया है।

पीएम के साथ लाभार्थियों के संवाद कार्यक्रम देखकर वे सोचती थी कि एक दिन वह भी पीएम तक अपनी बात पहुंचाएं और उनसे बातचीत करने का मौका मिले, सपना का यह सपना जल्द ही पूरा हो गया। पीएम से संवाद के बाद खुशी से झूमती हुई सपना बोली कि आज का दिन हम सब महिलाओं के लिए मानो दीपावली जैसा है।

अशोक गहलोत की राह पर सचिन पायलट !

छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाए जाने पर बोले 'मैं थां सू दूर कोनी'

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभारी महासचिव बनाए जाने पर पहली बार मीडिया से रूबरू होते हुए पूर्व सीएम अशोक गहलोत की शैली में जवाब दिया। श्रीगंगानगर के डूंगरगढ़ में पायलट ने कहा कि 'जहां तक राजस्थान से बाहर जाने की बात है तो मैं यह बताना चाहता हूं कि मैं थां सू दूर कोनी।' उन्होंने कहा कि यह सबको समझना है कि यहां पर हम सब लोग लंबे समय से मिलकर काम करते आए हैं। यह हमारी कर्म भूमि रही है। जब तक राजनीति में काम करेंगे तो राजस्थान के लोगों की सेवा करते रहेंगे। बता दें कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने से पहले अशोक गहलोत ने संगठन महामंत्री बनाया गया था। तब कहा जा रहा था कि गहलोत अब दिल्ली में ही काम करेंगे। तब उन्होंने कहा था कि 'मैं थांसू दूर नहीं'।

पायलट ने कहा कि पार्टी में अलग अलग नेताओं को समय समय पर अलग अलग जिम्मेदारियां दी जाती रही हैं। जिस तरह से पहले भी केंद्र में जिम्मेदारी दी गई थी जब वे सांसद रहे और केंद्रीय मंत्री भी बने। बाद में राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाई थी। अब पार्टी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ के प्रभारी महासचिव के नाते बड़ी जिम्मेदारी दी है। इस जिम्मेदारी को भी वे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

विपक्ष को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता

सांसद से बड़ी संख्या में सांसदों के निलंबन मामले पर बोलते हुए सचिन पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष को कभी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। आजादी के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ जब इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को निलंबन किया गया हो। यह लोकतंत्र की हत्या के समान है। पायलट ने कहा कि कोई भी सरकार हो, चाहे उसे कितना ही बहुमत मिले लेकिन घमंड कभी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार को इतना घमंड हो गया है कि विपक्ष की बात नहीं सुनी जा रही है। अपनी बात रखने पर उन्हें सस्पेंड कर दिया जाता है।

सरकार रिपीट नहीं होना बड़ी चिंता की बात

सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार ने बेहतरीन काम किया था। प्रदेश की जनता को बहुत अच्छी योजनाएं दी। इसके बावजूद भी विधानसभा चुनाव में हार मिलना बड़ी चिंता की बात है। पायलट ने कहा कि हम सब ने मिलकर खूब प्रयास किए और हमें पूरा विश्वास था कि हम सरकार रिपीट करने जा रहे हैं। इसके बावजूद भी हम सरकार रिपीट नहीं करा पाए।

पार्टी में कोई झगड़ा नहीं

सचिन पायलट से पूछा गया कि क्या पिछले चार पांच साल तक राजस्थान में गहलोत और पायलट के बीच चले सियासी झगड़े के कारण कांग्रेस को नुकसान हुआ। इसका जवाब देते हुए पायलट ने कहा कि ऐसी बातें विपक्ष के लोग कर रहे हैं। उनके पास और कोई मुद्दा नहीं बचा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक बड़ा परिवार है। छोटी छोटी बातें होती रहती है लेकिन विधानसभा चुनाव हम सब ने मिलकर लड़ा। किसी भी नेताओं के बीच कोई झगड़ा नहीं है।

मंत्रिमंडल का गठन नहीं होने से काम अटके

पायलट ने कहा कि राजस्थान में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया। इसके बावजूद भी 25 दिन बाद तक मंत्रिमंडल का गठन नहीं होना दुर्भाग्य की बात है। इससे जनता के काम अटके हुए हैं। अक्टूबर में जब प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लगी थी। तब से काम अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का गठन नहीं किए जाने के पीछे कोई बड़ा कारण नजर नहीं आ रहा। फिर भी भाजपा मंत्रिमंडल का गठन नहीं कर रही है। इससे जनता में गलत प्रभाव जाता है।

नए मुख्य सचिव के नाम पर अब भी सस्पेंस बरकरार

सीनियर अफसर को सौंपा जा सकता है चार्ज

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में ब्यूरोक्रेसी का नया चेहरा कौन होगा इस पर अब भी सस्पेंस बरकरार है। कहा जा रहा है कि ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसे में नए मुख्य सचिव के पद पर किसी सीनियर को चार्ज सौंपा जा सकता है।

फिलहाल उषा शर्मा के बाद सबसे सीनियर अफसर सुबोध अग्रवाल हैं लेकिन इनका नाम जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर चर्चाओं में है। ऐसे में देखना होगा कि क्या सरकार इन्हें चार्ज देगी? वहीं राजेश्वर सिंह दूसरे सीनियर मोस्ट आईएएस हैं जिन्हें चार्ज सौंपा जा सकता है, हालांकि इनका नाम मुख्य सचिव के दावेदारों में भी चल रहा है।

मुख्य सचिव की दौड़ के दावेदार

नए मुख्य सचिव के रूप में जिन लोगों का नाम चर्चा में हैं, उनमें से ज्यादातर इस वक्त दिल्ली में हैं। प्रमुख दावेदारों में राजस्थान कैडर के अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के आईएएस संजय मल्होत्रा, शुभ्रा सिंह, वी. श्रीनिवासन, रोहित कुमार सिंह और रजत कुमार मिश्रा के नाम शामिल हैं। इनके अलावा राजेश्वर सिंह और सुधांशु पंत का नाम भी मुख्य सचिव पद के लिए सामने आ रहा है।

तबादलों के इंतजार में ब्यूरोक्रेसी

नई सरकार बनते ही अफसरों की अदला-बदली किए जाने का रिवाज है लेकिन इस बार नई सरकार बनने के बाद से अब तक अफसरों के तबादले नहीं किए गए हैं। साथ ही पिछली सरकार में सीएमओ और सीएमआर में तैनात कई अफसरों को एपीओ किया गया है।

'बिना पढ़े यहां आकर खड़े हो जाते हो'

कृषि उपनिदेशक पर भड़के केंद्रीय मंत्री चौधरी कहा- खुद को नहीं मालूम तो जनता को क्या बताओगे ?

बाड़मेर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने स्कीम की जानकारी ना होने के चलते कृषि उपनिदेशक गोपाल कुमावत को जमकर लताड़ लगाई। मंत्री ने कहा- जब आपको ही स्कीम के बारे में मालूम नहीं है तो जनता को क्या बताओगे। बिना लेटर पढ़े यहां आकर खड़े हो जाते हो। उन्होंने मंच से फटकार लगाते हुए कहा- अब ऐसे नहीं चलेगा, पिछली सरकार में बहुत भाग लिए काम से। अब काम करना पड़ेगा। इसका वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर आया। वीडियो बाड़मेर जिले के चौहटन मुख्यालय पर आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा का शाम 4 बजे का है।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी अपने लोकसभा क्षेत्र के दौरे पर हैं। इसी दौरान वे विकसित भारत संकल्प यात्रा के चलते चौहटन आए थे। यहां वे जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की कृषि स्कीमों के बारे में बता रहे थे। यहां चौहटन के कृषि उपनिदेशक गोपाल कुमावत भी मौजूद थे। इसी दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने उन्हें ड्रोन खरीद के लिए सब्सिडी के बारे में मंच से खड़े होकर पूछा। कुमावत सब्सिडी का सही जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद मंत्री चौधरी भड़क गए। वीडियो में नजर आ रहा है कि इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री चौधरी उन्हें हाथ के इशारे से रोक देते हैं। और कहते हैं- को अधिकारी अपनी फील्ड की जानकारी नहीं रखता, मैं नहीं समझता कि वो अधिकारी अपना काम ठीक ढंग से कर रहा है। जनरल आदमी ड्रोन लेना चाहता है तो सब्सिडी 40 प्रतिशत तक है। अगर एससी-एसटी या महिलाएं अपने नाम से ड्रोन लेना चाहती है तो उसकी सब्सिडी 50 फीसदी है। कृषि उत्पादक संगठनों को खरीदी पर 75 फीसदी तक छूट है। जब आपको स्कीम के बारे में भी ध्यान नहीं है तो यू ही बैठे हो यहां पर।

नॉनवेज दुकानों को लेकर फिर आगबबूला हुए बालमुकुंद आचार्य

पुलिसवालों से कहा- अगर यह आपका काम नहीं तो बॉर्डर पर काफी जगह है

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद से हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य लगातार एक्शन मोड में हैं। बालमुकुंद ने नॉनवेज रेस्टोरेंट के अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर पुलिस अधिकारियों को आदेश दिए। उन्होंने आगबबूला होते हुए कहा- 100 बार बोलने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। अगर यह आपका काम नहीं है तो साफ बात है, बॉर्डर पर काफी जगह है।

विधायक बालमुकुंद अपने समर्थकों के साथ अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर निकले थे। इस दौरान रात 8:30 बजे रामगढ़ मोड़ स्थित एमएम खान नॉनवेज रेस्टोरेंट पर पहुंचे थे। नॉनवेज रेस्टोरेंट के बाहर फुटपाथ पर कब्जा देखकर बालमुकुंद ने आमेर एसीपी आदित्य पूनिया और ब्रह्मपुरी थाना अधिकारी राजेंद्र गोदारा को मौके पर ही बुला लिया। अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। पुलिसवाले ने उनसे कहा- अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नगर निगम प्रशासन करेगा।

गोगामेड़ी के हत्या के आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

अवैध निर्माण गिराया गया, जयपुर के खातीपुरा इलाके में हुआ एक्शन

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपियों पर एक्शन शुरू हो गया है। हत्या में शामिल रहे शूटर रोहित सिंह राठौड़ के खातीपुरा स्थित मकान के अवैध निर्माण पर गुरुवार को बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची थी। दरअसल, नगर निगम ग्रेटर की विजिलेंस टीम को जानकारी मिली कि शूटर रोहित सिंह राठौड़ ने खातीपुरा इलाके में अवैध कब्जा कर रखा है। इस पर रोहित सिंह राठौड़ के खातीपुरा की सुंदरवन कॉलोनी में स्थित मकान के बाहर कार्रवाई की गई। रोहित ने खातीपुरा स्थित सुंदर नगर में प्लॉट संख्या 11 के बाहर सड़क पर अवैध निर्माण किया हुआ था। यहां बाउंड्री वॉल और कोठरी नुमा स्ट्रक्चर बना हुआ था। शिकायत मिलने के बाद पहले नगर निगम की टीम ने मौके पर जांच की।

जांच में अतिक्रमण पाए जाने पर नोटिस जारी करते हुए उसे हटाने के लिए समय दिया। नोटिस जारी करने के बाद गुरुवार दोपहर 2 बजे नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी के जरिए बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया। साथ ही बने स्ट्रक्चर और गार्डन को तोड़कर सड़क की जमीन खाली करवाई गई। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया- गोगामेड़ी की हत्या करने वाले शूटर की संपत्ति के बारे में अधिकारियों को जांच के लिए कहा था। इसके बाद उसकी प्रोपर्टी की जांच की गई थी। दरअसल, जयपुर में 5 दिसंबर को दोपहर करीब 1:03 बजे 2 बदमाशों रोहित राठौड़ और नितिन फौजी ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। फिर भाग निकले थे। गोगामेड़ी को मेट्रो मास हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। गोगामेड़ी के साथ घटना के दौरान मौजूद गार्ड अजीत सिंह गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। बदमाशों की फायरिंग में नवीन शेखावत की भी मौत हो गई थी। नवीन ही बदमाशों को गोगामेड़ी के घर ले गया था।

सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने शिकारी बाज को पकड़ा

जांच-पड़ताल के बाद वन विभाग के सुपुर्द किया

जैसलमेर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाके की भारत-पाक सीमा के समीप शाहगढ़ इलाके में बीएसएफ के जवानों ने एक शिकारी बाज पकड़ा है। पक्षी के पंजे में रिंग लगी है। जांच-पड़ताल के बाद पक्षी को वन विभाग को सौंप दिया गया है। वहां वन विभाग इस शिकारी पक्षी की देखभाल के साथ ही इसके पंजे में लगी रिंग की भी जांच करेगा।

भारत-पाक सीमा के एरिया में एक शिकारी पाकिस्तानी ट्रेंड फाल्कन बाज को पकड़ा गया। ये पक्षी सीमा पार से उड़कर आया है। हालांकि बाज पर किसी प्रकार का ट्रांसमीटर नहीं लगा है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि उड़ान के दौरान वे कहीं गिर गए हैं।

6 दिन बाद पिंजरे में दूसरा लेपर्ड कैद

पिंजरे में फंसा तो लगाई दहाड़, ग्रामीणों की लगी भीड़

अजमेर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्यावर जिले के गांव चक्की का बाड़िया में लगातार दूसरे दिन एक और लेपर्ड पिंजरे में कैद हो गया। लेपर्ड के फंसने की सूचना पर ग्रामीण मौके पर जुट गए। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को अपने कब्जे में लिया है। जिसे टॉडगढ़ अभ्यारण क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इसी जगह पर एक लेपर्ड पिंजरे में कैद हुआ था। जिसने पिंजरे का एक सरिया तोड़ दिया और वह लहूलुहान हो गया था।

दरअसल, ग्राम लगेतखेड़ा के चक्की का बढ़िया में लेपर्ड के मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग ने 6 दिन पहले ही पिंजरा लगाया था। गुरुवार को इस पिंजरे में एक और लेपर्ड कैद हो गया। लेपर्ड के पिंजरे में फंसने की सूचना पर ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। इसकी सूचना वन विभाग की टीम को दी गई। 2 दिन में दो लेपर्ड के पिंजरे में फंसने के बाद लगेतखेड़ा सहित आसपास के गांव के लोगों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग की टीम ने दूसरे लेपर्ड को अपने कब्जे में लिया है। जिसे टॉडगढ़-रावली अभयारण्य में सुरक्षित छोड़ा जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि अभी भी क्षेत्र में दो और लेपर्ड के मूवमेंट हैं।

गुरुवार सुबह लैपर्ड के पिंजरे में फंसने की सूचना पर माइंस क्षेत्र में ग्रामीण इकट्ठा हो गए।

बालाजी धाम से प्रसाद के लिए अयोध्या जाएंगे दो लाख लड्डू

22 जनवरी को धाम में होंगे बड़े आयोजन

दौसा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में आस्था के केंद्र बिंदु रहे मेहंदीपुर बालाजी धाम में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर महाप्रसादी के रूप में दो लाख देसी घी के लड्डूओं समेत संत-महात्माओं के लिए कंबल अयोध्या भेजे जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही बालाजी धाम में भी कई धार्मिक आयोजन होने हैं। मेहंदीपुर बालाजी की सिद्धपीठ के महंत डॉ. नरेशपुरी ने बताया की अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर मेहंदीपुर बालाजी क्षेत्र में भी आयोजन को लेकर खासा उत्साह है।

एटीएम में थे 24 लाख, रस्सी से बांधकर ले गए

6 बदमाशों ने 14 मिनट में की वारदात सीसीटीवी में नजर आए लुटेरे

नागौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। एटीएम लूटने वाला गिरोह ने दस मिनट से भी कम समय में 24 लाख से भरी मशीन ले गया। लुटेरों की पूरी करतूत पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, अंधेरा अधिक होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो पाई है। लूट की यह घटना नागौर के जोधियासी गांव की है। तीन महीने में दूसरी बार नागौर जिले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को लूटा गया है।

बैंक से मिली जानकारी के एटीएम में 24 लाख 26 हजार रुपए थे। सूचना पर श्रीबालाजी पुलिस मौके पर पहुंची और जोधियासी में मौका मुआयना किया। पुलिस के अनुसार देर रात 6 बदमाश बोलेरो कैंपर में सवार होकर आए थे। वारदात को सिर्फ 14 मिनट में अंजाम दिया गया।

सीसीटीवी में दिख रहा है कि बदमाशों ने पहले एटीएम को रस्सी से बांधा और फिर बोलेरो कैंपर से बांधकर एटीएम को उखाड़ लिया।

क्रिकेट कौशल और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया एसबीआई इंटर-सर्कल क्रिकेट टूर्नामेंट पुरस्कार वितरण समारोह और समापन समारोह के साथ अपने चरम पर पहुंच गया। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम, उप्पल में आयोजित यह कार्यक्रम पांच दिनों की गहन प्रतिस्पर्धा का एक उपयुक्त समापन था।

शाम की शुरुआत भाग लेने वाली टीमों, गणमान्य व्यक्तियों और क्रिकेट प्रेमियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जो टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण क्षणों को देखने के लिए एकत्र हुए थे। मुख्य अतिथि ओपी मिश्रा, डीएमडी (एचआर) और सीडीओ, एसबीआई, कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई, राजेश कुमार, सीजीएम, हैदराबाद सर्कल और नवीन चंद्र झा, सीजीएम, अमरावती और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। समारोह की शुरुआत टूर्नामेंट के मुख्य आकर्षणों के पुनर्कथन के साथ हुई, जिसमें लुभावने प्रदर्शन, रोमांचक मुकाबले और ऐसे क्षण शामिल थे जिन्होंने पूरे समय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों ने टूर्नामेंट को शानदार सफलता दिलाने के लिए सभी टीमों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। जैसे ही क्रिकेट के महाकुंभ का सूरज डूबा, ध्यान बहुप्रतीक्षित पुरस्कार वितरण पर केंद्रित हो गया। असाधारण कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए एसबीआई बेंगलुरु सर्कल विजयी हुआ। उपविजेता एसबीआई हैदराबाद सर्कल को टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धी भावना में योगदान देने वाले उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और टूर्नामेंट के खिलाड़ी सहित खेल के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत प्रशंसा भी दी गई। पूरे टूर्नामेंट में प्रदर्शित असाधारण प्रतिभा को उजागर करते हुए पुरस्कार बड़े उत्साह के साथ प्रदान किए गए।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि, श्री मिश्रा ने एसबीआई में क्रिकेट के भविष्य पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और युवा प्रतिभाओं को जुनून और समर्पण के साथ खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। शाम का समापन एक विशेष नृत्य प्रदर्शन के साथ हुआ, जिससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों को शाम का आनंद लेने और टूर्नामेंट के यादगार पलों को फिर से जीने का अवसर मिला।

कॉटन इंडस्ट्री में अग्नि दुर्घटना से भारी नुकसान

मुलुगु जिला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले के जकारम गांव के कॉटन इंडस्ट्री में भीषण अग्नि दुर्घटना से संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। इस अग्नि दुर्घटना में बड़ी मात्रा में कपास जलकर राख हो गई है। इस भयानक अग्नि दुर्घटना के समय गोदाम में लाखों रुपये की कपास का भंडारण था। इस मामले में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि, आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मिशन के घर्षण के कारण आग लग गई। पुलिस ने उक्त दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर मामला दर्ज कर लिया है।

एनएमडीसी में मासिक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में त्वरित गति से वृद्धि हेतु लागू मासिक हिंदी प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता हिंदीभाषी तथा हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए पृथक रूप से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रुचि के साथ प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के विषय में संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि आज की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एक लिखित प्रतियोगिता है।

इस प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्न दैनिक कार्यालयीन कामकाज से संबंधित है तथा इनके अभ्यास से प्रतिभागियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कामकाज को राजभाषा हिंदी में निपटाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र राय, अधिशासी निदेशक (कार्मिक) ने प्रत्येक माह प्रतियोगिता के आयोजन की सलाह दी है और प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक कार्मिकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। अत: आगामी प्रतियोगिता जनवरी, 2024 में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), देबाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) तथा सुश्री के. सौम्या, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने सहयोग प्रदान किया।

दि हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन ने की बैठक

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दी हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन की संविधान संशोधन की तीसरी बैठक एसोसिएशन के कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा एसोसिएशन के उपाध्यक्ष तथा संविधान संशोधन के प्रधान संयोजक बालकिशन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया की कमेटी की यह तीसरी बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें यह कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा इसे अब एसोसिएशन की कार्यकारिणी कि आगामी बैठक में प्रस्तुत कर स्वीकृति प्रदान की जाएगी तत्पश्चात् सदस्यों को संशोधन की कॉपी भेजकर और कोई अन्य संशोधन हेतु उनके सुझाव माँगे जाएंगे तथा इसको अंतिम रूप पुनः कार्यकारिणी की बैठक में किया जाएगा तत्पश्चात् संविधान संशोधन हेतु एक विशेष साधारण सभा का आयोजन कर उसमे पारित करवाया जाएगा। विशेष साधारण सभा का अंतिम निर्णय होने के बाद इसे लागू किया जाएगा। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार चिनानिया, संविधान संशोधन कमेटी के प्रधान संयोजक बालकिशन अग्रवाल, अन्य संयोजक गण में मुकुंद लाल अग्रवाल, कपूरचंद गुप्ता, राजेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मामलों को गलत ढंग से संभालने के आरोप में दो निरीक्षक निलंबित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्तव्य में लापरवाही और गैर-पेशेवर आचरण के लिए साइबराबाद सीपी द्वारा दो निरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया। आरजीआई हवाई अड्डे और केपीएचबी पुलिस स्टेशनों पर काम करने वाले इंस्पेक्टरों ने कथित तौर पर पारिवारिक मुद्दों से संबंधित विभिन्न मामलों और दूसरे नियमित मामले को गलत तरीके से संभाला था। गड़बड़ी की जानकारी पर साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने जांच के आदेश दिए और इंस्पेक्टरों को निलंबित कर दिया।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया में हिंदी कार्यशाला

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, सैबर टॉवर, हैटेक सिटी, माधापूर, हैदराबाद में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया सीवीडी रामप्रसाद, संस्थान के निदेशक महोदय के स्वागत वचनों से कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। अख्तर आलम, राजभाषा अधिकारी व उप निदेशक ने मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता का परिचय दिया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मो. कमालोद्दीन, सहायक निदेशक (राजभाषा) (सेवानिवृत्त), हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद को आमंत्रित किया गया। मुख्य वक्ता ने राजभाषा के प्रयोग प्रसार को बढावा देने के लिए हिन्दी के विकास की संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने हिंदी भाषा और व्याकरण पर जानकारी दी और साथ ही टिप्पण व प्रारूप लेखन पर अभ्यास भी कराया। उन्होंने ई-टूल्स के माध्यम से हिंदी टंकण एवं अनुवाद के उपायों पर चर्चा की। उक्त कार्यशाला में एसटीपीआई/हैदराबाद के अंतर्गत आने वाले बाहरी उप-केंद्रों के प्रभारियों तथा कर्मचारियों ने वेबेक्स के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थित हुए। इस कार्यशाला में एसटीपीआई, हैदराबाद तथा उप-केंद्रों के विभिन्न अनुभागों के कुल 42 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। अख्तर आलम राजभाषा अधिकारी व उप निदेशक के धन्यवाद प्रस्ताव से कार्यशाला सम्पन्न हुई।

अभयहस्त आवेदनों की स्वीकृति शुरू

भैंसा, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा अभयहस्थ के तहत क्रियान्वित की जाने वाली छह गारंटी कल्याण योजनाओं के लिए आवेदनों की स्वीकृति गुरुवार से शुरू हो गई है।

शहर के 1.2 वार्डों के लिए कुंटा क्षेत्र के फिल्टरबेड में और वार्ड 14 और 15 के लिए किसनाल्ली में पुराने नगरपालिका भवन में आवेदन प्राप्त हुए। वार्ड अधिकारियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने आवेदन प्राप्त किए और नगर निगम प्राधिकरण के तहत बिना किसी कठिनाई के आवेदन भरने के लिए एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया।

चालान में छूट से करोडों की आय

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लंबित चालान में रियायत दिये जाने के बाद इसकी विशेष प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अब तक पूरे राज्य में कुल 9.61 लाख लंबित चालनों से कुल 2.62 करोड रुपये की वसूली हुई है। परिवहन विभाग ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हैदराबाद परिधि में कुल 3.53 लंबित चालानों के जरिये 1.80 करोड रुपये की आय हुई है। राचकोंडा परिधि में 93 हजार चलानों के जरिये 76.79 लाख रुपये की आय हुई है। चालान के भुगतान लगातार होने से सर्वर लगातार बाधित हो रही है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने चालान पर भारी छूट देते हुए जीओ जारी किया था। इसके अंतर्गत दुपहिया और तिपहिया वाहनों पर 80 प्रतिशत फोर व्हीलर और हेवी वेहिकल पर 60 प्रतिशत और आरटीसी बसों पर 90 प्रतिशत की छूट दी गयी। पिछले महीने के अंत तक चालानों की संख्या लगभग 2 करोड तक जा पहुंची थी। निर्धारित समय में चालान का भुगतान करने पर रियायत देने की घोषणा की गयी थी।

कांग्रेस जनता की सरकार : मल्लू

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों को धन वितरित करना और तेलंगाना में इंदिराम्मा राज्यम की स्थापना करना है। उपमुख्यमंत्री ने गुरुवार को छह गारंटियों के कार्यान्वयन के लिए प्रजा पालन कार्यक्रम की शुरुआत की और रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम विधानसभा क्षेत्र के अब्दुल्लापुरमेट गांव में लोगों से आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर बोलते हुए,भट्टी भविक्रमार्क ने लोगों के कल्याण के लिए काम करने में विफल रहने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि यह एक दुष्ट कार्य था कि एक दशक तक शासन करने वाली बीआरएस सरकार ने एक भी राशन कार्ड नहीं दिया।

उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों के दौरान तेलंगाना के लोगों को पानी, धन और नियुक्तियां नहीं मिलीं और बीआरएस सरकार लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार एक समुदाय और एक व्यक्ति की नहीं है। यह लोगों के सभी वर्गों की है। प्रत्येक तेलंगाना व्यक्ति छह गारंटी प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकता है, जिसे उनकी पात्रता के आधार पर सभी लोगों तक बढ़ाया जाएगा।"उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस यह कहते हुए लोगों को लालच नही दे रही है कि पार्टी में शामिल होने वालों को ही घर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी को तकलीफ नहीं होगी क्यों कि .ये जनता की सरकार है। हमने यह विश्वास दिलाकर सरकार बनाई कि हम जनता को सुशासन देंगे। हमारी कोई कुलीन सरकार नहीं है. एक श्रेणी, एक व्यक्ति नहीं। हमने जनता के सामने जो छह गारंटी दी है, उसे हम लागू कर रहे हैं। हम आपके पास आएंगे और आवेदन स्वीकार करेंगे। हम प्रत्येक सौ परिवारों पर एक काउंटर लगाकर आवेदन स्वीकार कर रहे हैं। हम इस राज्य और धन को लोगों को समर्पित करेंगे। कार्यक्रम में विधायक मल्ला रेड्डी रंगारेड्डी, कलेक्टर गौतम, राज्य के अधिकारी संदीप कुमार सुल्तानिया, हनुमंत राव, श्रुति ओझा, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने भाग लिया। '

मंत्री उत्तम व श्रीधर बाबू आज करेंगे मेडिगड्डा परियोजना का दौरा

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी व राज्य मंत्री श्रीधर बाबू और अन्य अधिकारी कल 29 दिसंबर को मेडीगड्डा परियोजना का दौरा करेंगे। इस संदर्भ में तेलंगाना सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि राज्य मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी व राज्य मंत्री श्रीधर बाबू दोनों शुक्रवार सुबह दस बजे स्पेशल हेलीकॉप्टर से ग्रेटर हैदराबाद से मेडिगड्डा के लिए रवाना होंगे। इस बैराज पर अधिकारियों व्दारा उक्त मंत्रियों को कालेश्वरम परियोजना पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेगे।

इस पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के दौरान मंत्रियों को कालेश्वरम, मेडिगड्डा और अन्नाराम बैराज से जुडी आवश्यक बिजली और तत्संबंधित समस्या के समाधान के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसमें तत्संबंधित अधिकारीगण उक्त परियोजना के निर्माण के फायदे और नुकसान के बारे में भी विवरण प्रस्तुत करेंगे। इसके चलते उक्त मंत्रियों ने पहले ही ईएनसी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं कि निर्माण कंपनियां, उप ठेकेदारगण और परियोजना के निर्माण से संबंधित सभी लोग 29 दिसंबर 2023 की बैठक में जरूर उपस्थित होवें। इसी क्रम में निर्माण कार्य से जुड़ी संस्थाएं भी भाग ले रही है।

अग्रणी महिला मंच द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अर्ली बर्ड गेम की प्रतियोगिता रखी गई।

सब महिलाओं ने बॉलीवुड थीम पर तैयार होकर आए थे। सभी महिलाओं ने मिलके तंबोला खेला। कार्यकारिणी के साल भर के कार्य को देख के सभी कार्यकारिणी का सुमन भुवानिया द्वारा सम्मान किया गया। तंबोला में सभी ने मिलके खूब मस्ती की। अंत में सभी ने एक दूसरे को न्यू इयर की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, कोमल अग्रवाल, पायल अग्रवाल, वंदना पचारिया, प्रीति गोयल, स्मिता शाह, रितु गोयल, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, मीनाक्षी अग्रवाल, शीतल बंसल, संगीता जाजोदिया एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया का समाज की उन्नति व धर्म संगठक कार्य करने के उपलक्ष्य में उनका सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, राकेश कुमावत व अन्य।

गांजा मामले में आरोपी गिरफ्तार

कुमरमभीम आसिफाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित गांजा रखने के मामले में जिले के एसपी सुरेश कुमार आईपीएस के आदेश के बाद आज मामला दर्ज किया गया है। इस मौके पर रेबेना सीआई अल्लम नरेंद्र ने आरोपियों के बारे में खुलासा किया। इसमें विश्वसनीय जानकारी एसआई तिरयानी के पास आई और उस जानकारी के आधार पर एसआई ने कर्मचारियों के साथ एमएमएआरओ आरोपी आत्रम लिंगा राव (26) को गिरफ्तार कर लिया। कैरीगुड़ा ग्राम पंचायत अनुनाताडु ने अपनी जरूरतों के लिए कम और अधिक पैसे कमाने की बुरी लत से पांच माह पहले किसी अज्ञात व्यक्ति से अपने घर के पिछवाड़े में गांजे का बीज लाकर बोया था। पुलिस ने गांजा को जब्त करके थाने लाकर केस दर्ज किया गया और आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया, और सीआई ने कहा कि प्रतिबंधित गांजा की खेती या उपभोग या परिवहन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित

हैदराबाद, 28 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से गांधी भवन, हैदराबाद में आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में पार्टी को जीत दिलाने के लिए और अधिक उत्साह से काम करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय ध्वज के अनावरण के बाद समारोह में बोलते हुए, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रयासों को याद किया। रेवंत रेड्डी, मल्लू भट्टी विक्रमार्क और पोन्नम प्रभाकर जैसे नेताओं का उच्च पदों पर रहना कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की पूरी प्रतिबद्धता है। यह केवल कांग्रेस पार्टी में ही संभव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 14 जनवरी को इंफाल, मणिपुर से शुरू होने वाली राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा का पूरे दिल से समर्थन करने का आग्रह किया। गौड ने पार्टी कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी 1885 में बंबई में केवल 72 सदस्यों के साथ उभरी और 140 करोड़ भारतीयों का दिल जीतने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने वाले महान कांग्रेस नेताओं का बलिदान सभी की स्मृति में है और महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और अन्य लोगों के नेतृत्व में देश को आजादी मिली। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने प्रत्येक नेता और कैडर से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की सफलता के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

ग्रुप-2 परीक्षा स्थगित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने 6 और 7 जनवरी, 2024 को होने वाली ग्रुप-2 परीक्षा स्थगित कर दी है।टीएसपीएससी ने घोषणा की कि परीक्षाओं की संशोधित तारीखों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।अगस्त के बाद से यह तीसरी बार है जब यह परीक्षा स्थगित की गई है। टीएसपीएसस 783 ग्रुप-सेकंड पदों को अधिसूचित किया था, इसके लिए 5,51,943 उम्मीदवारों ने जनवरी और फरवरी में आवेदन किया था।

परीक्षाएं मूल रूप से 29 और 30 अगस्त के लिए निर्धारित की गई थीं। हालांकि, टीएसपीएससी ने उम्मीदवारों की मांग के बाद परीक्षा स्थगित कर दी, जिन्होंने हवाला दिया कि तारीखें अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के साथ टकरा रही थीं।टीएसपीएससी ने बाद में घोषणा की कि परीक्षाएं 2 और 3 नवंबर को आयोजित की जाएंगी। लेकनि 3 नवंबर को तेलंगाना विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के कारण, टीएसपीएससी ने परीक्षाओं को 6 और 7 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया।राज्य में सरकार बदलने के बाद टीएसपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों के इस्तीफे के कारण नवीनतम स्थगन हुआ है।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा था कि राज्यपाल ने अभी तक अध्यक्ष और सदस्यों के इस्तीफे स्वीकार नहीं किए हैं और ऐसा होते ही नए बोर्ड का पुनर्गठन किया जाएगा।उन्होंने बेरोजगारों की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि एक बार नया बोर्ड बन जाने के बाद, नौकरी अधिसूचना जारी करने और परीक्षा आयोजित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 9 दिसंबर 2024 तक सरकारी विभागों में दो लाख रिक्तियां भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुझे मैडम के बदले सीताक्का कहकर संबोधित करें : मंत्री

आदिलाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री सीताक्का ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे उन्हें मैडम न कहकर सीताक्का नाम से संबोधित करें। इस संदर्भ में, तेलंगाना सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि मंत्री सीताक्का ने कांग्रेस सरकार के सार्वजनिक प्रशासन से संबंधित आदिलाबाद जिले के ज़ैनाथ मंडल जामिनी में भाग लिया। इस अवसर पर कई लोग उन्हें मैडम कहकर पुकारने लगे। इस पर मंत्री सीताक्का ने सुझाव दिया कि उन्हें मैडम के बदले सीताक्का कहकर संबोधित करें, क्योंकि 'मैडम का अर्थ है दूरी तथा यह याद जरूर रखना कि मैं सीताक्का तुम्हारी बहन बडी बहन हूं। उन्होंने आगे कहा कि शासकीय पद किसी के लिए स्थायी नहीं होते.पर हमारे लिए संस्कार और अच्छे कर्म स्थायी होते हैं। उन्होंने जनता से कहा कि, जब भी उन्हें किसी चीज की जरूरत हो तो वे उनसे सीधा वार्तालाप कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने आदिलाबाद जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में, जामिनी में जनता के समीप शासन कार्यक्रम शुरू किया।

हैदराबाद में बने हैं अयोध्या राम मंदिर के दरवाजे

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में पिछले 3 साल से भी ज्यादा समय से बन रहे श्री राम मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होने वाला है इस दिन मंदिर और श्री राम को एक झलक देखने के लिए देश-विदेश से लाखों भक्तों के आने की संभावना है। मंदिर के सारे दरवाजे हैदराबाद में तैयार किए गए है। देश की बड़ी टिम्बर कंपनियों में से एक अनुराधा टिम्बर्स इंटरनेशनल ने इसका काम किया है. जानकारी के अनुसार इनके निर्माण का पहला चरण पूरा हो चुका है और अंतिम चरण का काम शुरू होने वाला है। कपाट को अंतिम रूप देने के लिए इसमें सोने की गिल्डिंग की जाएगी और मंदिर में लगाया जाएगा. राम मंदिर के दरवाजे बनाने वाली कंपनी के मालिक शरत बाबू ने इसे अपना सौभाग्य बताया कि उन्हें राम मंदिर में अपना योगदान देने का मौका मिला।

उन्होंने दरवाजों के डिजाइन के बारे में बताते हुए कहा कि ये नागर शैली से प्रेरित है. ये शैली उत्तरी भारत के लगभग सभी मंदिरों में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि इन दरवाजों पर की गई नक्काशी हिन्दू संस्कृति और सभ्यता को दर्शाती है। हाथों से बनाए गए ये दरवाजे हमारे क्वालिटी काम को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दरवाजे के लिए यूज की गई लकड़ी एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक चलेगी। अगर बात करें श्री राम मंदिर में लगाए जाने वाले सभी दरवाजों की तो जो कपाट गर्भगृह में लगने वाले हैं उनकी ऊंचाई 8 फीट है, 12 फीट चौड़े हैं और 5 इंच मोटे हैं। इसके अलावा मंदिर में लगने वाले अन्य दरवाजे भी इसी ऊंचाई के होंगे और इतने ही मोटे होंगे लेकिन उनकी चौड़ाई अलग-अलग होगी। इन्हें बनाने के लिए महाराष्ट्र की खास बल्हारशाह सागौन लकड़ी इस्तेमाल की गई है। इसे आकार देने के लिए तमिलनाडू से शिल्पकारों को बुलाया गया था और सभी दरवाजे दिन-रात काम करके 6 महीने की समय सीमा में तैयार किए गए हैं।

'टीटीडी फंड डायवर्ट करने का प्रयास'

अमरावती, (एपी), 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपी भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाटी पुरंदेश्वरी ने कहा कि, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अध्यक्ष भूमना. करुणाकर रेड्डी जो अलग धर्म(गैर हिंदू धर्म) के होनेपर, वे टीटीडी फंड डायवर्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। इस संदर्भ में, एपी भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाटी पुरंदेश्वरी ने अमलापुरम में बीजेपी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाटी पुरंदेश्वरी ने टीटीडी अध्यक्ष पर यह आरोप लगाया कि, टीटीडी अध्यक्ष भूमना करुणाकर रेड्डी वे अलग धर्म से हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जगरेब जाएंगे भारतीय पहलवान

ओलंपिक के साल में तैयारी पर होगा पूरा जोर

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित किए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन कर दिया। भूपिंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता में यह समिति कुश्ती महासंघ का कार्यभार संभालेगी। समिति के सदस्यों में पूर्व हॉकी ओलंपियन एमएम सोमाया और राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर शामिल हैं। बाजवा महासंघ की पिछली तदर्थ समिति के भी सदस्य थे। तदर्थ समिति का चेयरमैन बनते ही बाजवा ने घोषणा कर दी कि अगले माह सबसे पहले जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराई जाएगी। इसके बाद ओलंपिक क्वालिफाइंग की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर लगाया जाएगा।

मंत्रालय ने समिति गठित करने को कहा था

21 दिसंबर को कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह महासंघ के अध्यक्ष बने थे। उन्होंने उसी दिन नंदिनीनगर (यूपी) में अंडर-15, 20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराने की घोषणा की थी। 24 दिसंबर को मंत्रालय जल्दबाजी में लिए गए इसी फैसले को आधार बनाते हुए महासंघ को निलंबित कर दिया था। साथ ही आईओए से महासंघ का काम देखने के लिए तदर्थ समिति गठित करने का आग्रह किया था।

पहलवानों की तैयारी होगी प्राथमिकता

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आईओए को महासंघ की ओर से अपने ही संविधान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सुशासन की नीति के खिलाफ लिए फैसलों की जानकारी है। यह महासंघ के अंदर शासन संबंधी अंतर को दर्शाता है। आईओए निष्पक्ष खेल, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ आईओसी की ओर से खिलाड़ियों के हितों की रक्षा सुनश्चित करने के लिए तदर्थ समिति के गठन का फैसला ले रही है। समिति महासंघ के कार्यों के अलावा पहलवानों के चयन, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी एंट्री, खेल गतिविधियां चलाएगी, साथ ही महासंघ के बैंक एकाउंट और वेबसाइट के संचालन के अलावा अन्य गतिविधियों को अंजाम देगी। बाजवा ने कहा कि यह ओलंपिक वर्ष है। इसकी तैयारियां उनकी प्राथमिकता होगी।

रैंकिंग टूर्नामेंट में जगरेब जाएगी टीम

यही नहीं 10 से 14 जनवरी को जगरेब (क्रोएशिया) में होने वाले रैंकिंग टूर्नामेंट में भारतीय टीम को भी भेजने की तैयारी कर ली गई है। इस टूर्नामेंट में एशियाई खेलों में भाग लेने वाली टीम को भेजा जाएगा। एशियाड में बजरंग भी खेलने गए थे, लेकिन इस टूर्नामेंट के लिए उनकी उपलब्धता को देखी जाएगी। यही नहीं महासंघ के चुनाव से पहले कार्यभार देख रही तदर्थ समिति ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी रेलवे को दी थी। यह चैंपियनशिप नौ जनवरी से जयपुर में होनी थी। इस चैंपियनशिप को फिर से जयपुर में कराने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं।

अगले सप्ताह होगा टीम इंडिया का ऐलान

टी20 में कप्तानी को लेकर फंसा पेंच

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जनवरी में अफगानिस्तान की टीम भारत का दौरा करने वाली है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी। जिसको लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले सप्ताह टीम इंडिया का ऐलान कर सकता है। इस सीरीज से पहले टी20 इंटरनेशनल में भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर बड़ा पेंच फंसा है। हार्दिक पांड्या विश्व कप 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से पांड्या टीम से बाहर चल रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज से भी बाहर रह सकते हैं। वहीं हार्दिक के बाद सूर्यकुमार यादव भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में उनके भी खेलने की संभावना बेहद कम है। अब बड़ा सवाल है कि आखिर अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में टीम इंडिया की कमान किसके हाथों में होगी।

रोहित शर्मा की हो सकती है वापसी

हार्दिक और सूर्यकुमार के चोटिल होने के बाद उम्मीद लगाई जा रही है कि एक बार फिर से टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा की वापसी हो सकती है। रोहित शर्मा फिर से टी20 में टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए दिखाई दे सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम कप्तानी को लेकर रोहित शर्मा से काफी लंबी बातचीत हुई है। हालांकि यह चयनकर्ताओं पर निर्भर है कि वह कौन टीम का नेतृत्व करेगा। लेकिन टीम के लिए इंग्लैंड के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज काफी अहम है।

एक साल से रोहित ने नहीं खेला टी20 इंटरनेशनल मैच

रोहित शर्मा ने पिछले एक साल से कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। रोहित शर्मा को आखिरी बार टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए देखा गया था। वनडे विश्व कप के बाद रोहित ने बीसीसीआई से वाइट बॉल क्रिकेट से ब्रेक मांगा था। फिलहाल रोहित साउथ अफ्रीका के दौरे पर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। अब फैंस को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में एक बार फिर से रोहित शर्मा ही टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे।

आईपीएल ऑक्शन में नहीं बिका जो खिलाड़ी

अब सूर्यकुमार यादव के लिए बना सबसे बड़ा खतरा

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की है। इंग्लैंड के फिल साल्ट ने आईसीसी टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। जिसमें इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज फिल साल्ट को तगड़ा फायदा हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में फिल साल्ट ने शानदार बल्लेबाजी की थी। इस सीरीज में फिल साल्ट ने लगातार दो मैचों में दो शतक लगाए थे। जिसके बाद अब फिल साल्ट अपने टी20 क्रिकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

अब फिल साल्ट 802 की रैटिंग के साथ आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में अभी भी पहले स्थान पर सूर्यकुमार यादव मौजूद हैं।

सूर्यकुमार यादव 887 रैटिंग के साथ आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 787 रैटिंग के स्थान तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

वनडे में बाबर आजम पहले स्थान पर

बल्लेबाजी की आईसीसी वनडे रैंकिंग की बात करे तो पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 824 रैटिंग के साथ लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। शुभमन गिल अभी भी लिस्ट में दूसरे नंबर पर बरकरार हैं। शुभमन गिल 801 रैटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर मौजूद है। विराट कोहली के 768 रैटिंग प्वाइंट्स और रोहित शर्मा के 746 रैटिंग प्वाइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लिस्ट में 745 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ पांचवे स्थान पर मौजूद हैं।

टेस्ट में केन विलियमसन की बादशाहत कायम

बल्लेबाजों की आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन पहले स्थान पर मौजूद है। केन विलियमसन के 864 रैटिंग प्वाइंट्स है। न्यूजीलैंड के जो रूट 859 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। इसके अलावा 826 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया के स्टिव स्मिथ तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा 808 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ चौथे नंबर पर मौजूद है।

गेंदबाजों की आईसीसी रैंकिंग में टी20 में इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज आदिल रशीद 726 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ पहले स्थान पर है।

वनडे में साउथ अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज 716 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के आर अश्विन 879 रैटिंग प्वाइंट्स के साथ पहले स्थान पर हैं।

पीकेएल 10: यूपी योद्धाज घरेलू मैदान पर धमाकेदार प्रदर्शन के लिए तैयार

आज से शुरू होगा होम लेग

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी योद्धाज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की। वर्तमान में, दो जीत और एक टाई के साथ तालिका में दसवें स्थान पर मौजूद योद्धा अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन पर सवार होकर बदलाव का लक्ष्य रखेंगे।

दिल्ली एनसीआर में कबड्डी का बुखार बढ़ने वाला है क्योंकि प्रो कबड्डी लीग में उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली यूपी योद्धाज एक बार फिर अपने घरेलू मैदान पर लौटने की तैयारी कर रही है। योद्धाज अपने घरेलू मैदान पर 2 सीजन के लंबे इंतजार के बाद खेलन को लेकर काफी उत्सुक हैं। यूपी योद्धाज ने आज अपने घरेलू स्टेडियम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने होम लेग की घोषणा की। योद्धाज, अपने घरेलू दर्शकों के सामने चार रोमांचक मुकाबले खेलेंगे। 29 दिसंबर, 2023 को योद्धाज बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ मुकाबले के साथ होम लेग की शुरूआत करेंगे।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 के सभी 11 खेलों के टिकट पेटीएम इनसाइडर एप्लिकेशन और वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, प्रशंसक सीधे गेट नंबर 5 पर स्थित बॉक्स ऑफिस से भी टिकट खरीद सकते हैं। सभी दिन सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक प्रशंसक टिकट खरीद सकते हैं। टिकटों की कीमत मात्र 150 रुपये है। 29 दिसंबर 2023 को होम लेग की शुरुआत से पहले बोलते हुए, पीकेएसवी सागर ने कहा, "हम अपने होम लेग, नोएडा में प्रो कबड्डी लीग का स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं। मुझे उम्मीद है कि शहर के प्रशंसकों को स्टेडियम से अपनी पसंदीदा टीम को लाइव खेलते हुए देखकर रोमांचक अनुभव मिलेगा। इस बार हमने टिकटों की कीमत भी बहुत उचित दर पर रखी है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कबड्डी प्रशंसक बड़ी संख्या में आएं। हम प्रो कबड्डी लीग के एक शानदार और सफल नोएडा चरण की कामना करते हैं।

यूपी योद्धाज के मुख्य कोच जसवीर सिंह ने कहा, "टूर्नामेंट से पहले जीएमआर स्पोर्ट्स की हमारी दो अकादमियों में हमारे पास 50 दिनों का उपयोगी प्रशिक्षण सत्र था। लीग के शुरुआती दिनों में चोटों के कारण हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन अब टीम पूरी तरह से फिट है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। लीग का 70 प्रतिशत से अधिक मैच अभी बाकी है। हम आने वाले दिनों में अपनी बढ़त फिर से हासिल करने के लिए आश्वस्त हैं। जीएमआर समूह हमेशा हमारा समर्थन करता रहा है और हम अपने प्रशंसकों को खुश और गौरवान्वित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।"

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, यूपी योद्धाज के कप्तान, प्रदीप नरवाल ने कहा, "मैं अपने घरेलू दर्शकों के सामने यूपी योद्धाज के कप्तान के रूप में अपने पहले अनुभव का इंतजार कर रहा हूं। मुझे विश्वास है कि हम एक टीम के रूप में अपना योगदान देंगे।" अपने प्रशंसकों को खुश देखने का ये सबसे अच्छा मौका होगा । इस अवसर पर बोलते हुए, सुरेंदर गिल, रेडर, यूपी योद्धाज ने कहा, "यह अब तक एक मिश्रित सीजन रहा है। घरेलू दर्शकों के सामने हर मुकाबला रोमांचित रखने का पूरा प्रयास करेंगे। एक टीम के रूप में हम कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। मैं घरेलू चरण में हमारे लिए अनुकूल नतीजों को लेकर सकारात्मक हूं।"

यूपी योद्धाज ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की। वर्तमान में, दो जीत और एक टाई के साथ तालिका में दसवें स्थान पर मौजूद योद्धा अपने घरेलू दर्शकों के समर्थन पर सवार होकर बदलाव का लक्ष्य रखेंगे।

सुरेंद्र गिल योद्धाज के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे हैं। गिल सबसे सफल रेड (56) और सबसे अधिक रेड पॉइंट (75) के साथ सूची में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्हें डबकी-किंग परदीप नरवाल का अच्छा समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने अपनी महानतम प्रदर्शन किया है। इस सीजन में अब तक 43 रेड अंक हासिल प्राप्त किए किए हैं। योद्धाज की रक्षा का ध्यान नितेश कुमार, गुरदीप और सुमित की तिकड़ी ने अच्छी तरह से रखा है, जिनके पास क्रमशः 22, 19 और 17 टैकल पॉइंट हैं। घरेलू दर्शकों को इन खिलाड़ियों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी और उम्मीद होगी कि योद्धा जीत की राह पर लौटेंगे।

पहली बार अंपायर की वजह से रुका खेल

लिफ्ट बना कारण

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की टीम मौजूदा समय में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के तहत आमने-सामने है। प्रतिष्ठित सीरीज का दूसरा मुकाबला मेलबर्न में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के तीसरे दिन मैदान में एक अजीबोगरीब हादसा देखने को मिला।

खिलाड़ियों के ग्राउंड में उपस्थित होने के बावजूद खेल करीब 5 मिनट के लिए रुका रहा, फैंस समझ नहीं पा रहे थे आखिरकार मैदान में सभी खिलाड़ी उपस्थित हैं। इसके बावजूद मैच को क्यों नहीं शुरू किया जा रहा है। अब इसका कारण निकलकर समाने आया है। बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन थर्ड अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ अपनी जगह से गायब नजर आए। जब तक वह अपनी शीट से गायब थे तबतक खेल को भी रोकना पड़ा। अब आपके दिमाग में सवाल उठ रहा होगा कि आखिरकार बीच मैच से इलिंगवर्थ कहां गायब हो गए, जिसकी वजह से खेल को ही रोकना पड़ गया। तो इस हादसे के बाद कॉमेंटेटर ने खुलासा करते हुए बताया कि वह लंच के बाद जब अपने रूम में आ रहे थे, तब वह लिफ्ट में फंस गए थे। यही वजह है कि तीसरे दिन का खेल लंच के बाद कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। बात करें मैच के बारे में तो मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में मेहमान टीम को 264 रन पर ढेर करने के बाद कंगारू टीम ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 108 रन बना लिए हैं।

पूर्व क्रिकेटर ने आईपीएल अफसर और आईपीएल खिलाड़ी बन लोगों को लगाया लाखों का चूना

ऋषभ पंत से भी 2 साल में ठग लिए 1.63 करोड़

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने एक पूर्व क्रिकेटर को 25 दिसंबर को ताज पैलेस समेत कई लक्जरी होटलों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोपी की पहचान 25 साल के मृणांक सिंह के रूप में हुई है। मृणांक सिंह ने कथित रूप से जुलाई 2022 में दिल्ली के ताज पैलेस में 5.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी।

यही नहीं, मृणांक सिंह ने 2020 और 2021 के बीच क्रिकेटर ऋषभ पंत को कथित रूप से 1.63 करोड़ रुपये का चूना लगाया। मृणांक सिंह ने ऋषभ पंत को सस्ती दर पर महंगी घड़ियां और मोबाइल फोन दिलाने की पेशकश की थी। हालांकि, चेक बाउंस होने के कारण ऋषभ पंत को 1.63 करोड़ रुपये का चूना लग गया।

इंडियाटुडे की खबर के मुताबिक, पुलिस ने बताया है कि मृणांक सिंह खुद को कर्नाटक का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार बताकर लग्जरी होटलों में ठगी करता था। जुलाई 2022 में ताज पैलेस की ओर से दिल्ली के चाणक्यपुरी पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दी गई थी।

उसमें कहा गया था, मृणांक सिंह पिछले साल जुलाई में एक सप्ताह के लिए होटल में रुके और 5,53,362 रुपये का अपना बिल

चुकाए बिना चले गए। जब बिल का भुगतान करने के लिए कहा गया तो मृणांक ने कहा कि एडिडास भुगतान करेगा। उसने दावा किया कि एडिडास उसे स्पॉन्सर कर रहा है।

इसके बाद कर्मचारियों ने होटल के बैंक विवरण मृणांक सिंह के साथ शेयर किए। मुणांक ने उन्हें एक लेनदेन आईडी दी जिसमें कहा गया कि 2 लाख रुपये का भुगतान पूरा हो चुका है। हालांकि, होटल को अपने सिस्टम पर लेनदेन नहीं मिला।

मृणांक और उनके मैनेजर गगन सिंह से फोन पर संपर्क किया गया और तो बताया गया कि बकाया राशि के भुगतान के लिए अपने ड्राइवर को नकदी के साथ भेजेंगे। हालांकि, मृणांक का वादा झूठा निकला। उसने भुगतान नहीं किया। इसके बाद शिकायत दर्ज की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने मृणांक के पते पर नोटिस भेजा, लेकिन वहां भी उससे संपर्क नहीं हो पाया। मृणांक के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने मृणांक सिंह को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया है, क्योंकि उनका उस पर कोई नियंत्रण नहीं था। मृणांक की लोकेशन बार-बार बदलने के कारण पुलिस उसका पता नहीं लगा पाई और उसका फोन भी स्विच ऑफ हो गया।

इसके बाद पुलिस ने मृणांक सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया और देश से भागने की कोशिश करने की स्थिति में उसे गिरफ्तार करने के लिए लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया। 25 दिसंबर को मृणांक सिंह को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया गया। मृणांक सिंह हॉन्गकॉन्ग के लिए उड़ान भरने की कोशिश कर रहा था।

आईजीआई एयरपोर्ट पर हिरासत के दौरान मृणांक सिंह ने आव्रजन अधिकारियों को धोखा देने की फिर कोशिश की। मृणांक ने खुद को एडीजीपी कर्नाटक आलोक कुमार बताकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को फोन किया और आईजीआई हवाई अड्डे पर 'अवैध रूप से हिरासत में लिए गए' अपने बेटे मृणांक सिंह की मदद करने में उनकी सहायता मांगी।

हालांकि, आव्रजन अधिकारियों ने उसे दिल्ली पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ के दौरान मृणांक सिंह ने बार-बार पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। मृणांक सिंह ने दावा किया कि उसके 'पिता' अशोक कुमार सिंह भी एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी थे और 1980 से 90 के दशक के अंत तक भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेले थे।

मृणांक ने पुलिस को यह भी बताया कि उसके 'पिता' वर्तमान में एयर इंडिया में मैनेजर के रूप में कार्यरत थे और आईजीआई हवाई अड्डे पर तैनात थे। मृणांक ने बादा खुलासा किया कि उसने खुद को कर्नाटक का एडीजीपी बताकर कई लक्जरी रिसॉर्ट और होटलों से लाखों रुपये की ठगी की। वह खुद को मुंबई इंडियंस (2014 से 2018) का हिस्सा बताता था और इसका इस्तेमाल होटल के बिलों का भुगतान करने के लिए करता था।

ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट: वापसी के लिए तैयार हैं नडाल और ओसाका, दोनों के सामने कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ओसाका मां बनने के बाद खेल में वापसी करेंगी और उन्होंने यहां अभ्यास सत्र में भाग लेकर तैयारी भी शुरू कर दी। ओसाका पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई थी और बाद में उन्होंने खुलासा किया था कि वह गर्भवती थी।

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल और नाओमी ओसाका रविवार से यहां शुरू होने वाले ब्रिसबेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी ओपन की पूर्व चैंपियन ओसाका मां बनने के बाद खेल में वापसी करेंगी और उन्होंने यहां अभ्यास सत्र में भाग लेकर तैयारी भी शुरू कर दी। ओसाका पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई थी और बाद में उन्होंने खुलासा किया था कि वह गर्भवती थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.